Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 3
नई दिल्ली, बुधवार, 6 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय 10

राष्ट्रपति मुर्मू ने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को सराहा

एक और मुठभेड़, कश्मीर में जाड़ों के लिए सुरक्षा बल सतर्क

मोहित कंधारी। जम्मू

उमर अब्दुल्ला सरकार के गठन के बाद कश्मीर घाटी में 20 दिनों के अंतराल में आतंकवादी हिंसा की लगातार आठ घटनाओं ने पूरे सुरक्षा तंत्र में खतरे की घंटी बजा दी है और आने वाले लंबे सर्दियों के मौसम के लिए तैयार रहने को कहा है। हमलों का पैटर्न भी एक परेशान करने वाला रुझान दिखाता है क्योंकि आतंकवादी संचालकों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए निष्क्रिय और कम उम्मीद वाले क्षेत्रों को चुना है। आतंकवादी संचालकों ने नव निर्वाचित लोकप्रिय सरकार और सुरक्षा प्रतिष्ठान के बीच दरार पैदा करने के लिए जम्मू क्षेत्र से अपना ध्यान वापस कश्मीर घाटी में केंद्रित कर लिया है।

हाल ही में, जब एलजी मनोज सिन्हा ने सोनमर्ग के गगनगीर इलाके में निर्माण श्रमिकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद एकीकृत कमान मुख्यालय की बैठक की अध्यक्षता की, तो नव निर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपनी अनुपस्थिति के कारण चर्चा में रहे। इन हमलों के लक्ष्यों और समय के चयन से पता चलता है कि आतंकवादी संचालक अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना चाहते थे, ताकि वे अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा बलों की भारी मौजूदगी के बावजूद अपनी इच्छानुसार हमला कर सकें।

श्रीनगर में टीआरसी केंद्र के पास व्यस्त रविवार बाजार में दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले के दो दिन बाद, मंगलवार

फाइल चित्र

को बांदीपुरा के कैतसन वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह को घेर लिया। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया, कैतसन जंगल के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू और कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा बांदीपोरा के चुंटावाड़ी कैतसन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। गोलीबारी शुरू हुई। ऑपरेशन जारी है।

हालांकि, अपुष्ट रिपोर्टों ने दावा किया कि क्षेत्र में चल रहे ऑपरेशन में एक आतंकवादी को मार गिराया गया। कैतसन के घने जंगल वाले इलाके में फंसे आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए अतिरिक्त सैनिकों को भी भेजा गया है। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को चेतावनी दी कि आतंकवादियों को शरण देने वालों के घरों को जमींदोज कर दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने लोगों से आतंक के अपराधियों के खिलाफ खड़े होने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सुरक्षा बल, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और लोग एक साथ आते हैं, तो एक साल में इस क्षेत्र से आतंकवाद का सफाया किया जा सकता है।

बारामूला जिले में एक समारोह में एलजी ने कहा, उन्होंने कहा, मैंने सुरक्षा बलों को किसी भी निर्दोष को नुकसान नहीं पहुंचाने का निर्देश दिया है, लेकिन दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर कोई आतंकवादियों को पनाह देता है, तो उसके घर को जमींदोज कर दिया जाएगा। इस पर कोई समझौता नहीं होगा।' इस मुद्दे पर मुखर कुछ राजनेताओं का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग बयान देते हैं कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि, यह अत्याचार नहीं है, बल्कि न्याय की मांग है और ऐसा न्याय जारी रहेगा। सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा पड़ोसी कोशिश कर रहा है, लेकिन इससे हमें कोई चिंता नहीं है। यहां के लोग ही उसके निर्देश पर ऐसा कर रहे हैं (यह चिंता का विषय है)। ऐसे लोगों की पहचान करना सिर्फ सुरक्षा बलों और प्रशासन का ही काम नहीं है, बल्कि लोगों का भी काम है। एलजी ने कहा कि अगर सुरक्षा बल, प्रशासन और लोग साथ आ जाएं, तो यह (आतंकवाद) यहां एक साल से ज्यादा नहीं टिकेगा। उन्होंने कहा, लेकिन अगर लोग उन्हें शरण देते हैं और फिर कहते हैं कि हम उनके साथ अन्याय कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। जम्मू-कश्मीर के लोगों से आतंक के खिलाफ खड़े होने का आह्वान करते हुए सिन्हा ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या किसी को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए काम करने वालों को मारने का अधिकार है। वह गंदेरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक सुरंग निर्माण स्थल पर 20 अक्टूबर को आतंकवादियों द्वारा (शेष पृष्ठ 9)

शीर्ष न्यायालय ने यूपी मदरसा एक्ट की वैधता बरकरार रखी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मदरसों को बड़ी राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को नियंत्रित करने वाले 2004 के राज्य कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा और कहा कि धर्मनिरपेक्षता के आधार पर किसी कानून को रद्द नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने वाले इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य कानून के तहत उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त 16,000 से ज्यादा मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को लाभ होगा। उच्च न्यायालय ने मदरसों को बंद करने को कहा था तथा राज्य सरकार को छात्रों को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में समायोजित करने का निर्देश दिया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी कानून को दो आधारों पर असंवैधानिक घोषित किया जा सकता है - विधाई क्षमता के दायरे से बाहर होना या मौलिक अधिकारों या किसी अन्य संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन करना। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें 2004 के कानून को इस आधार पर रद्द कर दिया गया था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

पीठ ने कहा, मदरसा अधिनियम (उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004) राज्य विधानमंडल की विधाई क्षमता के अंतर्गत आता है और संविधान की सूची तृतीय की प्रविष्टि 25 से इसका संबंध है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 2004 कानून के तहत फाजिल (स्नातक) और कामिल (स्नातकोत्तर) की डिग्री समेत उच्च शिक्षा के नियमन के लिए कानूनी प्रावधान राज्य विधानमंडल के अधिकार क्षेत्र से परे है, क्योंकि यह प्रावधान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम के प्रावधानों के विरोधाभासी है और इसलिए असंवैधानिक था। पीठ ने कहा, यूजीसी अधिनियम उच्च शिक्षा के मानकों को नियंत्रित करता है और राज्य का कानून यूजीसी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए उच्च शिक्षा को नियमित करने का प्रयास नहीं कर सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस आधार पर पूरे मदरसा कानून को रद्द कर गलती की कि विधाई क्षमता के अभाव में ऐसी डिग्री प्रदान करना असंवैधानिक है। पीठ ने कहा, हर बार जब कानून के कुछ प्रावधान संवैधानिक मानदंडों पर खरे नहीं उतरते हैं तो पूरे कानून को रद्द करने की ज़रूरत नहीं होती है। कानून सिर्फ तब तक अमान्य है, जब तक वह संविधान का उल्लंघन करता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी कानून की संवैधानिक वैधता को संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती। पीठ ने रेखांकित किया, इसका कारण यह है कि लोकतंत्र, संघवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसी अवधारणाएं अपरिभाषित अवधारणाएं हैं। ऐसी अवधारणाओं के उल्लंघन के लिए अदालतों द्वारा कानून को रद्द करने देने से हमारे संवैधानिक न्यायिक निर्णय में अनिश्चितता का तत्व पैदा होगा। पीठ ने कहा, धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के उल्लंघन के लिए किसी कानून की वैधता को चुनौती देते समय, यह दर्शाया जाना चाहिए कि कानून धर्मनिरपेक्षता से संबंधित संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य को अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा के (शेष पृष्ठ 9)

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए उमड़े मतदाता

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए मंगलवार को बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान केंद्रों पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सोमवार की रात दोनों उम्मीदवारों रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए सात स्विंग राज्यों में से सबसे बड़े इलेक्टोरल कॉलेज वाले पेंसिल्वेनिया में काफी समय बिताया। विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा कराए गए सर्वेक्षणों में हैरिस (60) और ट्रंप (78) के बीच कड़ी टक्कर दिखी है, जबकि कुछ ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को मामूली बढ़त मिलने का अनुमान लगाया। पेंसिल्वेनिया के अलावा, अन्य महत्वपूर्ण राज्य एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा, उत्तरी कैरोलाइना और विस्कॉन्सिन हैं। अमेरिका भर में प्रारंभिक मतदान और डाक से मतदान पर नजर रखने वाले फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के इलेक्शन लैब के अनुसार, 8.2 करोड़ से अधिक अमेरिकी पहले ही अपने मत डाल चुके हैं। अपनी अंतिम रैलियों में, दोनों उम्मीदवारों ने देश को आगे ले जाने के बारे में वस्तुत: विपरीत दृष्टिकोण के साथ अपने प्रचार अभियान का समापन किया, जिसमें हैरिस ने घृणा और विभाजन पर काबू पाने और नई शुरुआत करने के लिए एक दृष्टिकोण का आह्वान किया जबकि ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन के तहत अंधकारमय भविष्य की चेतावनी दी। हैरिस ने पेंसिल्वेनिया में अपने प्रचार अभियान को समाप्त करते हुए कहा, आज रात, हम आशावाद, ऊर्जा और खुशी के साथ अपना प्रचार समाप्त करेंगे। अपने समापन भाषण में, ट्रंप ने कहा, आज रात आपको और सभी अमेरिकियों के लिए मेरा संदेश बहुत सरल है: हमें इस तरह जीने की जरूरत नहीं है। अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से अधिकतर राज्य हर चुनाव (शेष पृष्ठ 9)

सरकारों को सभी निजी संपत्तियां कब्जे में लेने का अधिकार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 7-2 बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान के तहत राज्यों को 'सामान्य हित' के लिए वितरण के लिए सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को अपने अधीन करने का अधिकार नहीं है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि राज्य कुछ मामलों में निजी संपत्तियों पर दावा कर सकते हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा लिखे गए बहुमत के फैसले से आंशिक रूप से असहमति जताई, जबकि न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने सभी पहलुओं पर असहमति जताई।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ द्वारा सुनाए गए बहुमत के फैसले ने न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर के पांच दशक पहले के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत वितरण के लिए सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। सीजेआई की अगुआई में बहुमत वाले जजों ने छह जजों के समर्थन से कहा, हमारा मानना है कि किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले हर संसाधन को सिर्फ़ इसलिए समुदाय का भौतिक संसाधन नहीं माना जा सकता क्योंकि वह भौतिक ज़रूरतों की योग्यता को पूरा करता है। कोर्ट ने माना कि निजी स्वामित्व वाली संपत्ति को समुदाय के भौतिक संसाधन के रूप में योग्य बनाने के लिए, उसे पहले कुछ परीक्षणों को पूरा करना होगा। सीजेआई द्वारा लिखित बहुमत के फैसले में कहा गया, अनुच्छेद 39(बी) के अंतर्गत आने वाले संसाधन के बारे में जांच विवाद विशेष होनी चाहिए और संसाधन की प्रकृति, विशेषताओं, समुदाय की भलाई पर संसाधन के प्रभाव, संसाधन की कमी और निजी लोगों के हाथों में ऐसे संसाधन के केंद्रित होने के परिणामों जैसे कारकों की (शेष पृष्ठ 9)

तेज रफ्तार डीटीसी बस ने दिल्ली पुलिसकर्मी और छात्र को कुचला

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को कार की बोनट पर घसीटे जाने की घटना के दो दिन बाद ही सोमवार रात को उत्तरी दिल्ली के मोनेस्ट्री मार्केट के पास दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस की वजह से हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। इसमें एक दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल था और दूसरा बी.टेक छात्र था। पुलिस कांस्टेबल रात्रि गश्त पर था। रात करीब 10.15 से 10.30 बजे के बीच, एक हरे रंग की डीटीसी बस अनियंत्रित होकर रिंग रोड में मोनेस्ट्री मार्केट के बाहर फुटपाथ पर चढ़ गई और बाद में एक विज्ञापन बिलबोर्ड पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विज्ञापन बिलबोर्ड नीचे से टूट गया और फिर एक पैदल यात्री और सिविल लाइंस थाने के एक पुलिस कांस्टेबल पर गिर गया। बस के सड़क पार करने के बाद बस आखिरकार रुकी और डिवाइडर से टकरा गई। घटनास्थल पर हुए भयावह हादसे की गंभीरता का इस

फोटोः रंजन डिमरी

बात पता चलता है कि जहां पोल गिरा था वहां सड़क पर चारों तरफ खून बिखरा था और क्षतिग्रस्त हालत में बस सड़क के बीच खड़ी थी।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंठिया ने एक बयान में कहा, सराय काले खां से आईएसबीटी होते हुए नंद नगरी जाने वाली हरे रंग की डीटीसी बस में कुछ तकनीकी खराबी आ गई। रात करीब 10.38 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कई कॉल आईं, जिनमें दावा किया गया कि बस मोनेस्ट्री मार्केट के पास सड़क से उतर गई है, जिससे भारी नुकसान हुआ है और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि, पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के समय बस की गति बहुत तेज थी और चालक के रक्त का नमूना जांच के लिए भेजा गया है, ताकि पता चल सके कि उसने शराब पी रखी थी या नहीं। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जिसमें दिल्ली पुलिस का जवान विक्टर भी शामिल है। वह नगालैंड का रहने वाला था और 2019 में सेवा में शामिल हुआ था। वह जून 2023 से सिविल लाइंस थाने में तैनात था। दुर्घटना के समय (शेष पृष्ठ 9)

'बंटेंगे तो कटेंगे बनाम जुड़ेंगे तो जीतेंगे'

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से ठीक दो सप्ताह पहले, राजनीतिक दलों के बीच चुनावी नारों की जंग तेज हो गई है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिगत मतभेदों से परे हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बटेंगे तो काटेंगे का नारा गढ़ दिया था। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है, विपक्षी दलों ने भारतीय जनता पार्टी पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आदित्यनाथ की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे इतिहास का सबसे खराब नारा करार दिया। यादव ने नारे की निंदा करते हुए कहा कि यह सामाजिक सद्भावना को कमजोर करने वाला विभाजनकारी है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर चुनावी लाभ के लिए जिहादियों के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाया, जिससे विवाद और बढ़ गया।

मौर्य ने सोशल मीडिया एक्स पर आरोप लगाया कि सपा का असली एजेंडा मुसलमानों को खुश करना

और वोट बैंक की राजनीति के लिए जिहादियों का समर्थन करना है। उन्होंने कहा सपा की लव जिहाद, भूमि जिहाद और वोट जिहाद जैसे नारों के माध्यम से समाज को विभाजित करने की राजनीति अखिलेश यादव के तथाकथित सद्भावना के दावों को उजागर करती है। मौर्य ने सवाल किया कि क्या यह वही पीडीए है जिसे यादव ने बढ़ावा दिया था। उन्होंने घोषणा की, सपा का असली चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी बढ़ते तनाव पर टिप्पणी की। उन्होंने सभी पक्षों से भड़काऊ बयानबाजी के खिलाफ चेतावनी दी। राजनीतिक विशेषज्ञों का सुझाव है कि भाजपा का अभियान हिंदू मतदाताओं को एक पहचान के इर्द-गिर्द लामबंद करने का प्रयास है, जबकि सपा अपने पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) गठबंधन को बढ़ावा देकर इस नारे का मुकाबला करना चाहती है, जिसका उद्देश्य जाति और समुदाय के आधार पर समर्थन को मजबूत करना है। इस बीच, सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर ने बहस को फिर से हवा दे दी है। शनिवार की रात को लगे इस पोस्टर में लिखा है, मठाधीश बांटेंगे और काटेंगे, पीडीए एकजुट होगा और जीतेगा। यह विभाजन के खिलाफ हाशिए के समुदायों को एकजुट करने के लिए सपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मायावती के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने मतदाताओं से बीएसपी के साथ जुड़ने की अपील की थी। जिसमें उन्होंने एसपी-बीजेपी के बीच नारा युद्ध को वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला बताया था।

यह नारा तब आया जब आदित्यनाथ ने हरियाणा चुनाव के दौरान बंटोगे तो कटोगे का नारा दिया था, जिसे बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हैं तो सुरक्षित हैं के नारे के साथ समर्थन दिया। कुछ लोग इस संदेश को हरियाणा में (शेष पृष्ठ 9)

ओलंपिक 2036-की मेजबानी के लिए भारतीय दावेदारी पेश

पीटीआई। नई दिल्ली

भारत ने 2036 में होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने की दिशा में पहला बड़ा कदम उठाते हुए देश की इच्छा व्यक्त करने से संबंधित आशय पत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को सौंप दिया है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह पत्र एक अक्टूबर को आईओसी को सौंपा था। सूत्र ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर पूरे देश में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर पर्याप्त लाभ दिला सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल सबसे पहले 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी सरकार की इच्छा के बारे में बात की थी।

आईओसी के अगले साल होने वाले चुनावों से पहले मेजबान पर निर्णय नहीं लिया जाएगा। भारत को मेजबानी की दौड़ में सऊदी ऑरब, कतर और तुर्की जैसे कई अन्य देशों की कड़ी चुनौती का सामना भी करना पड़ेगा जो खुद को इस खेल महाकुंभ की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं। आशय पत्र सौंपने का मतलब है कि देश ओलंपिक का मेजबान चुनने की प्रक्रिया में अनौपचारिक संवाद से निरंतर संवाद के चरण में पहुंच गया है। इस चरण में आईओसी संभावित मेजबान की खेलों से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का व्यवहारिक अध्ययन करता है। आईओसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, व्यवहारिक मूल्यांकन में कई चीजों पर ध्यान दिया जाता है जिनमें मानवाधिकार, सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए व्यवसाय (बीएसआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) से जुड़े तथ्य शामिल हैं। प्रक्रिया का अगला चरण लक्षित संवाद होगा, जिसके लिए औपचारिक बोली जमा करने की आवश्यकता होगी। इसका मूल्यांकन भविष्य का मेजबान आयोग करेगा। यह प्रक्रिया आखिर में मेजबान देश के चुनाव के साथ समाप्त होगी। भारत की मेजबानी के दावे को आईओसी के वर्तमान प्रमुख (शेष पृष्ठ 9)

प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा का निधन

भाषा। नई दिल्ली

प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा का मंगलवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में निधन हो गया। वह 72 वर्ष की थीं। सिन्हा को पिछले महीने एम्स के कैंसर संस्थान, इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पिटल (आईआरसीएच) की गहन देखभाल इकाई में भर्ती कराया गया था। एम्स के एक अधिकारी ने बताया, शारदा सिन्हा का सेप्टीसीमिया के कारण रिफ्रैक्टरी शॉक के चलते रात नौ बजकर 20 मिनट पर निधन हो गया।

सिन्हा के कुछ लोकप्रिय गीतों में छठी मैया आई ना दुआरिया, कार्तिक मास इजोरियौ, द्वार छेकाई, पटना से, और कोयल बिन हैं। इसके अलावा सिन्हा ने बॉलीवुड फिल्मों में भी गाना गया था। इनमें गैंग्स ऑफ वासेपुर- टू के तार बिजली, हम आपके हैं कौन के बाबुल और मैंने प्यार किया के कहे तो से सजना

फाइल चित्र

जैसे गाने शामिल हैं। इससे पहले एम्स ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया था कि सिन्हा की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार नजर रख रहे हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार सुबह ही शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमान सिन्हा और एम्स के निदेशक से बातचीत करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। शारदा सिन्हा ने भोजपुरी, मैथिली और मगही भाषाओं में लोकगीत गाए थे और वह पद्म भूषण से भी सम्मानित थीं। सिन्हा को मल्टीपल मायलोमा (एक प्रकार का रक्त कैंसर) था और स्वास्थ्य जटिलता उत्पन्न होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। बिहार कोकिला के नाम से मशहूर एवं सुपौल में जन्मीं सिन्हा छठ पूजा एवं विवाह जैसे अवसरों पर गाए जाने वाले लोकगीतों के कारण अपने गृह राज्य बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मशहूर थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्रख्यात लोक गायिका शारदा के निधन पर शोक जताया और कहा कि उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा, आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज भी सदैव बनी रहेगी। उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 6 नवंबर, 2024

दिल्ली-लखनऊ के बीच सब कुछ ठीक नहीं: अखिलेश

सपा प्रमुख ने कहा, जिन्हें अपना भविष्य नहीं पता, वो दो साल के लिए बना रहे नियम

● गाजियाबाद में विस उपचुनाव के लिए सपा प्रत्याशी के समर्थन में पहुंचे पार्टी अध्यक्ष

गाजियाबाद में प्रेसवार्ता करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यूपी विधानसभा उपचुनाव में कैंपेन की शुरुआत अखिलेश यादव ने गाजियाबाद से की। डीजीपी चयन की पॉलिसी बदलने के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कहा- जिनको खुद का भविष्य नहीं पता है, वो दो साल के नियम बना रहे हैं। ऐसा इसलिए कर रहे हैं, जिससे बेईमानी-अन्याय किया जा सके। कानून की धज्जियां उड़ाई जा सके। इस पॉलिसी से ये भी पता चलता है कि लखनऊ और दिल्ली के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। उन्होंने कहा- भाजपा हार रही है, इसलिए चुनाव टाल रही है। इसलिए पहले अयोध्या का चुनाव टाला, फिर यूपी चुनाव की तारीखें बदल दीं। भाजपा चुनाव में कोई न कोई खास तैयारी कर रही है। ये तैयारी पुलिस को आगे करने की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि मैं रामपुर बना दूंगा। इसका मतलब ये है कि मैं वोट नहीं डालने दूंगा। भाजपा को हारने का डर है। रिंग से बाहर वही पहलवान भागता है, जो हारता है। इस मौके पर उन्होंने मसूरी क्षेत्र के इंपीरियल गार्डन फॉर्म हाउस में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। इसके बाद मीडिया से भी बातचीत की अखिलेश ने कहा- मैदान में आपने पहलवानों को देखा होगा। रिंग से बाहर कौन सा पहलवान बार-बार भागता है, जो हारता है। वही भागता है। क्या वजह है कि इन लोगों ने तारीख बदल दी। भाजपा कोई खास तैयारी कर रही होगी, उसके लिए उसे समय नहीं मिला। इसलिए उसने यही किया। वह चाहते हैं कि सभी जगह रामपुर बना देंगे। इनकी तैयारी यही है कि यह लोग वोट नहीं डालने देंगे। वोट और बूथ चिह्नित करने में लगे हैं। इन्हें पता था कि जो लोग बाहर से आए हैं, त्योहार में आए हैं। वो 13 नवंबर तक रुकेंगे और इन्हें हरा देंगे। इसलिए इन लोगों ने तारीख बदलवा दी।

अखिलेश यादव ने कहा- मैं चाहता हूं कि दिल्ली से बेहतर गाजियाबाद बने। इसका प्रयास हमने अपनी सरकार में किया। तमाम इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट गाजियाबाद में किए। मौजूदा सरकार का तो कोई काम दिखता ही नहीं है। इनका काम ये है कि सिर्फ विनाश कर दो। काम को रोक दो, तोड़ दो।

उन्होंने गाजियाबाद कोर्ट में वकीलों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर कहा कि अधिवक्ताओं के साथ पुलिस को ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था। अगर कोई बात थी तो कोर्ट में अपना प्लेटफॉर्म है, वहां दोनों पक्षों की बात सुनी जा सकती थी। पता नहीं किसका गुस्सा उतारा जा रहा है, जो वकीलों को अपमानित होना पड़ा।

अखिलेश यादव ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे के मुद्दे पर कहा- डिवाइड एंड रूल। डिवाइड का हिन्दी अर्थ है बांटो। ये नारा अंग्रेजों ने दिया था। अंग्रेज तो चले गए, लेकिन अपने वचन छोड़ गए। ये वचनवंशी लोग हैं। इसलिए इन्होंने इस तरह का नारा दिया है। भारत और उप्र का समाज कभी ऐसे नारों को स्वीकार नहीं कर सकता।

ग्रेनो में दो पक्षों में मारपीट का वीडियो वायरल

● सोसाइटी में विवाद के बाद चलीं लाठियां, तलवार लहराई

ग्रेटर नोएडा में दो पक्षों के बीच विवाद बाद हुई मारपीट।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में एक सोसाइटी में दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर लात और घूंसे चल गए। एक पक्ष का युवक तलवार लेकर पहुंच गया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बीटा 2 थाना क्षेत्र के सेक्टर पाई वन की मीनाक्षी अपार्टमेंट में रात में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि शोर मचाने को लेकर दो पक्षों में यह विवाद हुआ था। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई और बहस होने के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लात और घूंसे चले गए। इसके बाद एक पक्ष की तरफ से एक युवक तलवार निकाल लाया। काफी देर तक सोसाइटी के अंदर यह हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा और इस दौरान पूरी सोसाइटी में अफरा तफरी का माहौल हो गया।

इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बीटा 2 पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने मौके से कई लोगों को हिरासत में लिया है। उसके बाद इस मामले में लिखित तहरीर के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बीटा 2 थाना प्रभारी ने बताया कि शोर मचाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो के आधार पर बाकी आरोपियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में एलिवेटेड रोड पर आतिशबाजी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के एलीवेटेड रोड पर आतिशबाजी करने के बाद गिरफ्तार आरोपी।

गाजियाबाद में खोड़ा से नंदग्राम जा रही बरात में मौजूद बरातियों ने थाना इंदिरापुरम क्षेत्र की एलिवेटेड रोड पर गाड़ियां खड़ी करके आतिशबाजी की। इस आतिशबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं पांच गाड़ी भी सीज की है। सीज गाड़ियों में एक डांसिंग कार भी है।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया की गाजियाबाद में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा था। जिसमें कुछ लोग एलिवेटेड रोड पर गाड़ी खड़ी कर के उसके ऊपर रख कर आतिशबाजी कर रहे थे। एलिवेटेड रोड एक हाई स्पीड रोड है। वहां उन्होंने सार्वजनिक मार्ग को अवरोध किया था। साथ ही अपना और आने-जाने वाले लोगों के जीवन को खतरे में डाल रहे थे। ऐसा कर रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिसमें खोड़ा निवासी आसिफ और वसीम है। वहीं गौतमबुद्धनगर निवासी अनुज, लोनी निवासी नसीम और दिल्ली निवासी कैफ है। इनके कब्जे से पांच गाड़ियां भी मिली है। जिनको पुलिस ने सीज किया है। यह सभी गाजियाबाद के खोड़ा से नंदग्राम शादी में जा रहे थे।

स्कूटी ओवरटेक करने को लेकर हुआ विवाद, फायरिंग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में स्कूटी को ओवरटेक करने को लेकर विवाद हो गया। सही से वाहन चलाने की नसीहत देने पर युवक ने फायरिंग कर दी। इससे दहशत फैल गई। इसकी वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी चचेरे भाई हैं। हालांकि दोनों फरार हैं।

गाजियाबाद के थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में शालीमार गार्डन एक्सटेंशन में रहने वाले हितेश कुमार ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के मुताबिक हितेश पिता के साथ स्कूटी पर जा रहे थे। तभी सूर्य पार्क वाले गेट पर एक स्कूटी सवार ने स्कूटी को ओवरटेक किया।

हितेश के मुताबिक खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने पर तमीज में चलने के लिए कहा। हितेश का आरोप है कि स्कूटी सवार व्यक्ति का बेटा पीछे से आ रहा था। जिसने हितेश और उनके पिताजी के साथ बदसलूकी की। साथ ही फोन करके अपने जानकर से बंदूक घर से मंगवा ली। इसके बाद फायरिंग की। इसका किसी ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडियो पर वायरल हो गया।

धमक रेस्टोरेंट पर आबकारी टीम की रेड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के धमक रेस्टोरेंट में आबकारी टीम ने की कार्रवाई।

नोएडा आबकारी टीम और पुलिस ने संयुक्त रूप से सेक्टर-90 के अल्फाथम्ब मॉल के धमक रेस्टोरेंट में छापा मारा। यहां बिना लाइसेंस के अवैध रूप से शराब परोसी जा रही थी। यहां से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई । साथ ही इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

पुलिस ने इससे पहले भी नोएडा में कई रेस्टोरेंट में छापा मारकर अवैध रूप से शराब परोसने के मामले सामने आ चुके है। आबकारी अधिकारी ने बताया कि मुखबिर से जानकारी मिलने पर पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त रूप से छापा मारा। जिस समय छापा मारा गया उस दौरान रेस्टोरेंट में शराब पिलाई जा रही थी। आबकारी अधिकारी ने लाइसेंस और अन्य दस्तावेज मांगे। लेकिन संचालक कर्ता नहीं दिखा सके। इसके बाद पुलिस ने वहां अलग-अलग ब्रांड की 26 खुली बोतल,12 खाली बोतल मिली है। इस मामले में पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

राह चलते लूटपाट करने वाला बदमाश मुठभेड़ में हुआ घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हो गई। बदमाश पहचान साजिद के रूप में हुई है। इस पर 36 से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। ये बाइक से राह चलते लोगों से लूटपाट करता था। बदमाश से पहले भी एक बार मुठभेड़ हो चुकी है। चेकिंग अभियान के दौरान थाना फेस-1 पुलिस द्वारा चिल्ला बॉर्डर से गंदा नाला मार्ग पर एक संदिग्ध अपाचे मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को आते हुए देखकर रुकने का इशारा किया गया। जिस पर वह व्यक्ति मोटरसाइकिल को वापस गंदे नाले की ओर मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम रोकने का प्रयास करने पर उसकी बाइक फिसल गई। पुलिस टीम पर बदमाश ने फायर किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश को गोली लगने के कारण घायल हो गया।

गाजियाबाद बार में अधिवक्ताओं का धरना दूसरे दिन भी जारी

गाजियाबाद। लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। अधिवक्ता जिला जज के तबादला और उनके खिलाफ अवमानना का मामला करने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इस मामले में हाईकोर्ट बार की गठित समिति भी जांच कर रही है। धरनारत अधिवक्ताओं ने कहा है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती, प्रदर्शन जारी रहेगा। अधिवक्ताओं के प्रदर्शन के चलते दूसरे भी कचहरी में कामकाज बाधित रहा। बार एसोसिएशन ने टाइपिस्टों से भी कार्य नहीं करने के आह्वान का असर भी देखने को मिला।

नोएडा में नहाय खाय के साथ आस्था का महापर्व 'छठ' शुरू

● जिले में 100 से अधिक स्थानों पर पूजा करने के लिए बने घाट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। जिले भर में 100 से अधिक स्थानों में पर्व मनाया जाएगा। पूजा समितियां घाट को सजाने सहित तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटीं हैं।

घाटों पर व्रती जल में उतरकर सूर्य को अर्घ्य देंगे। इससे पहले बाजारों में जमकर खरीदारी देखने को मिली। मंगलवार को छठ मैया की स्थापना की जाएगी। घर की साफ-सफाई और स्नान के बाद कद्दू और चने की दाल से बनी सब्जी के साथ चावल का भोग ग्रहण किया जाएगा। इसके बाद बुधवार को खरना की शाम से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होगा। सेक्टर-75 स्थित अखिल भारतीय प्रवासी महासभा और श्री सूर्य देव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि खरने में गुड़ और दूध से बनी खीर खाई जाती है। खीर को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। प्रसाद ग्रहण करने के बाद श्रद्धालु गुरुवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। शुक्रवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

उधर, जिले में छठ महापर्व को लेकर कॉलोनियों के पार्कों, हरित पट्टियों और तालाबों के तट पर घाटों को सजाने-संवारने का काम तेजी से चल रहा है।

यातायात सुविधा के लिए हो सकता है डायवर्जन

नोएडा। नोएडा में छठ पर्व को लेकर यातायात डायवर्जन लागू कर सकती है। ये व्यवस्था 6 से 8 नवंबर तक रहेगी। डीसीपी यातायात यमुना प्रसाद के अनुसार इस दौरान विशेष यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। महामाया फ्लाई ओवर से सरिता विहार होकर दिल्ली जाने वाले कालिंदी कुंज मार्ग, नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21, चोटपुर, बहलोलपुर सेक्टर 63 और हिंडन पुल कुलेसरा पर यातायात डायवर्ट किया जा सकता है। भारी और मध्यम मालवाही वाहनों पर भी इन मार्ग पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। ये व्यवस्था अर्घ के दौरान रहेगी। डीसीपी ने बताया कि दबाव बढ़ने पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस पर ग्रेनो और सेक्टर-37 की तरफ से कालिंदी कुंज की ओर जाने वाहनों को सीधे डीएनडी और चिल्ला बार्डर की ओर और हिंडन पर सूरज पुर की तरफ से फेज-टू की तरफ आने वाले वाहनों को कच्ची सड़क से किसान चौक होकर भेजी जाएगी।

PUBLIC NOTICE

Whereas, Era Resorts Private Limited [CIN: U55101DL2002PTC114333], having its office at S-5, LSC Near Jeewan Anmol Hospital Mayur Vihar, Phase-I , Delhi, - 110091 is in the process of undertaking development of a Commercial Colony in the name of "Picasso Centre" in Sector 61, Gurugram Manesar Urban Complex, Gurugram, Haryana over an area admeasuring 2.468 Acres in the revenue estate of Village Ghata, Tehsil Wazirabad & District Gurugram, Haryana in accordance with the provisions of License No. 278 of 2007 dated 17.12.2007 and License on addition land vide License No. 157 of 2022 dated 01.10.2022., granted by Director, Town & Country Planning, Haryana, Chandigarh ("DTCP").

And whereas, several individuals/persons have made bookings/entered into purchase agreement/ buyers' agreement for the allotment and purchase of units in the said colony ("Existing Allottees").

And whereas, building plans earlier approved vide DTCP Memo No. ZP-485/JD (BS) /2012/26828 dated 27th December 2012 for the said colony and further Occupation Certificate was applied for the said colony. The Occupation Certificate till 7th Floor was granted vide Memo No. ZP-485/JD(RA)/2023/42867 dated 19.12.2023. Now we have applied Occupation certificate for 8th and 9th floor for which DTCP has granted In-principle approval of Occupation certificate vide Memo ZP-485-II/PA(DK)/2024/ 33342 dated 04.11.2024 (the "Revised Building Plans").

And whereas, the office of DTCP and also the provisions of RERA Act read with HRERA Rules require seeking of objections against the revision of the earlier approved building plans as a pre-condition for allowing such revision in the earlier approved building plan.

Accordingly, vide this Public Notice, consent / objections, if any, are hereby invited from the Existing Allottees of the Colony on the proposed Revised Building Plans for the said Colony. A copy of the earlier approved building plans, Revised Building Plans, deviation plans are available for perusal / reference on (a) the Company's website http://www.picassocentre.in; (b) in the registered office of the undersigned at S-5, LSC Near Jeewan Anmol Hospital Mayur Vihar, Phase-I , Delhi, - 110091; (c) at the project site office in Picasso Centre, Sector-61, Golf Course Extn. Road, Gurugram, Haryana and, (d) in the office of Senior Town Planner, Gurugram, Town & Country Planning Haryana, HUDA Complex, Sector-14, Gurugram, Haryana. The changes proposed in the in- principle approved Revised Building Plans w.r.t. the earlier approved building plans are also marked in different colors on the earlier approved plans.

Any of the Existing Allottees having any objection on these Revised Building Plans and Revised Phasing Plan, may file his / her / their / its objection / consent in the office of the Senior Town Planner, Town & Country Planning Department, HUDA Complex, Sector-14, Gurugram, Haryana and in the office of the undersigned within 30 (thirty) days of publication of this Notice i.e. upto 05.12.2024 till 5.00 pm, failing which it shall be assumed that there are no objections to the proposed revision in the building plan(s).

For Era Resorts Pvt. Ltd.
Sd/-
Anil Malik
Director

Place: Gurugram
Date: 06.11.2024

मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत नोटिस

[illegible]

दिनांक: 06.11.2024
स्थान: यू.पी.
प्राधिकृत अधिकारी,
मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्रा. लि.

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the Public Notice at large that i, Ajay Kumar Sharma is Purchasing the Ground floor without Roof rights, and First Floor without Roof rights, Plot No.-42 A Area, 100 Sq.yds., out of total land Area 200 sq.yds, out of Khasra No-30, Village, Bindapur, Colony known as South Extension No-3 , Uttam Nagar, New Delhi 110059.

The owner of the property is Ashok Kumar S/o Late sh. Kundan Lal, he is the owner from Notarized GPA/ATS/Will (Registred/dated 02/05/1991, and the land Area is 100 Sq.yds. I am Purchasing the property from Ashok Kumar (Seller) and i am giving the News Publication that of any person having any type of Claim/Rights/ Title, interest over the Said Property may inform in writing within 15 days. Said Property is free from all Typeof Encumbrance lien etc.

Basukee Nath Jha (Advocate)
Plot No 714, A/A, A Block Inder Enclave
Ph-2, Kirari Suleman Nagar, ND-86

NOTICE

Notice is hereby given pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that a meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Wednesday, 13th November, 2024, inter-alia, to consider and approve the Un-Audited Financial Results of the Company for the quarter and year ended on 30th September, 2024.
The information contained in this notice is also available on the Company's website www.cubical90.com as also on the website of the Stock Exchange viz. BSE Limited-www.bseindia.com
For Cubical Financial Services Limited
Sd/-
Place: New Delhi Ashwani Kumar Gupta)
Date: 05-11-2024 Managing Director

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Pooja Joshi W/o Rajender Joshi resident of RC-211. Prem Vihar, Khora Colony, Ghaziabad, UP-201309 have changed my name from Pooja Joshi to Pooja Devi Henceforth I would be known by the name of Pooja Devi for all future purposes.

PD(894)C

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की ममता शर्मा पत्नी दीपक शर्मा, जो कि नगरपालिका संख्या 1958 वाली निर्मित संपत्ति, वार्ड संख्या VIII, गली नीला वाली, बाजार सीता राम, दिल्ली-110006 पर स्थित, बिना छत के अधिकार के संपूर्ण तृतीय तल (बाएँ हाथ की ओर) पूर्वी भाग, जिसका क्षेत्रफल 48.07 वर्ग मीटर है, को प्रीतम सिंह चंडोक पुत्र चरण सिंह से खरीद रही हैं, जो कि संपत्ति के मालिक थे (अर्थात प्रथम तल, द्वितीय तल, तृतीय तल का क्षेत्रफल 96.14 वर्ग मीटर, तथा तृतीय तल की छत का पूर्वी भाग) जो कि श्री प्रीतम सिंह चंडोक और राजेश सिंह तथा क्षितिज सिंह के बीच निष्पादित अतिरिक्त विभाजित विलेख दिनांक 10.04.2024 (दस्तावेज संख्या 2024/24/1/3397) के आधार पर, सब रजिस्ट्रार-III-दिल्ली में पंजीकृत है। शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वित्तीय सहायता के बदले इसे गिरवी रखने का इरादा है। लाला मोलर सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र और जीवित सदस्य प्रमाण पत्र विक्रेता प्रीतम सिंह चंडोक के पास उपलब्ध नहीं है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का पालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के स्वामित्व और/या बंधक बनाने के संबंध में कोई आपत्ति है, तो उनसे अनुरोध है कि वे नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें।
NCR LAW ASSOCIATES Advocates & Consultants A-98, Sector-9, New Vijay Nagar, Ghaziabad, (U.P.)-201009, Mob. Nos. 9999721152/ 9999826427

PUBLIC NOTICE

To be known to all,CHANDER KANTA ADLAKHA W/o SH.VIJAY KUMAR ADLAKHA R/o S-331, FIRST FLOOR, GREATER KAILASH PART-1,NEW DELHI-110048 owner/ purchaser of SFS FLAT NO.217, GROUND FLOOR,CAT-III,NILGIRI APARTMENTS, ALAKNANDA, NEW DELHI-110019 vide DDA File No.F.43(121)82/SFS,have applied for certified copies in DDA.The original documents i.e. DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER dated 25/11/1985 of the above said flat has been lost. An LR No.2271290/2024 dated 05/11/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi.Any person(s)claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/ contact with above named person at above Address/Phone No.9868300795 within15days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (Housing) or Director(Housing),Delhi Development Authority,Vikas Sadan,New Delhi-110023.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Dinesh Kumar Awana is in process to purchase the Freehold DDA Built LIG Flat No. 30-A, on Ground Floor, Area Measuring 48.5 Sq. Mtrs., in Block-3, Pocket 10-B, situated in the layout plan of Housing Estate at Jasola, New Delhi (availing loan from PCHFL) from Natasha Dua, having acquired the said property as a only Legal heir of late Seema Dua by virtue Surviving member certificate issued by District Magistrate dated 13/10/2023 (Certificate No. 90660000207587). Seema Dua was the owner said property by virtue Sale Deed dated 30/11/2013 executed by Nisha Gulati. Later, Seema Dua expired on 6/8/2022
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल दिनेश चन्द पुत्र श्री शहजादे एवं श्रीमति माधवी उर्फ मधु दोनों निवासी: मकान नं0 229, गली नं0 9, ब्लाक-डी, खजूरी खास, दिल्ली-110090 ने अपने पुत्र अंकित व पुत्रवधु खुशी को उनके दुर्व्यवहार / दुराचरण व गलत व्यसनों में पड जाने के कारण, उनसे अपने सभी संबन्ध विच्छेद कर, अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में मेरे उक्त मुवक्किल व उनके अन्य परिवारिक सदस्य, इनके किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे ।
Minu Chandra (Advocate) Off: 241, Gajanand Block Tis Hazari Court Delhi-110054.

PUBLIC NOTICE

I, Angerejo W/o late Sh. Rajender R/o Jhuggi No.27, Block-D/1, Sultanpuri, North West, Delhi-110085 Disowned to my Brother-in-law/dever son namely Ravi S/o Satyavan, R/o Village Shyamdi district Ghohanaa, Haryana from all her movable or immovable properties and ceased all her relation with him. if anybody dealing with him shall do so at his/her own risk, cost and responsibility. will not be responsible in any manner whatsoever.
BIBHUTI KUMAR (Advocate) Bar Room No.-16, Rohini Court Delhi-110085.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that I, Mrs. Gauri Sawhney Roy am filing application in L&DO for substitution of the Property No. K-87 A-B Kalka Ji, Delhi–110019 in the following names: 1) Jatinder Singh Maini on the grounds of Late Mrs. Kamal Maini's death and 2) Mr. Gautam Chandhoke and Mrs. Gayatri Noor on the grounds of Late Mrs. Hira Mani Chandhoke's death. If there are any objections/claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO office at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.
Gauri Sawhney Roy Address: F-1197 Ground Floor, Chitranjan Park, Delhi-110019, Phone:9811118552

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला जगवती पत्नी रोशनलाल निवासी:- गली नं0-3, राजनगर कालोनी, शांति वाटिका, लोनी, गाजियाबाद, उ0प्र0 ने अपने पुत्र योगेश पुत्रवधू आरती पौत्र तनिष्क एवं उत्कर्ष को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध-विच्छेद कर दिए हैं। उनके किसी भी कार्य / लेनदेन हेतू मेरी मुवक्किला व उनके परिवार वाले जिम्मेदार नहीं होंगे।
Babita(Advocate) Ch. No. F-36, F-Block, KKD Courts, Delhi-110032

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, SMT. MAHIMA ARORA D/O OF SH. M.L. DWIVEDI Allottee/ Purchaser/ Mutatee of AD-21-C, MIG FLATS PITAMPURA SARASWATI VIHAR NORTH WEST DELHI-110034 has applied for the conversation of aforesaid property from leasehold to free hold in DDA, the original Property documents of DDA POSSESSION LETTER, ELECTRIC AND WATER NOC ETC. has been lost. An online FIR to this effect has been lodged on 05/11/2024 vide LR No.2271415/2024 Any person(s) claiming any right, interest having any objection or found in possession of original documents may write/contact with above named person at above address within 15 days from the date of Publication of this notice and can personally contact Deputy Director LAB (HOUSING), Director LAB (HOUSING). OR The Assistant Director (MIG) D- Block Vikas Sadan INA, New Delhi-110023.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की ममता, जो कि रामा पार्क, ग्राम नवादा, उत्तम नगर, नई दिल्ली 110059 नामक कॉलोनी के ब्लॉक-ए में स्थित खसरा संख्या 549 में से संपत्ति संख्या ए-115, लगभग 40 वर्ग गज में, बिना छत के अधिकार के, निचले तल पर परिसर श्रीमती कमलेश जैन पत्नी श्री रणधीर जैन से खरीद रही है, जो कि श्रीमती शकुंतला पत्नी श्री प्रेम राज द्वारा निष्पादित दिनांक 27.05.2024 के बिक्री विलेख, दस्तावेज संख्या 2024/25/1/14210 के आधार पर संपत्ति की मालिक थीं, जो कि सब रजिस्ट्रार-II-B-दिल्ली में पंजीकृत है। शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वित्तीय सहायता के बदले इसे गिरवी रखने का इरादा है। दिनांक 30.07.2012 को पंजीकृत उपरोक्त संपत्ति का मूल विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 18732) विक्रेता श्रीमती कमलेश जैन द्वारा खो दिया गया है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के स्वामित्व और/या बंधक बनाने के संबंध में कोई आपत्ति है, तो उनसे अनुरोध है कि वे नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप से सूचित करें।
NCR LAW ASSOCIATES Advocates & Consultants A-98, Sector-9, New Vijay Nagar, Ghaziabad, (U.P)-201009, Mob. Nos. 9999721152/ 9999826427

PUBLIC NOTICE

I/WE, SURENDER KUMAR SHARMA SON OF LATE RAJPAL SHARMA AND KAVITA SHARMA WIFE OF SHRI SURENDER KUMAR SHARMA BOTH RESIDENT OF 532, GURU RAM DASS NAGAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 do hereby solemnly affirm and inform That I/We, the deponents do hereby Dis-own/Debar our son CHANCHAL SHARMA RESIDENT OF 532, GALI NO. 3, GURU RAM DASS NAGAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 and his wife SHWETA RESIDENT OF G-46, NEAR WALIA NURSING, SHAKARPUR, DELHI-110092, all our Moveable and Immoveable Properties/ Assets, due to their bad habbits and misbehavior with us. today onward CHANCHAL SHARMA AND HIS WIFE SHWETA shall have no right or claim in any of our Moveable and Immoveable Properties. I/we shall not be held responsible for any of their acts done by them they both shall be held responsible for everything.
SURENDER KUMAR SHARMA

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Vir Sen Kohli and his wife Mrs. Oma Kohli had acquired Flat no.511, First Floor at Sunehri Bagh CGHS Ltd., Plot no.15, Sector-13, Rohini, Delhi further Mr. Vir Sen Kohli and Mrs. Oma Kohli died intestate leaving behind Mrs. Meenakshi Sharma, Mr. Amit Kohli and Mr. Atul Kohli as their only legal heirs after that a Relinquishment Deed dt. 01.06.2022 executed by Mrs. Meenakshi Sharma in favour Mr. Amit Kohli & Mr. Atul Kohli, further Conveyance deed dt. 22.05.2023 executed by POI in favour of Mr. Amit Kohli & Mr. Atul Kohli.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 6 नवंबर, 2024

हवा में घुला जहर, बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई

दिल्ली में शाम आठ बजे औसत वायु गुणवत्ता 362 दर्ज, वजीरपुर 430 के साथ सबसे प्रदूषित

● मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में आने वाले कुछ दिनों तक धुंध की स्थिति के साथ-साथ हल्की हवाएं चलने की संभावना है

राजधानी के तिमारपुर के पास मंगलवार को छाई धुंध। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिवाली के बाद भी कम नहीं हो रहा प्रदूषण। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता मंगलवार को लगातार सातवें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रही। शाम आठ बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 362 दर्ज किया गया जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। एक्यूआई 430 के वजीरपुर सबसे प्रदूषित स्थान रहा, इसके बाद बवाना 415, आनंद विहार 414, मुंडका 410 न्यू मोती बाग रहा जिसका एक्यूआई 404 रहा, जो गंभीर श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में आने वाले कुछ दिनों तक धुंध की स्थिति के साथ-साथ हल्की हवाएं चलने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एक्यूआई) के आंकड़े के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 384 दर्ज किया गया। सोमवार को शाम चार बजे तक दर्ज पिछले 24 घंटे का औसत एक्यूआई 381 था, जो देश में दूसरा सबसे अधिक एक्यूआई है। हर घंटे वायु गुणवत्ता की जानकारी देने वाले सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार, 38 निगरानी केंद्रों में से 13 में एक्यूआई 400 से अधिक यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार, अशोक विहार, द्वारका, एनएसआईटी द्वारका, नेहरू नगर, मोती मार्ग, सोनिया विहार, विवेक विहार, वजीरपुर, रोहिणी, पंजाबी बाग, मुंडका और जहांगीरपुरी में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है।

सीपीसीबी के अनुसार, वायु गुणवत्ता का 400 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में रहना हवा के जहरीली होने का संकेत है जो स्वस्थ लोगों को प्रभावित करता है तथा पहले से बीमार लोगों पर गंभीर असर डालने के साथ परेशानी बढ़ा सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 94 प्रतिशत था। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने तथा अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में प्रमुख सतही हवा चार से आई किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की गति, धुंध के साथ परिवर्तनशील दिशा से आने की संभावना।

खुले में कचरा जलाने से रोकने का अभियान आज से : गोपाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

राजधानी में खुले में कचरा जलाने पर बुधवार से रोक लगेगी। इस अभियान के तहत सम्बंधित विभागों की 588 पेट्रोलिंग टीमें ओपन बर्निंग की घटनाओं की निगरानी और उसे रोकने का काम करेंगी।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विंटर एक्शन प्लान को लेकर मंगलवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विंटर एक्शन प्लान के 21 बिन्दुओं पर चर्चा की। बैठक में ग्रेप के कार्यान्वयन को लेकर भी विभागों को निर्देश दिए गए। गोपाल राय ने कहा कि ठंड बढ़ने तथा हवा की गति कम होने के कारण दिल्ली समेत पड़ोसी राज्यों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से 400 के बीच में रहा है।

पॉल्यूशन क्लीनिक में मरीजों की संख्या बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान व राम मनोहर लोहिया अस्पताल में प्रदूषण को देखते हुए प्रदूषण क्लिनिक खोला गया है। इस क्लीनिक में एक ही छत के नीचे कई बीमारियों से जुड़े डॉक्टर एक साथ एक ही वक्त पर तैनात रहेंगे। इस क्लीनिक में सोमवार को आरएमएल अस्पताल के मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉक्टर अजय शुक्ला पहुंचे, जिन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया के लगातार प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है जो पहले से किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, खास तौर से डायबिटीज, अस्थमा और रेस्पिरेट्री डिसीसिस वाले मरीज। इस पॉल्यूशन क्लीनिक में पहुंच रहे ज्यादातर मरीज ने सीने में जलन, सांस लेने में तकलीफ और खांसी और सिर दर्द की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। शुक्ला ने बताया की हर साल प्रदूषण की वजह से मरीज अस्पताल में बढ़ जाते हैं, इसीलिए पॉल्यूशन क्लिनिक बनाया गया है ताकि अगर किसी को भी यह लगता है कि उसको पॉल्यूशन से जुड़ी कोई परेशानी हो रही है तो वह इस क्लीनिक में आकर दिखा सकता है। यहां एक ही छत के नीचे कई विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हैं जैसे पल्मनोलॉजिस्ट, डर्मेटोलॉजिस्ट, ईएनटी आदि। मरीजों को अलग-अलग ओपीडी में जाने की जरूरत नहीं है वह एक ही जगह कई डॉक्टरों से बात कर सकते हैं।

बस यात्रियों की सहूलियत के लिए रुट नंबर 783 का विस्तार

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत बस को हरी झंडी दिखाते हुए।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अब बसें केंद्रीय सचिवालय से दादा देव मंदिर तक चलेंगी, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बस को झंडी दिखा कर किया रवाना,

परिवहन विभाग ने रुट नंबर 783 का विस्तार किया है। अब बसें केंद्रीय सचिवालय से दादा देव मंदिर तक दौड़ेंगी। इस नए बस मार्ग की शुरुआत छात्रों को स्कूल, कॉलेज अन्य लोगों को अस्पताल और कार्यस्थलों पर पहुंचना आसान होगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगलवार को इन बसों की खेप को झंड़ी दिखाकर रवाना किया।

दिल्ली परिवहन निगम के अनुसार, रुट नंबर 783 का विस्तार करने से बाहरी दिल्ली और ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने और परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस नए बस रूट 783 एक्स पर बसें केंद्रीय सचिवालय से पालम में दादा देव मंदिर तक जायेंगी। बस रूट की कुल लंबाई 23.5 किलोमीटर है। यह बस रास्ते में सभी प्रमुख स्थानों और शैक्षणिक संस्थानों को कवर करेगी। दिल्ली परिवहन निगम द्वारा संचालित चार लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें इस मार्ग पर चलेंगी, जो यात्रियों के लिए पर्यावरण-अनुकूल यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी।

विस्तार मार्ग : केंद्रीय सचिवालय, गुरुद्वारा रकाब गंज, केन्द्रीय टर्मिनल, एनडीपीओ, गुरुद्वारा बंगला साहिब, पटेल चौक आकाशवाणी भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन, जी ब्लॉक सेना भवन, त्याग राजा मार्ग, साउथ ब्लॉक, तीन मूर्ति, चाणक्य पुरी पुलिस स्टेशन, रेलवे कॉलोनी, बापूधाम, ताज होटल, धौला कुआं, गोल्फ क्लब, राज रिफ लाइन से होते हुए देव मंदिर (पालम) तक पहुंचेगी।

छठ पूजा के पहले दिन श्रद्धालुओं ने प्रदूषित यमुना में लगाई डुबकी

कालिंदी कुंज में यमुना नदी में झाग के बीच डुबकी लगाते श्रद्धालु।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली समेत देशभर में मंगलवार से नहाय-खाए के साथ महापर्व छठ का आगाज हो गया है। व्रतियों ने नहाय-खाए के साथ चार दिवसीय छठ की शुरुआत कर दी है। ऐसे में बहुत से श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के कारण और परंपराओं को पूरा करने के लिए मजबूरन घाटों पर पहुंचकर महापर्व पर यमुना में डुबकी लगाई। हर साल की तरह इस साल भी यमुना नदी में प्रदूषण होने के कारण हाल-बेहाल है। एक तरफ यमुना नदी के आसपास गंदगी के ढेर, तो दूसरी तरफ नदी में तैरते जहरीले झाग और दुर्गंध ने लोगों को परेशान कर रखा है।

कालिंदी कुंज क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने प्रदूषित यमुना नदी में स्नान किया, जिससे स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गईं। छठ सूर्य देव की पूजा के लिए समर्पित है और इसे चार दिनों की कठोर दिनचर्या के साथ मनाया जाता है। पहला दिन, जिसे नहाय-खाय के नाम से जाना जाता है, एक शुद्धिकरण अनुष्ठान है जहां भक्त स्नान करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और चना दाल और कद्दू भात जैसा प्रसाद तैयार करते हैं।

जहरीले झाग की मौजूदगी यमुना में प्रदूषण के कारण उत्पन्न चुनौतियों को उजागर करती है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जाती हैं। राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा के लिए घाटों की तैयारी को लेकर आप और भाजपा के बीच कई दिनों से इस पर सियासत चल रही है। पूर्वांचली समुदाय के लिए छठ पूजा एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भोजपुरी भाषी निवासी शामिल हैं। यह समुदाय दिल्ली में मतदाताओं के 30-40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है, जहां अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली सरकार ने भी छठ पूजा के उपलक्ष्य में सात नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

महापर्व मनाने के लिए दिल्ली न छोड़ें : आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने सुनिश्चित किया कि पूर्वांचल के लोगों को छठ पूजा के लिए राष्ट्रीय राजधानी छोड़ना न पड़े। आप सरकार ने एक हजार से अधिक घाट बनवाएं हैं ताकि लोग इस महापर्व को मना सकें।

चार दिवसीय छठ महापर्व के पहले दिन संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक हजार से अधिक घाट बनवाएं हैं ताकि लोग इस महापर्व को मना सकें। आप पिछले 10 साल से दिल्ली की सत्ता में है और उसने सुनिश्चित किया है कि पूर्वांचल के लोगों को छठ मनाने के लिए शहर को छोड़ना नहीं पड़े। आप सरकार के आने से पहले केवल 60 छठ घाट होते थे लेकिन आज एक हजार से अधिक घाट बन रहे हैं ताकि लोग त्योहार को मना सकें। सीएम ने कहा, दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में सात नवंबर को सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। शहर के प्रमुख घाटों पर पानी, शौचालय, चिकित्सक और एंबुलेंस सहित सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं ताकि पूर्वांचली इस महापर्व को मना सकें।

चिराग दिल्ली में तेज संगीत बजाने को लेकर पुलिस-आप नेताओं में हाथापाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● यह घटना छठ पूजा की तैयारियों को लेकर भाजपा और आप के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच हुई

चिराग दिल्ली में छठ घाट पर तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर हुई तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस और आम आदमी पार्टी नेताओं के बीच हाथापाई हो गई। आप नेता इलाके में एक पुलिया के निर्माण पर बैठक कर रहे थे। यह घटना राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और आप के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच हुई है।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उनकी बैठक को बाधित करने के लिए भाजपा समर्थक तेज आवाज में संगीत बजा रहे थे। दिल्ली विकास प्राधिकरण की जमीन पर पुलिया के निर्माण को लेकर चिराग दिल्ली गांव के निवासियों द्वारा एक पंचायत का आयोजन किया गया था, जिसमें दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भाग लिया था। यह जानकारी दिल्ली के मंत्री के कार्यालय की तरफ से दी गई।

भाजपा समर्थकों ने हालांकि निकटवर्ती छठ घाट पर तेज आवाज में डीजे बजाया। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि यह पंचायत की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास था। बयान में कहा गया है कि जब आप नेता स्थानीय लोगों के साथ संगीत बंद कराने के लिए घाट पर पहुंचे तो वहां तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए गए। यह घटना चिराग दिल्ली में डीडीए की जमीन पर छठ मनाने को लेकर हुए विवाद के बाद हुई है, जहां भारद्वाज और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज के बीच सार्वजनिक रूप से वाकयुद्ध हुआ था। भारद्वाज ने दावा किया कि कई महीनों से भाजपा और डीडीए दोनों पुलिया परियोजना की प्रगति में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर दिल्ली सरकार की विकास पहलों को रोकने का लक्ष्य रखने का आरोप लगाया। राजधानी में छठ पूजा का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि यह दिल्ली के पूर्वांचली समुदाय का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के भोजपुरी भाषी निवासी शामिल हैं।

डीजेबी ने सीईओ पर लगा जुर्माना भरा, एनजीटी को दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को जानकारी दी कि अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर लगाया जुर्माना अदा कर दिया गया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ को शाहदरा नाले में जमा हो रहे सीवर के अपशिष्ट जल और अन्य ठोस अपशिष्टों से संबंधित मामले में हरित अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने व सहायता का निर्देश दिया था।

उनके उपस्थित न होने पर, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की एनजीटी पीठ ने चार सितंबर के आदेश में कहा, हमें डीजेबी के सीईओ को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट देने का कोई बेहतर आधार नहीं मिला और जिस कमजोर बहाने के चलते वह आज उपस्थित नहीं हुए, वह मामले में कड़ी कार्वाई को उचित ठहराता है।

एनजीटी ने डीजेबी के सीईओ पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया था और कहा था कि इस आचरण को माफ करने का कोई औचित्य नहीं है, लेकिन वह डीजेबी के वकील के अनुरोध पर विचार कर रही है। एनजीटी में सोमवार को दाखिल अपनी रिपोर्ट में डीजेबी ने कहा कि उसने बोर्ड के सीईओ पर लगाए गए जुर्माने की राशि को भर दिया है।

एलजी ने गोल मार्केट के पुनर्विकास का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गोल मार्केट के संरक्षण कार्य का जायजा लेते एलजी वीके सक्सेना।

● ऐतिहासिक मार्केट के पास सबवे और सर्विस ब्लॉक के निर्माण के साथ ही आस-पास के क्षेत्रों के जीर्णोद्धार के काम को भी देखा

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने ऐतिहासिक गोल मार्केट के संरक्षण और पुनरुद्धार कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों संग समीक्षा की। उन्होंने मार्केट से सटी सड़कों को जोड़ने वाले सबवे और सर्विस ब्लॉक के निर्माण के साथ ही आस-पास के क्षेत्रों के जीर्णोद्धार का भी जायजा लिया। इस दौरान एनडीएमसी के चेयरमैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपराज्यपाल के साथ उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान उपराज्यपाल को बताया गया कि पुराने और जर्जर ढांचे की नींव को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चूंकि दिल्ली भूकंप संभावित क्षेत्र में स्थित है, इसलिए भवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नींव में स्टील की मजबूती प्रदान की जा रही है।

मुख्य भवन के आंगन, दीवारों, और छत से झाड़ियों और बेलें को हटाया जा चुका है। पहली मंजिल तथा भूतल से मलबे की सफाई भी पूरी कर ली गई है। मौजूदा ढांचे को सहारा देने के लिए मचान खड़ा किया गया है और पुरानी छत की चादरें भी हटा दी गई हैं।

उपराज्यपाल को यह भी जानकारी दी गई कि नींव और दीवारों को मजबूत करने का कार्य तेज गति से चल रहा है और भवन की बाहरी-आंतरिक वास्तुकला का स्वरूप उभरने लगा है। उन्होंने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और एजेंसी को निर्देश दिए कि पुराने ढांचे पर कार्य सतर्कता से किया जाए ताकि मूल संरचना को कोई क्षति न पहुंचे। भवन मजबूतीकरण का काम पूरा होने के बाद कार्य की गति को तेज किया जाएगा। उपराज्यपाल ने पुर्नस्थापन के दौरान ऐतिहासिक ढांचे की मौलिकता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

नए पुलों और हाईवे का उद्घाटन 12 को : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मीठापुर चौक के पास आगरा नहर और गुरुग्राम नहर पर नए पुलों और 6 लेन के हाईवे 12 नवंबर को आम लोगों के लिए खुल जाएगा। इस परियोजना के चालू होने से मथुरा रोड पर जाम की समस्या से हमेशा से मुक्ति मिल जाएगी। मंगलवार को इलाके सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एनएचएआई, दिल्ली पुलिस तथा हरियाणा और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इन परियोजनाओं का निरीक्षण किया। साथ ही ऐलान किया कि नए पुलों और हाईवे का उद्घाटन मंगलवार को किया जाएगा।

धूमिमल गैलरी में लगाई जाएगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली। धूमिमल गैलरी में एक नई प्रदर्शनी लगाई जाएगी जिसमें कनॉट प्लेस के राजनीतिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित होने की यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। कनॉट प्लेस, राष्ट्रीय राजधानी का एक लोकप्रिय वाणिज्यिक और पर्यटन केंद्र है, जिसे आमतौर पर सीपी के रूप में जाना जाता है। जैकफ्रूट रिसर्च एंड डिजाइन द्वारा लगाई जाने वाली ज्वाइनिंग द डॉट्स: द पास्ट हैज अ होम इन द फ्यूचर प्रदर्शनी में महता एंड कंपनी, पाब्लो एंड रिचर्ड बार्थोलोम्यू, अल्काजी फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स, रितेन मजूमदार एंड एसएल पाराशर सहित विभिन्न संस्थानों की अभिलेखीय कलाकृतियां को प्रदर्शित किया जाएगा। धूमिमल गैलरी के निदेशक उदय जैन ने कहा, नई दिल्ली में धूमिमल गैलरी संवाद और कलात्मक आदान-प्रदान का केंद्र रही है।

ब्रैसलेट चोरी करने के आरोप में रसोइया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में अपने मालिक के घर से कथित तौर पर सोने का ब्रैसलेट चुराने को लेकर 30 वर्षीय एक रसोइया को गिरफ्तार किया गया है। उसने बताया कि आरोपी की पहचान यूपी के उन्नाव जिले निवासी शिवम राठौड़ के तौर पर हुई है जो 10 दिन पहले ही काम पर लगा था। पुलिस ने बताया, रविवार को डिफेंस कॉलोनी के एक निवासी ने घर से 47 ग्राम के सोने की ब्रैसलेट चोरी की शिकायत की थी।

अमानतुल्लाह की न्यायिक हिरासत 16 तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान की न्यायिक हिरासत दिल्ली की एक अदालत ने 16 नवंबर तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दायर आवेदन पर खान की हिरासत अवधि बढ़ाई। ईडी ने दावा किया था कि मामले की जांच महत्वपूर्ण चरण में है और अगर खान को रिहा किया गया तो वह जांच में बाधा डाल सकते हैं और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

आरएमएल अस्पताल गोल चक्कर का नए सिरे से सौंदर्यीकरण

● केंद्र में पांच हाथी परिवार की मूर्तियां लगाई गई है, रंग-बिरंगी रोशनी और फव्वारे रात में बिखेरेंगे छटा

राम मनोहर लोहिया अस्पताल गोल चक्कर नए रूप में।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के पास स्थित गोल चक्कर को नया रूप दिया गया है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने गोल चक्कर का नए सिरे से सौंदर्यीकरण किया है। इसके सेंटर में पांच सफेद हाथी परिवार की मूर्तियां लगाई गई हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को मूर्तियों का अनावरण किया। साथ ही शहर के सौंदर्य को समृद्ध करने के लिए एनडीएमसी की सराहना की।

एनडीएमसी ने राम मनोहर लोहिया अस्पताल के सामने स्थित 58 मीटर व्यास वाले आरएमएल गोल चक्कर का पुनर्विकास किया है। इस परिदृश्य योजना में इस स्थान को हरे-भरे, स्वागतयोग्य परिदृश्य और बलुआ पत्थर से बने सुनियोजित मार्गों में बदलने की कल्पना को साकार किया गया है।

यहां गोल चक्कर के कार्यक्षमता और सौंदर्य दृश्य को बढ़ाने के लिए, एनडीएमसी ने वॉकवे के चारों ओर निचली दीवारों का निर्माण किया, जो सुविधाजनक बैठने की जगह के रूप में दोगुनी हो गईं है। एनडीएमसी ने क्षेत्र को इस प्रकार रोशन करने का प्रावधान किया है कि प्रकाश की व्यवस्था में दृश्यता सुनिश्चित करते हुए चमक प्रदान करने को प्राथमिकता हो।

पुनर्विकसित आरएमएल चौराहे के केंद्र में, एनडीएमसी ने केंद्र में एक राजसी सफेद पत्थर की हाथी परिवार स्थापित किया है, जो चारों ओर फव्वारे वाले जल चैनलों से घिरा हुआ है। पानी का हल्का प्रवाह शांति का तत्व जोड़ता है, जिससे यह चौराहा न केवल एक यातायात चौराहा रह जाएगा, बल्कि हलचल भरे शहर के भीतर एक विश्राम स्थल बन जाएगा। इस परियोजना की विशेषताओं में, गोल चक्कर के केंद्र में पांच सदस्यों (दो बड़े और तीन बच्चे हाथी) के साथ हाथी परिवार है, हाथी परिवार के चारों ओर अष्टकोणीय जल निकाय है जिसमें 48 फव्वारे नोजल, 80 नग की संख्या में आरजीबी एलईडी लाइटें है और राउंडअबाउट में, 7.5 एचपी मोटर और अन्य उपकरण से लैस जलाशय के चारों ओर पौधे लगे हुए हैं।

एलजी ने कहा कि एनडीएमसी ने लगभग 20 स्थानों पर लगभग 35 मूर्तियां लगाई हैं, जिनमें उत्कृष्ट कृतियों जैसे बुद्ध, संगमरमर के शेर, पोलो घोड़ा, घोड़ा परिवार, रथ और कई अन्य कलाकृतियाँ प्रमुख स्थानों पर स्थापित हैं, जहां हर दिन पर्यटकों सहित बड़ी संख्या में लोग गुजरते हैं।

गुरुग्राम व सोहना विस क्षेत्र के चुनाव व्यय का आंकलन करते व्यय पर्यवेक्षक।

सोहना-गुरुग्राम प्रत्याशियों ने पेश किया चुनाव खर्च का ब्योरा

● तय सीमा से अधिक राशि पाए जाने पर निर्वाचन आयोग द्वारा भेजा जाएगा नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुड़गांव और सोहना विधानसभा क्षेत्र के चुनाव व्यय पर्यवेक्षक कुंदन यादव ने विश्राम गृह के सभागार में विधानसभा चुनाव के दौरान एक-एक उम्मीदवार द्वारा किए गए खर्चों का आंकलन किया तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार करवाए।

मंगलवार को विश्रामगृह सभागार में आयोजित हुई इस बैठक में चुनाव व्यय पर्यवेक्षक ने गुड़गांव और सोहना के उम्मीदवार द्वारा किए गए चुनाव खर्च का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का चुनाव खर्च तय सीमा से अधिक पाया गया तो उसके खिलाफ निर्वाचन आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवार अपने खर्च रजिस्टर और चुनाव व्यय टीम के पास रखे गए उनके शैडो रजिस्टर से मिलान कर लें। इसमें किसी प्रकार की कोई आपत्ति है तो उसके लिए उचित प्रमाण देकर उसका निवारण करवा लें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव के लिए 40 लाख रूपए की खर्च सीमा तय की हुई है। इससे अधिक खर्च किसी उम्मीदवार का पाया जाता है तो उसे नोटिस जारी किया जा सकता है।

बैठक में उम्मीदवारों द्वारा चुनावी रैली, कार्यालय खर्च, प्रचार-प्रसार, जलपान, भोजन, रोड शो, वाहन आदि के खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। चुनाव व्यय पर्यवेक्षक ने उम्मीदवारों तथा उनके चुनावी एजेंटो को बताया कि किस प्रकार से उन्हें अपने दस्तावेज तैयार करने हैं, जिससे कि भविष्य में उन्हें कोई और फार्म आदि जमा ना करवाने पड़े। उन्होंने कहा कि चुनाव खर्च के लिए सभी बिल, फार्म व रजिस्टर में प्रविष्टि सही दर्ज होनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की त्रुटि ना हो।

इस अवसर पर सोहना के एसडीम होशियार सिंह, ईटीओ जगदीप गुलिया, ईटीओ प्रतीक राठी इत्यादि मौजूद रहे।

अशोक गुरुग्राम व रेनू बनीं मानेसर की निगमायुक्त

दोनों अधिकारियों ने सफाई व्यवस्था व आमजन की समस्याओं पर ध्यान देने पर दिया जोर

● गुरुग्राम के निगमायुक्त ने की समाधान शिविर की अध्यक्षता कर सुनी समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

2009 बैच के आईएएस अधिकारी अशोक कुमार गर्ग ने मंगलवार को नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने सबसे पहले यहां आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता की तथा जन शिकायतों को सुनने के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था व सीवरेज व्यवस्था को बेहतर करने के साथ ही उत्तरदायी प्रशासन बनाने की तरफ उनका विशेष फोकस रहेगा। इसके साथ ही निगम की योजनाओं व कार्यों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित हो, इसके लिए गंभीरता से किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों के साथ मुलाकात के दौरान कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कलेक्शन व ट्रांसपोर्टेशन के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही रोड स्वीपिंग मशीनों की कार्यशैली व निगरानी व्यवस्था के बारे में भी अधिकारियों से पूछा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे सभी सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों के बेस को पक्का करने व चारदीवारी करवाने के साथ ही वहां पर सीसीटीवी लगवाएं तथा वहां पर नियुक्त कर्मचारी के लिए पोर्टा केबिन की सुविधा भी करवाएं।

निगमायुक्त ने कहा कि उनके कार्यालय में आने वाली शिकायतों को अलग रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा तथा संबंधित अधिकारी को शिकायत भेजने के साथ ही शिकायत की कॉपी शिकायतकर्ता को उपलब्ध करवाई जाएगी। इन शिकायतों की साप्ताहिक समीक्षा भी की जाएगी तथा अधिकारियों से इसकी प्रगति की रिपोर्ट ली जाएगी।

गुरुग्राम निगम कार्यालय में शिकायतें सुनते नवनियुक्त निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग।

कार्यभार संभालते ही एक्शन में दिखे गर्ग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मंगलवार को नगर निगम में आईएएस अधिकारी अशोक कुमार गर्ग ने आयुक्त का पदभार संभालते ही एक्शन मोड में आ गए। उन्होंने यहां समाधान शिविर की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स, विकास शुल्क, सफाई, कचरा उठान से संबंधित शिकायतों का मौके पर भी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था, सीवरेज व्यवस्था तथा उत्तरदायी प्रशासन उनकी प्राथमिकता सूची में है। इसके साथ ही नगर निगम की योजनाओं व कार्यों में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समाधान शिविर में आने वाले शिकायतकर्ताओं को उस शिकायत से संबंधित अधिकारी का मोबाइल नंबर जरूर उपलब्ध करवाएं, ताकि शिकायतकर्ता संबंधित से शिकायत के समाधान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि बेहतर सफाई व्यवस्था बनाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा इस दिशा में और अधिक तेजी से कार्य किया जाएगा। वे स्वयं लगातार फील्ड विजिट करेंगे तथा आमजन से मिलकर समस्याओं का समाधान करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 22 अक्टूबर से प्रत्येक कार्य दिवस सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। अब तक आयोजित हुए समाधान शिविरों में कुल 430 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 163 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। इसके अलावा, 7 ऐसी शिकायतें भी प्राप्त हुई थी, जो नगर निगम गुरुग्राम से संबंधित नहीं पाई गई। शेष लंबित 260 शिकायतों के समाधान की समय सीमा निर्धारित करके शिकायतकर्ताओं को अवगत कराया गया है क्योंकि इन शिकायतों के समाधान में समय लगना है। नगर निगम द्वारा आयोजित समाधान शिविरों में प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़ी शिकायतों का समाधान तुरंत ही सुनिश्चित किया जा रहा है।

मानेसर क्षेत्रवासियों के लिए हमेशा खुले रहेंगे कार्यालय के दरवाजे: सोगन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मानेसर नगर निगम की नवनियुक्त आयुक्त रेनू सोगन।

2019 बैच की आईएएस अधिकारी रेनू सोगन ने मंगलवार को मानेसर नगर निगम आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया है। आयुक्त के तौर पर निगम क्षेत्र में आमजन की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

आयुक्त रेनू सोगन ने अपना विजन बताते हुए कहा कि नगर निगम की ओर से ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि आमजन को अपनी समस्या बताने के लिए नगर निगम कार्यालय नहीं आना पड़ेगा, बल्कि निगम अधिकारी गांवों में लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को जानेंगे। अधिकारी मौके पर जाकर देखेंगे तो आमजन का निगम के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आयेगा। अधिकारी मौके पर होंगे तो कम समय में अच्छा काम धरातल पर दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि मानेसर निगम क्षेत्रवासियों के लिए उनके कार्यालय के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और निगम की ओर से करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर उनका विशेष जोर रहेगा। आयुक्त ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सरकार की ओर से आमजन के लिए चलाए जा रहे समाधान शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का तय समय में समाधान हो रहा है। ज्ञात हो कि प्रदेश सरकार की ओर से प्रत्येक कार्यदिवस पर सुबह 9 बजे से 11 बजे तक निगम कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

देवली मोड़ पर भी अंडरपास निर्माण कार्य शुरू

● कार्य शुरू होने से इलाके के लोगों में खुशी की लहर

● एनएच-19 पर बघौला में पलवल के बाद होगा यह दूसरा सबसे बड़ा फ्लाईओवर

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 19 पर बघौला में एक और व्हीकल अंडरपास को मंजूरी मिल गई है। यह व्हीकल अंडरपास देवली मोड पर बनाया जाएगा। जिसका लंबे समय से इलाके की जनता को इंतजार था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से मंजूरी मिलते ही सडक खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है।

अब वह दिन दूर नहीं, जब आने वाले नए साल में बघौला का निर्माणाधीन पुल तोहफा के रूप में जनता को मिलेगा। इसे लेकर एनएचएआई के दिल्ली आगरा परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने मंगलवार को निर्माण कम्पनियों के ठेकेदारों के साथ एक बैठक की। जिसमें पुल के कार्य को गति दिए जाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गत सात जून 2023 को हुआ था शिलान्यास: केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने एक साल पहले सात जून 2023 को बघौला में 21.44 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले व्हीकल अंडरपास का शिलान्यास नारियल फोड़ कर किया था। उस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने दावा किया था कि 15 माह में पुल का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। मगर कुछ तकनीकी कारणों के चलते यह काम समय से पूरा नहीं हो सका। शुरूआती दौर में इस पुल में तीन अंडरपास बनाए जाने थे। इनमें एक अंडरपास नूर ब्रह्स कम्पनी, दूसरा अंडरपास जनौली मोड पर तथा तीसरा अंडरपास बघौला गांव में स्कूल के समीप कौशल विकास यूनवर्सिटी के रास्ते पर बनाया गया है। इलाके के 50 से अधिक गांव व उद्योगों को देखते हुए देवली मोड पर भी अंडरपास का बनाना भी जरूरी था। लेकिन पहले इसका डिजाइन में कोई प्रावधान नहीं था।

इलाके के लोगों ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर से देवली मोड पर भी अंडरपास निर्माण कराए जाने की मांग की थी। उन्होने इलाके के लोगों को भरोसा दिलाया कि देवली मोड पर अंडरपास हर हाल में बनाया जाएगा। जिसे एनएचएआई ने मंजूरी दे दी है। इसका काम भी अलॉट कर दिया गया है।

जाम से भी जल्द मिलेगी राहत

पुल का निर्माण कार्य कर रहे चौधरी कंस्ट्रक्शन कम्पनी के प्रोजेक्ट मैनेजर विनित चौहान व साइट इंचार्ज सय्यैद थावर ने बताया कि तीनों अंडरपास तैयार हैं, अगले 10 दिनों में जनौली मोड के व्हीकल अंडरपास को ट्रैफिक के लिए अस्थाई तौर पर खोले जाने की पूरी उम्मीद है। इससे जाम की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। पलवल दिशा में सडक का निर्माण कुछ ही दिनों में शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली दिशा में मिट्टी डालने का काम तेजी से चल रहा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री का वादा पूरा

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने इस अंडरपास निर्माण को मंजूरी दिलाकर जनता से किया गया अपना वायदा पूरा किया है। इससे इलाके के लोग बेहद खुश हैं। दिल्ली आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग के परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने पदभार ग्रहण करने बाद एनएच 19 पर चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सबसे पहले देवली अंडरपास निर्माण को गति देने का काम किया है। उनका कहना है कि जल्द ही इस अंडरपास के निर्माण का कार्य पूरा कराया जाएगा।

सरकारी अस्पताल से वैंटिलेटर, ऑक्सीमीटर व पाइप चोरी

● चोरों ने स्प्रे मारकर सीसीटीवी को किया ब्लैक

● घटना में किसी अस्पताल कर्मी के लिप्त होने का शक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले का सिविल अस्पताल बादशाह खान चोरों के निशाने पर है। दशहरा की छुट्टियों में चोरों ने स्टील की ग्रिल चुरा ली थीं और अब दीपावली की छुट्टियों में चोरों ने वैंटिलेटर ही गायब कर दिया। चोर बड़े शातिर थे, जिन्होंने शातिराना अंदाज में पहले कंटेनर के ऊपर लगी लाईटों व कैमरों पर स्प्रे मारकर बंद कर दिया और फिर बड़े ही आराम से शीशा तोड़कर जाली काटकर कंटेनर के अंदर रखे कई वैंटिलेटर चुरा लिए। घटना सूचना मिलने पर पहुंची तीन नम्बर चौकी की पुलिस जांच में जुटी है।

सिविल अस्पताल की प्राइमरी मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर सविता यादव ने बताया कि घटना की जानकारी उनके स्टाफ द्वारा उन्हें सुबह दी गई थी। चोरों ने बीती रात कोरोना काल के दौरान बनाए कंटेनर वार्ड में रखे दो वैंटिलेटर, 8 पाइप और तीन ऑक्सीमीटर चोरी कर लिए। डॉक्टर सविता यादव के मुताबिक कहीं ना कहीं चोरी में अस्पताल के स्टाफ की मिलीभगत नजर आ रही है।

चोर ने जिस अंदाज में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उससे प्रतीत होता है कि चोर को पहले से ही यह जानकारी थी कि किस वार्ड में वैंटिलेटर ऑक्सीमीटर के पाइप रखे हुए हैं। चोरों ने पहले कंटेनर वार्ड के पास लगी लाइट व कैमरे पर स्प्रे मारा, ताकि उसकी लाइट बंद हो जाए और अंधेरा हो जाए। चोरों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा पर भी स्प्रे मारकर उन्हें काला कर दिया। ताकि उनकी तस्वीर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद ना हो सके। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसकी शिकायत तीन नंबर पुलिस चौकी प्रभारी सोमपाल को दी है। वैंटिलेटर के साथ-साथ चोरी हुए अन्य सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। मामले में तीन नंबर चौकी इंचार्ज सोमपाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। आसपास लगे सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है।

सिविल अस्पताल बादशाह खान में चोरों द्वारा वेटीलेंटर चोरी करने के बाद जांच करती पुलिस।

लुप्त व दुर्लभ लोक कलाओं का संरक्षण ही युवा महोत्सव का उद्देश्य: एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

18-19 नवंबर को आयोजित होने वाले युवा महोत्सव के संबंध में एसडीएम रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। युवा मामले एवं कौशल विभाग हरियाणा तथा नेहरू युवा केंद्र के सौजन्य से महोत्सव राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव में 15 से 29 आयु वर्ग का कोई भी युवा भाग ले सकता है। इसके लिए आवेदन आईटीआई में 12 नवंबर तक कर सकते हैं। वहीं ऑनलाइन माध्यम से माईभारतपोर्टलडॉट जीओवीडॉटइन पर भी आवेदन किया जा सकता है। एसडीएम ने कहा कि राज्य की लुप्त प्राय एवं दुर्लभ लोक कलाओं का संरक्षण-संवर्द्धन करना एवं प्रोत्साहन देना इस आयोजन का उद्देश्य है। इसके साथ ही आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये तैयार करना एवं स्वावलंबी बनाना है। आईटीआई के प्रिंसिपल जयदीप कादयान ने बताया कि आवेदन के लिए प्रतिभागी को रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ दसवीं की मार्क शीट, आधार कार्ड, फैमिली आईडी, फोटो व बैंक खाता की प्रति लाना अनिवार्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेजपाल सिंह का स्वागत करते आर्य समाज के प्रधान डा. गजराज सिंह आर्य।

आजादी में आर्य समाज का बड़ा योगदान: तेजपाल सिंह

फरीदाबाद। देश की आजादी में आर्य समाज का बड़ा योगदान रहा है। आर्य समाज ने हमेशा राष्ट्रभक्ति और मातृभक्ति का लोगों को पाठ सिखाया है। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने जीवन पर्यंत लोगों की सेवा और समाज उत्थान के लिए कार्य किया। यह बात अखिल भारतीय योगी समाज के प्रधान योगी तेजपाल सिंह ने आर्य समाज के 67वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित 21 कुंडीय महायज्ञ में मुख्यातिथि के तौर पर लोगों को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर आर्य समाज सैक्टर-19 के प्रधान डा. गजराज सिंह आर्य, महेश चंद, अशोक आर्य तथा डा. ओपी वधवा ने मुख्यातिथि का पुष्पमाला पहनाकर व स्मृति चिंह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सुमेश मित्तल, लोकनाथ क्षात्रा, पंकज सिंगला, विमला ग्रोवर, यादवेंद्र शास्त्री, शांता अग्रवाल, अशोक गर्ग, पीके. मित्तल, महेश अग्रवाल, रामअवतार सहित शहर के अनेक गण्यमान्य लोगों ने यज्ञ में आहूति डालकर धर्म लाभ उठाया।

विदाई के समय कार्यकाल की यादों में खो गए डीसी निशांत

गुरुग्राम। जिला के विभिन्न सामाजिक संगठनों व प्रबुद्धजनों ने गुरुग्राम के डीसी निशांत कुमार यादव को उनके स्थानांतरण पर मंगलवार शाम को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह में जिला कष्ट निवारण समिति, विभिन्न आरडब्ल्यूए संगठन, इंडस्ट्रियल एसोसिएशन व अन्य सामाजिक संगठनों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर व पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में एडीसी हितेश कुमार मीणा भी मौजूद रहे। डीसी निशांत कुमार यादव ने विदाई समारोह में अपने संबोधन में कहा कि नौकरी में स्थानांतरण एक निर्धारित प्रक्रिया है। जिसकी हम सभी को पालना करनी होती है। गुरुग्राम में पौने तीन साल का कार्यालय सदैव उनके लिए विस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एक विविधता वाला जिला है। जहां विकासात्मक कार्यों व समस्याओं के निवारण के लिए आपको हर स्टेज पर पहले से बेहतर प्रयास करने होते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे वैश्विक शहर में रिहायशी सोसाइटी के स्ट्रक्चरल ऑडिट हो या जी-20 का आयोजन यह देश में अपने स्तर के पहले व चुनौतीपूर्ण कार्य थे। शहर के नागरिकों व प्रशासनिक टीम का उन्हें सदैव परस्पर सहयोग मिला।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

● भागने का प्रयास करते समय एक घायल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

5 नवम्बर की रात को अपराध शाखा एवीटीएस की टीम ने गस्त के दौरान हाडवेयर चौक पर शक होने पर एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी चालक से पूछताछ की तो चालक ने पुलिसकर्मियों को टक्कर मारने के लिए एकदम से गाड़ी को भगा लिया। पुलिसकर्मियो ने छलांग कर जान अपनी जान बचाई और गाडी चालक ने सरकारी गाडी में टक्कर मार दी।

इसी दौरान गाड़ी में सवार तीनों व्यक्ति गाड़ी से उतरकर भागने लगे व चालक ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से सीधा फायर किया गाड़ी में ड्राइवर सहित तीन व्यक्ति थे। जिसकी सूचना कैट्रोल रुम में दी गई। गाड़ी का पुलिस द्वारा पीछा किया गया परन्तु पकड़ में नहीं आ सकी। दिल्ली नम्बर की गाड़ी होने के कारण अपराध शाखा टीम ने बाई-पास रोड बदरपुर बॉर्डर पर नाका बंदी लगाई। नाका बंदी के दौरान बाईपास रोड बदरपुर बॉर्डर पर पल्ला चौक की तरफ से वही गाडी आती दिखाई दी। जिसको रोककर पुलिस ने 2 व्यक्तियों को काबू कर लिया। एक व्यक्ति जिसने फायर किया था, मौके से भागने में कामयाब हो गया।

काबू किए गए व्यक्ति नसीम पुत्र इदरीश व जाकिर पुत्र अल्लाह मेहर खान वासियान उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ के गांव रामपुर शाहपुर के रहने वाले हैं तथा फरार आरोपी शाहरुख भी रामपुर शाहपुर गांव का रहने वाला है। गाड़ी से भागते समय नसीम को चोट लगी है, जिसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एएसआई नरेश कुमार एवीटीएस शाखा की शिकायत पर थाना सराय ख्वाजा में मामला दर्ज किया गया है।

20 साल से समुदाय भवन को तरस रहे लक्ष्मण विहारवासी

● पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी ने विधायक मुकेश शर्मा के समक्ष उठाया मुद्दा

● पूर्व विधायक सुधीर सिंगला ने विधानसभा में भी उठाया था मामला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लक्ष्मण विहार में कम्युनिटी सेंटर बनवाने की मांग को लेकर विधायक मुकेश शर्मा को मांग पत्र सौंपते पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी व अन्य।

विधानसभा में वैसे तो बड़े मुद्दे विधायकों, मंत्रियों द्वारा उठाए जाते हैं, लेकिन यहां एक कम्युनिटी सेंटर बनाने का मुद्दा हरियाणा की विधानसभा में गूंजा। विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा जल्द से जल्द इसके निर्माण का ठोस आश्वासन देने के बाद भी एक ईंट तक ना लगना क्षेत्रवासियों के साथ अन्याय है। क्षेत्र के पूर्व पार्षद का कहना है कि वे 20 साल से इस मुद्दे को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचा रहे हैं। इसके बाद भी काम नहीं हुआ। अब 21वें साल में एक बार फिर से उन्होंने गुड़गांव के नवनिर्वाचित विधायक के समक्ष यह मुद्दा उठाया है।

नगर निगम गुरुग्राम अंतर्गत वार्ड-10 (नया घोषित वार्ड-33) में मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत कम्युनिटी सेंटर बनाया जाना था। मनोहर सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इसकी घोषणा की थी। घोषणा के 8 साल बाद भी इस प्रोजेक्ट की फाइल गायब है। वार्ड-10 के पूर्व पार्षद मंगतराम बागड़ी बताते हैं कि उन्होंने कांग्रेस सरकार में भी लक्ष्मण विहार में कम्युनिटी सेंटर बनवाने की मांग उठाई थी। कांग्रेस सरकार के 10 साल भी बीत गए। भाजपा सरकार के भी 10 साल बीत चुके हैं। उन्होंने मंगलवार को गुड?ांव के विधायक मुकेश शर्मा को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि कम्युनिटी सेंटर के निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को दर्जनों बार मांग पत्र सौंप चुके हैं। इस पर कुछ काम नहीं हुआ।

मंगतराम बागड़ी ने विधायक को सौंपे मांग पत्र सौंपने के दौरान पतराम जांगड़ा, ईश्वर अध्यक्ष आरडब्ल्यूए, अजीत साहू, दीपक शर्मा, रमेश जांगड़ा, साहिल बागड़ी आदि ने कहा कि सामुदायिक भवन की मांग कांग्रेस के कार्यकाल में एक दशक से लंबित रही।

बीजेपी सरकार में इस पर सुनवाई हुई। अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण भी किया गया, लेकिन काम शुरु नहीं किया जा सका। उन्होंने मांग पत्र में कहा है कि सरकारी जमीन एक विभाग से दूसरे विभाग को हस्तांतरित किया जाता है। कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए जमीन का हस्तांतरण एक विभाग से दूसरे विभाग को क्यों नहीं किया जा रहा है।

पूर्व विधायक सुधीर सिंगला के माध्यम से इस मामले को विधानसभा में भी उठाया गया। इस मामले को नगर निगम की बैठकों में भी कई बार उठाया गया। पंजीरी प्लांट की जमीन महिला एवं बाल विकास विभाग से नगर निगम को हस्तांतरित ना होने के कारण अब तक कम्युनिटी सेंटर का निर्माण लंबित पड़ा है। विधायक मुकेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि कम्युनिटी सेंटर का निर्माण कराने का पूरा प्रयास जाएगा।

मानव सेवा को समर्पित है डेरा ब्यासः सीएम

मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलने पहुंचे राधा स्वामी प्रमुख, सुभाष सुधा भी रहे मौजूद

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख तथा गद्दी नशीन गुरू मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे और मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मुलाकात की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा भी मौजूद रहे।

राधा स्वामी संप्रदाय प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो तथा राधा स्वामी ब्यास के संरक्षक व संत सतगुरु जसदीप सिंह गिल का सीएम आवास पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी, उनकी पत्नी सुमन सैनी तथा अन्य परिजनों ने स्वागत किया। इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने ट्वीट पर लिखा कि आज मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर पहुंचने पर सहपरिवार 'राधा स्वामी सत्संग, ब्यास' के डेरा प्रमुख संत बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों का स्वागत सत्कार कर उनका स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त किया।

समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में संत-महापुरुषों का अतुलनीय योगदान हमेशा से ही रहा है। राधा स्वामी सत्संग ब्यास द्वारा मानवता की सेवा और सामाजिक सद्भाव हेतु निरंतर किए जा रहे कार्य अपने आप में अद्भुत और प्रेरणादायी है। आप संत जनों का आशीर्वाद प्रदेश के मेरे परिवारजनों बना रहे व उनकी सुख और समृद्धि को फलीभूत करे।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव जनवरी में

- चुनाव आयुक्त न्यायमूर्ति एचएस भल्ला ने किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आम चुनाव करवाने से संबंधित सभी तैयारी प्रगति पर हैं। कमेटी के लिए चालीस वार्ड बनाये गए हैं तथा लगभग दो लाख 84 हजार सिखों ने उक्त चुनाव के लिए मतदाता सूची में अपने नाम पंजीकृत करवाए हैं।

हरियाणा के गुरुद्वारा चुनाव आयुक्त न्यायमूर्ति एच.एस. भल्ला ने मंगलवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जो आज तक हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की मतदाता सूची में अपना नाम मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं करवा पाया है, वह अब भी उक्त कमेटी की मतदाता सूची में अपना नाम पंजीकृत करवा सकता है। मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए आवेदन (इस कार्यालय द्वारा चुनाव कार्यक्रम जारी होने तक) संबंधित वार्ड के संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत किया जा सकता है तथा उसके बाद चुनाव संपन्न होने तक आवेदन संबंधित उपायुक्त को प्रस्तुत किया जा सकता है।

भल्ला ने यह भी बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का चुनाव कार्यक्रम जनवरी, 2025 माह में आयोजित किए जाने की संभावना है तथा चुनाव की सही तारीख की घोषणा चुनाव कार्यक्रम जारी करते समय की जाएगी।

हरियाणा विधानसभा का सत्र 13 नवंबर से

चंडीगढ़। हरियाणा की 15वीं विधान सभा का पहला सत्र 13 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस संबंध में हरियाणा विधान सभा सचिवालय की ओर से प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 16 के तहत मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस दिन बुधवार है। 15 नवंबर शुक्रवार को गुरुनानक जयंती है और 16 व 17 नवंबर को शनिवार-रविवार के अवकाश हैं। इसलिए विधानसभा का शीतकालीन सत्र 13, 14 और 17 नवंबर को तीन दिन तक चलने की संभावना है। 14 नवंबर को वीरवार और 17 नवंबर को सोमवार है। विधानसभा सत्र की तारीख घोषित होने के बाद अब कांग्रेस भी जल्दी ही विधायक दल का नेता घोषित कर सकती है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कांग्रेस नेतृत्व को यह अधिकार सौंपा गया था कि वह अपने स्तर पर विधायक दल के नेता का नाम घोषित करे।

छठ पूजा पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम कल

- कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री करेंगे शिरकतः डीसी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि 7 नवम्बर को जिले में छठ पूजा महोत्सव का राज्यस्तरीय कार्यक्रम पुरुषोत्तमपुरा बाग में किया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। उपायुक्त नेहा सिंह ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के कान्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक के दौरान उपायुक्त ने छठ पूजा महोत्सव के आयोजन को लेकर संस्थाओं के प्रतिनिधि व अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट, एसडीएम थानेसर कपिल शर्मा, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, नगराधीश डा. रमन गुप्ता, अस्टेट आफिसर नसीब कुमार, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र शर्मा, कार्यकारी अभियंता राजकुमार, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, गीताजयंती मेला अथॉरिटी सदस्य सौरभ चौधरी, ईओ अभय सिंह यादव, श्री गऊ गीता गायत्री सत्संग समिति के प्रधान अनिल कुमार शास्त्री, छठ पर्व सेवा समिति के प्रधान संतोष सारवान, श्री पुर्वाचल छठ पर्व महासभा के प्रधान राजीव कुमार रॉय के साथ-साथ सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण व अन्य मौजूद रहे।

उन्होंने कार्यक्रम के दृष्टिगत बताया कि 7 नवम्बर को राज्यस्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हरियाणा एवं अन्य विशिष्ठ अतिथि सायंकाल ब्रहमसरोवर पर आरती में भाग लेंगे। उसके उपरांत पुरुषोत्तमपुरा बाग में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

डॉ. सलोनी पवन दिवान बनी युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की उप-निदेशक

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सलोनी पवन दिवान को युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग का उपनिदेशक बनाया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि टूरिज्म विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंकुश अम्बरदार को तत्काल प्रभाव से यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस का प्रभारी बनाया गया है तथा आईआईएचएस के अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीरेन्द्र पॉल को सेनिटेशन विभाग का इंचार्ज बनाया गया है।

पराली जलाने के आरोप में दो किसान गिरफ्तार

- रायमाजरा व लौहारा के किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए थे मामले

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस ने पराली जलाने के आरोप में किया दो को काबू। जिला पुलिस ने पराली जलने के आरोप में अलग अलग मामलों मे गुरचरण सिंह वासी गाव रायमाजरा जिला कुरूक्षेत्र और सोहना राम वासी गाव लौहारा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफतार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उपायुक्त द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में फसलों के अवशेषों की जलाने पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है। उपरोक्त आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो वह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223(ए) के तहत दण्ड का पात्र होगा। उपायुक्त कार्यालय के आदेशानुसार कर्म चन्द डिपटी डायरेक्टर एग्रीकलचर उप निदेशक आईएडीपी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर गठित की गई कमेटी द्वारा मौका का मुआयना करने पर गांव राय माजरा में रकबा एक एकड़ जमीन पर आगजनी पाई गई थी। जिस पर पुलिस ने 22 अक्टूबर को थाना शाहबाद में मामला दर्ज किया था। मामले की जांच करते हुए एएसआई देवेन्द्र कुमार ने आगजनी के आरोप में गुरचरण सिंह वासी गांव रायमाजरा थाना शाहबाद को मामले में शामिल पाया गया। इसी प्रकार थाना लाडवा में वायु प्रदूषण एक्ट की उल्लंघना करके अपराध में एस आई बलबीर दत्त ने सोहन सिंह वासी गांव लौहारा के एक एकड़ क्षेत्र में आगजनी का मामला दर्ज किया गया था जिसमें आगजनी के आरोपी सोहन सिंह वासी गांव लौहारा के मामले में शामिल पाया गया था।

मंत्रियों की संख्या अधिक होने पर हाईकोर्ट का नोटिस

- याचिका में 15 प्रतिशत से अधिक मंत्री होने का किया गया है दावा
- हाईकोर्ट ने केंद्र व हरियाणा सरकार से मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में मंत्रियों की संख्या अधिक होने के विरोध में दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने मंगलवार को हरियाणा तथा केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी।

याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से अपील करते हुए कहा कि तय संख्या से अधिक मंत्री होने के चलते अतिरिक्त मंत्रियों को हटाया जाए। याचिका पेंडिंग रहने तक उन्हें मिलने वाले लाभ पर भी रोक लगाई जाए। इससे पहले भी एडवोकेट जगमोहन सिंह भट्टी ने हरियाणा में 13वीं तथा 14वीं विधानसभा के दौरान 15 फीसदी से ज्यादा मंत्री बनाए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। बीती 17 अक्टूबर को नायब सैनी के अलावा 13 मंत्रियों ने शपथ ली थी। इसके बाद 18 अक्टूबर को एडवोकेट जगमोहन भट्टी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की। याचिका में आरोप लगाया गया कि मंत्रिमंडल में अधिकतम मंत्री 13.5 हो सकते हैं, लेकिन हरियाणा में इस समय 14 मंत्री हैं। संविधान के 91वें संशोधन के तहत राज्य में कैबिनेट मंत्रियों की संख्या विधानसभा के कुल विधायकों की संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

याचिका में भट्टी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, आरती राव, राजेश नागर और गौरव गौतम के अलावा केंद्र सरकार व हरियाणा विधानसभा को प्रतिवादी बनाया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि हरियाणा सरकार द्वारा जो मंत्री पद और कैबिनेट रैंक बांटी गई है, उसका सीधा असर जनता पर पड़ रहा है।

विधायकों को खुश करने के लिए मंत्रियों की संख्या बढ़ाई जा रही है और उनको भुगतान जनता की कमाई से किया जाता है। हाईकोर्ट द्वारा आज याचिका को स्वीकार किए जाने के बाद अब 19 दिसंबर को अगला निर्णय दिया जाएगा।

'अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव डलवाया तो होगी कार्रवाई'

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने सभी सिविल सर्जन को जारी किए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

स्वास्थ्य विभाग में राजनीतिक दबाव को लेकर छिड़ा विवाद अब सार्वजनिक हो गया है। महानिदेशक ने प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों को पत्र लिखकर इस बारे में निर्देश जारी कर दिए हैं। अब राजनीतिक दबाव बनाने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग में अच्छा पद पाने के लिए सबसे ज्यादा सिफारिश की जाती है। इसमें सीएमओ या उच्च अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव डालकर मनचाही पोस्ट पर नियुक्ति करवाई जाती है। इससे परेशान होकर हेल्थ डायरेक्टर की ओर से पत्र लिखा गया है।

स्वास्थ्य विभाग में राजनीतिक दबाव को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही हैं। यहां बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जो अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव डलवाकर मनचाहे पद पर बैठे हुए हैं। पिछले समय के दौरान तो एक निदेशक स्तर के अधिकारी द्वारा राजनीतिक दबाव के चलते छुट्टी मंजूर करवाने को लेकर भी मामला सुर्खियों में आ चुका है। विभाग में बहुत से कर्मचारी ऐसे भी हैं जो कई वर्षों से एक ही पद पर बैठे हुए हैं।

अब महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं विभाग हरियाणा की तरफ से प्रदेश के सभी जिला सिविल सर्जनों तथा प्रधान चिकित्सा अधिकारियों को जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि अक्सर यह देखने में आया है कि अधिकारी व कर्मचारी अपनी सेवा से संबंधित मामले के संबंध में अपने हितों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्राधिकारी पर राजनीतिक प्रभाव डलवाने का प्रयास करते हैं जोकि हरियाणा सिविल सेवाएं नियम 2016 के नियम 26 का उल्लंघन है।

महानिदेशक ने निर्देश जारी किए हैं कि अधिकारी अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों को यह निर्देश जारी करें कि कोई भी कर्मचारी अपने हितों के लिए राजनीतिक दबाव नहीं डलवाएगा। अगर किसी कर्मचारी के संबंध में ऐसा मामला पाया गया तो उसके विरूद्ध अनुशासनिक विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता सेनानियों की विधवा/ तलाकशुदा बेटियों को मिलेगी पेंशन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों या उनकी धर्मपत्नियों की मृत्यु के बाद उनकी बेरोजगार विधवा/तलाकशुदा बेटियों को भी राज्य सम्मान पेंशन का लाभ देने का फैसला किया है। इसके लिए मुख्य शर्त यह रहेगी कि उक्त महिलाओं के पास आमदनी का कोई साधन न हो।

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जय कुमार भाटिया पुत्रः श्री लक्ष्मण दास भाटिया पताः 9/3, द्वितीय तल, कालका जी, नई दिल्ली-110019 ने अपने पुत्रः दिवेश भाटिया को उसके द्वारा दुर्व्यवहार करने, लड़ाई-झगड़ा, प्रताड़ित करने व नियंत्रण से बाहर होने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सपंत्ति से बेदखल करते हुए सभी पारिवारिक/समाजिक संबध-विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उनके किसी भी क्रिया-कलापों, लेन-देन, पुलिस व अपराधिक कार्यवाही आदि के लिये मेरे मुवक्किल व उनके परिवार वाले उत्तरदायी नही होंगे।
Shivam Sharma (Advocate), Ch. No. C-120, C.L. Joseph Block, Tis Hazari Courts, Delhi-54

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री चरण सिंह पुत्र स्व0 श्री रति राम एवं श्रीमति पूनम पत्नी श्री चरण सिंह दोनों निवासीः ए-727 गली नं0 18, पॉकेट-4, जीरो पुस्ता, सोनिया विहार, दिल्ली-110090 ने अपने पुत्र जय प्रकाश एवं पुत्रवधु लक्ष्मी को उनके दुर्व्यवहार / दुराचरण के कारण, उनसे अपने समस्त संबन्ध विच्छेद कर, अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, वर्तमान, भूतकाल व भविष्य में मेरे उक्त मुवक्किल व उनके अन्य परिवारिक सदस्य, उनके किसी भी प्रकार के कृत्य/लेन-देन के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे ।
S.K. Bhardwaj Advocate, 241, Gajanand Block Tis Hazari Court Delhi-110054.

PUBLIC NOTICE

My clients Jaibir Singh S/O Khem Chand AGED 62 YEARS and Lado Rani W/o Sh. Jaibir Singh both R/o 110, Sun Light Colony No.1, Aashram South Delhi, Delhi-110014, has disowned their son Rohit Bainsla S/o Sh. Jaibir Singh and their daughter in law KAJAL W/O ROHIT BAINSLA from all their moveable and immoveable properties as they has gone astray. Anybody dealing with them shall do so at his/her own risk and cost and my clients and their family have no responsibility whatsoever.
MANOJ KUMAR (Advocate) Ch. No./Seat No. M2, M Block Tis Hazari Court, Delhi-110054, Mob.: 931299052

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सतिंदर कौर साहनी और श्रीमती चितवन कौर साहनी, जो 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या ए-101, छत के अधिकार के साथ, संपूर्ण तृतीय तल की मालिक हैं, जो लाजपत नगर-1, नई दिल्ली-110024 में स्थित है, जिसके मालिक बिक्री विलेख दिनांक 15.06.2024 (दस्तावेज़ सं. 2024/9/I/3827 देखें) के अनुसार मेसर्स न्यू मॉडर्न बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के अटॉर्नी श्री हरकीरत सिंह साहनी द्वारा निष्पादित है और इसे एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड, नोएडा द्वारा वित्तपोषित और बंधक किया जाना है। (1) मेसर्स न्यू मॉडर्न बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी मूल बोली स्वीकृति पत्र, (2) मेसर्स न्यू मॉडर्न बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री हरकीरत सिंह साहनी के पक्ष में निष्पादित मूल एटीएस और (3) मेसर्स न्यू मॉडर्न बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री हरकीरत सिंह साहनी के पक्ष में निष्पादित मूल वसीयत उपलब्ध नहीं है। यदि उक्त संपत्ति में किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित रखने वाला कोई व्यक्ति आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है।
लुसेम लीगल एलएलपी
बी-93बी, द्वितीय तल, एसबीआई बैंक के सामने, सेक्टर 2, नोएडा, यूपी-201301, संपर्क **#0120-4269379**

सार्वजनिक सूचना

चूंकि श्री मोहम्मद सलमान आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से संपत्ति के लिए गृह ऋण मांग रहे हैं, अर्थात संपत्ति नंबर जे-220/4-ए, प्लॉट नंबर 4, क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज, आयत संख्या 20 मे से, किला संख्या 24/2, खसरा नंबर 20/24/2, जो विष्णु गार्डन, (पहले विष्णु गार्डन एक्सटेंशन संख्या 2 के नाम से जाना जाता था), नई दिल्ली की आबादी में ख्याला गांव के क्षेत्र में स्थित है, जिसे आगे "उक्त संपत्ति" के रुप में संदर्भित किया जाएगा, यह कि, (1) श्री बख्शीश सिंह, (2) श्रीमती बलजीत कौर, (3) श्री हरविंदर सिंह, (4) श्री जसमान सिंह, (5) श्रीमती कंवलजीत कौर, (6) श्रीमती कवलजीत कौर और (7) श्रीमती राजिंदर कौर, दिवंगत स्वर्गीय हरजीत कौर के कानूनी उत्तराधिकारी हैं और 14.03.1980 के जीपीए और एटीएस के माध्यम से मालिक बन गए हैं। श्री हरविंदर सिंह पिछले मालिक ने हमें यह समझाया है कि उन्होंने पहले दस्तावेज खो दिए हैं या गलत जगह रख दिए हैं जो श्रीमती हरजीत कौर के पक्ष में 14.03.1980 की वसीयत है जिसका LR No: 2268795/2024 दिनांक 04.11.2024 है, जो कहीं पता लगाने योग्य नहीं हैं या नहीं मिल सकते हैं।
अब, मैं आम जनता के लिए यह घोषणा करना चाहता हूं कि कोई भी व्यक्ति जिसका उक्त संपत्ति/शेयर या दस्तावेजों के खिलाफ कोई अधिकार, स्वामित या हित है, तो वह सात दिनों के भीतर दस्तावेजी वैध साक्ष्य के साथ हमारे दिल्ली कार्यालय में आकर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते है यदि कोई ऐसा नहीं करते है, तो उसे अस्वामिक और अप्रतिबंधित माना जाएगा और तदनुसार आगे बढ़ाया जाएगा।
मैसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, एल.जी.एफ, शिवालिक, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017, मो. **9991116006**

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-IV नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 7(2) के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 95 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मैसर्स पूजा वर्मा
पताः
पत्नी श्री प्रदीप कुमार, डब्ल्यू जेड 1945-बी, रानी बाग, दिल्ली-110034
के मामले में
कंपनी याचिका/सं. (आईबी) 379/2024
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 7(2) के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 95 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम श्रीमती पूजा वर्मा)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 18 मार्च 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-IV के समक्ष 04.12.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है।
उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए।
जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-VI नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मैसर्स संकल्प ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड
CIN - U74899DL1988PTC034254
पंजीकृत कार्यालयः
एस-384, पंचशील पार्क, भूतल, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली-110017
कंपनी याचिका/सं. (IB) 520/2024
के मामले में
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम मैसर्स संकल्प ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 13 मई 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-VI के समक्ष 25.11.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है। उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए। जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-V नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मैसर्स डायमंड हट इंडिया (प्रा.) लिमिटेड
CIN- U36911DL2002PTC116189
पंजीकृत कार्यालयः
2883/17, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005
कंपनी याचिका/सं. (IB) 527/2024
के मामले में
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम मैसर्स डायमंड हट इंडिया (प्रा.) लिमिटेड)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 18 मई 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-V के समक्ष 28.11.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है। उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए। जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-VI नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मेसर्स अष्टविनायक ज्वैलर प्राइवेट लिमिटेड
CIN U36912DL2007PTC158162
पंजीकृत कार्यालयः
2612-13, बैंक स्ट्रीट, गुरुद्वारा रोड कॉमर, करोल बाग, नई दिल्ली-110005
कंपनी याचिका/सं. (IB) 517/2024
के मामले में
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम मेसर्स अष्टविनायक ज्वैलर प्राइवेट लिमिटेड)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 31 मई 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-VI के समक्ष 22.11.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है। उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए। जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-VI नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मैसर्स जे.एस. डिजाइनर लिमिटेड
CIN U51311DL1997PLC087099
पंजीकृत कार्यालयः
178, एफ.आई.ई. औद्योगिक क्षेत्र पटपड़गंज, पूर्वी दिल्ली, दिल्ली - 110092. भारत
औरः डी-222, सेक्टर-63, नोएडा-201301 यू.पी.
और: बी-109, स्वास्थ्य विहार, दिल्ली पूर्व, नई दिल्ली-110092
कंपनी याचिका/सं. (IB) 510/2024
के मामले में
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम मैसर्स जे.एस. डिजाइनर लिमिटेड)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 16 मई 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-VI के समक्ष 25.11.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है। उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए। जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

फॉर्म सं. एनसीएलटी 3ए
विज्ञापन विस्तृत याचिका
राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण पीठ-II नई दिल्ली के समक्ष
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के मामले में
और
दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के मामले में
और
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
दवाबग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा,
जीवन तारा बिल्डिंग, 5, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
बनाम
मेसर्स रिचफील्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
CIN- UI5400DL2012PTC232590
पंजीकृत कार्यालयः
एफ-213, E-I लाडो सराय, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली-110030 भारत
कंपनी याचिका/सं. (IB) 583/2024
के मामले में
याचिका की सूचना
दिवाला और शोधन अक्षमता (न्यायिक प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2016 के नियम 4 के साथ पठित दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत, दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए एक याचिका/आवेदन/संदर्भ **(केस टाईटलः सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम मेसर्स रिचफील्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड)** बीकेएम एंड एसोसिएट द्वारा 18 मई 2024 को प्रस्तुत किया गया था, और उक्त याचिका को **राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, नई दिल्ली की पीठ-II के समक्ष 20.12.2024** को सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है। उक्त याचिका/आवेदन/संदर्भ का समर्थन या विरोध करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को अपने आशय की सूचना, स्वयं या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित, अपने नाम और पते के साथ इस प्रकार भेजनी चाहिए कि वह याचिका/आवेदन/संदर्भ की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व तक याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तक पहुंच जाए। जहां वह याचिका/आवेदन/संदर्भ का विरोध करना चाहता है, वहां विरोध के आधार या उसके हलफनामे की एक प्रति ऐसी सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएगी। याचिका/आवेदन/संदर्भ की एक प्रति नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति को निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर प्रदान की जाएगी।
दिनांक 05.11.2024
(हस्ता/-) बीकेएम एंड एसोसिएट्स
अधिवक्ता, सॉलिसिटर और सलाहकार,
वित्तीय लेनदारों हेतु वकील
206, एजे, चैंबर्स, नैवाला बैंक स्ट्रीट, करोलबाग, नई दिल्ली-110005.
मो. 9868113796, ई-मेलः bkmdelhi@gmail.com

राजधानी में धुंध

दिल्ली में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर

दिल्ली का प्रदूषण स्तर एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, दीवाली के दो दिन बाद ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के स्तर को पार कर गया। रविवार की सुबह तक, शहर में खतरनाक हवा की स्थिति देखी गई, जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित सीमाओं से 65 गुना अधिक था। धुंध की मोटी चादर छाने से शहर की वायु गुणवत्ता खतरनाक श्रेणी में प्रवेश कर गई। संदर्भ के लिए, 450 से ऊपर के एक्यूआई स्तर को गंभीर-प्लस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों जैसी कमजोर आबादी के लिए। शनिवार की रात को, दिल्ली का एक्यूआई 327 था, लेकिन महज 12 घंटे के भीतर यह 447 तक बढ़ गया, कई लोगों ने खराब वायु गुणवत्ता और आंखों में जलन के कारण सांस संबंधी समस्याओं की शिकायत की, जो घने धुंध का सीधा प्रभाव है। ये लक्षण दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के तत्काल स्वास्थ्य नतीजों को उजागर करते हैं, खासकर दीवाली के बाद। दीवाली समारोह के दौरान पटाखे चलाने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर काफी प्रभाव पड़ता है। आतिशबाजी से निकलने वाले धुएं और कणों में सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और भारी धातु जैसे प्रदूषक होते हैं जो हवा में निलंबित रहते हैं, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है।

पंजाब और हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की वार्षिक कृषि प्रथा दिल्ली की धुंध में योगदान करती है। वायु गुणवत्ता संकट में इसका कायम रहना एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। सर्दियों के दौरान, दिल्ली का ठंडा तापमान और तेज हवाओं की कमी प्रदूषकों को जमीन के करीब फंसा देती है इस आवर्ती समस्या से निपटने के प्रयास में, वायु गुणवत्ता में 'बहुत खराब' श्रेणी में गिरावट के बाद, 21 अक्टूबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू किया गया। इस योजना में निर्माण और औद्योगिक संचालन जैसी प्रदूषण में योगदान देने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। हालांकि, ग्राप-2 के क्रियान्वयन के बावजूद, वायु गुणवत्ता सूचकांक चिंताजनक रूप से उच्च बना हुआ है, जो शहर की लगातार वायु गुणवत्ता समस्याओं को दूर करने के लिए सख्त प्रवर्तन और संभवत: अधिक मजबूत समाधानों की आवश्यकता को दर्शाता है। दीवाली के बाद दिल्ली का प्रदूषण संकट वायु गुणवत्ता प्रबंधन की जटिल और बहुआयामी प्रकृति की याद दिलाता है। ग्राप और जन जागरूकता अभियानों जैसी पहलों के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयासों को सीमित सफलता मिली है, जिससे अधिक प्रभावी और निरंतर हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल मिलता है। पटाखों पर सख्त प्रतिबंध, बेहतर पराली प्रबंधन अभ्यास और वास्तविक समय प्रदूषण नियंत्रण सहित एक बहुआयामी दृष्टिकोण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में स्थायी सुधार लाने के लिए आवश्यक है। चूंकि दिल्ली को खतरनाक हवा की एक और सर्दी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए तत्काल, दीर्घकालिक समाधान महत्वपूर्ण हैं।

भारत की संपदा का संरक्षण

भारत ने बैंक ऑफ इंग्लैंड से 214 टन सोना वापस लाकर एक साहसिक कदम उठाया है, जो वैश्विक आघात से राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा के लिए एक रणनीतिक कदम का संकेत है।

शिवाजी सरकार
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत ने राष्ट्रीय संपदा की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंग्लैंड की तिजोरियों से 214 टन सोना वापस लाया है, जो बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आसन्न प्रतिबंधों को लेकर बढ़ी चिंता का संकेत है। यह बदलाव एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिसमें वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंक अपनी सोने की खरीद बढ़ा रहे हैं।

केवल मई में, भारत ने बैंक ऑफ इंग्लैंड से 100 टन सोना वापस मंगाया, जो वैश्विक अनिश्चितता के बीच परिसंपत्तियों की रक्षा करने की रणनीति को मजबूत करता है। अब, जब वैश्विक सोने की कीमतें संभावित 3,000 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़ रही हैं, तो दुनिया इस पर करीब से नज़र रख रही है, क्योंकि भारत इन अस्थिर समय में कीमती धातुओं को सुरक्षित करने की दौड़ में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। भारत सरकार ने वैश्विक भू-राजनीतिक अशांति के मद्देनजर अपनी परिसंपत्तियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। मई में बैंक ऑफ इंग्लैंड से लगभग 100 टन सोना वापस लाया गया।

बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) और बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास कुल 324.01 मीट्रिक टन सोना था, जबकि 510.46 मीट्रिक टन सोना घरेलू स्तर पर रखा गया था। इसके अतिरिक्त, 20.26 मीट्रिक टन सोना जमा के रूप में संग्रहीत किया गया था। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, विश्व बाजार में सोने का भाव 3000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान है। पटाखों की बिक्री राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रतिबंध-पूर्व के अस्पष्ट युगों के बावजूद दीवाली 2024 के बाजार की चमक कई कारणों से फीकी दिखाई देती है। पारंपरिक सोने की बिक्री पिछले वर्षों के उच्चतम स्तर को नहीं छू सकी क्योंकि धातु की कीमत पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक, 78,430 रुपये के आसपास थी। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, चांदी की बिक्री में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सोने की मात्रा में 15 प्रतिशत की गिरावट आई। बाजार में मंदी की स्थिति 2015 या 2019 की तरह ही है। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर 43वीं अर्धवार्षिक रिपोर्ट: अप्रैल-सितंबर 2024 में कहा है कि उसके पास घरेलू और विदेशी भंडार सुविधाओं में कुल 854.73 मीट्रिक टन सोना है।

आरबीआई अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और बाहरी जोखिमों से बचाव के लिए सोना खरीद रहा है। 2024 में आरबीआई ने अपने भंडार में 54.7 टन सोना जोड़ा, जो तीन साल में सबसे अधिक अधिग्रहण है। यूक्रेन युद्ध के बाद, यूएस डॉलर, यूरो और स्टर्लिंग पाउंड में भंडार के रूप में रखे गए 300 बिलियन डॉलर मूल्य की रूसी मुद्रा और अन्य संपत्तियां अमेरिका और जी7 देशों द्वारा जब्त कर ली गईं। इन संपत्तियों का इस्तेमाल यूक्रेन को हथियारों और अन्य आपूर्तियों के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है। तब से भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद के सौदों में भी सावधानी बरती है। कनाडा के साथ हाल ही में हुए विवाद और लेबनान और ईरान में अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के बढ़ने से सतर्कता और बढ़ गई है।

इससे आरबीआई को सोना वापस लाना पड़ा, जो डॉलर के बजाय सोने के रूप में भुगतान के लिए सोना खरीद रहा है और इसे विदेशों में जमा कर रहा है। आरबीआई तिजोरी किराए के रूप में भी बड़ी मात्रा में बचत करता है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता में मजबूत मांग वैश्विक कीमतों को और बढ़ा सकती है, जो पिछले सप्ताह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। सोने के आयात की बढ़ती मांग भारत के व्यापार घाटे को भी बढ़ा सकती है और रुपये पर दबाव डाल सकती है। हां, भारत की सोने की खरीद ने वैश्विक सोने की कीमतों में वृद्धि में योगदान दिया है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बुधवार को कहा कि 2024 में भारत की सोने की मांग चार साल में सबसे कम होने की संभावना है क्योंकि कीमतों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से त्योहारी सीजन के दौरान खरीदारी में कमी देखी जा रही है। डब्ल्यूजीसी के भारतीय परिचालन के सीईओ सचिन जैन के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता देश में सोने की मांग 2024 में लगभग 700 और 750 मीट्रिक टन रह सकती है, जो 2020 के बाद सबसे कम है और पिछले साल के 761 टन से कम है। इस धनतेरस पर भारत में सोने की बिक्री पिछले साल के 42 टन से घटकर 35 टन रह गई। इस साल सोना कई बार अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की छड़ों की बड़ी खरीद ने 2022 से दर और मूल्य स्तरों के बीच के संबंध को फिर से स्थापित कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च का अनुमान है कि 100 टन की भौतिक मांग सोने की कीमतों में कम से कम 2.4 प्रतिशत की वृद्धि करती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है, सितंबर में कार्ड खर्च 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल से 57 प्रतिशत की वृद्धि है।

खुदरा दुकानों में परेशानी है क्योंकि कई लोग ऑनलाइन शॉपिंग की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे ग्राहकों की संख्या कम रही। अमेज़न और फ्लिपकार्ट दोनों ने ही दीवाली सीजन में मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें फ्लिपकार्ट अक्टूबर की शुरुआती बिक्री के दौरान 64 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी रहा।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से बिक्री में साल-दर-साल 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जिसमें 32,000 करोड़ रुपये के सामान बेचे गए। ज़्यादातर ग्राहक बीएनपीएल या बाय नाउ पे लेटर ग्राहक हैं, या क्रेडिट कार्ड की मदद से किश्तों में भुगतान कर रहे हैं, जो लोगों के बीच नकदी की कमी को दर्शाता है।

यह प्रवृत्ति विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों के नए खरीदारों के बीच स्पष्ट थी। दशहरा और दीवाली के त्यौहारी सीज़न के दौरान मामूली वृद्धि से पहले साल के अधिकांश समय में कार की बिक्री में गिरावट आई है। सितंबर में मारुति का मुनाफ़ा 18 प्रतिशत घटकर 3102 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3762 करोड़ रुपये था।

मारुति के सीईओ आरसी भार्गव कहते हैं कि किफ़ायती होना चिंता का विषय है। 10 लाख रुपये से कम कीमत वाली कारों की मांग है। फेडरेशन ऑफ़ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि छोटी कारों का स्टॉक 80-85 दिनों के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जिससे डीलरों के पास 800 अरब रुपये मूल्य के 790,000 वाहनों का स्टॉक रह गया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने दावा किया कि ऊंची मुद्रास्फीति के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं ने इस दीवाली सीजन में अपनी जेबें खोल दीं और त्योहार से संबंधित खर्च करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में 25,000 करोड़ रुपये खर्च हुए, जिसमें एफएमसीजी सामान, उपभोक्ता टिकाऊ सामान और घरेलू सजावट के मिट्टी के दीये और इलेक्ट्रॉनिक सामान, पारंपरिक और आधुनिक उत्पाद शामिल हैं। 20,000 रुपये से कम रेंज के मोबाइल फोन की बिक्री तेज रही।

इस सीजन में मोबाइल फोन सबसे ज्यादा बिकने वाले फोन में से रहे, जिनकी औसत बिक्री कीमत में 12-15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो आंशिक रूप से उपकरण की उपलब्धता में कमी के कारण हुई। इस कमी के कारण उपभोक्ताओं ने जो भी स्टॉक उपलब्ध था, उसे खरीद लिया, जिससे बिकने वाले फोन की औसत कीमत बढ़ गई। वैश्विक अस्थिर युद्ध जैसी स्थिति के बीच सोने और कमोडिटी की बढ़ती कीमतें, रुपये के मूल्य में गिरावट, आय और विनिर्माण में कमी चिंता का विषय हैं।

उत्तर प्रदेश में शहरीकरण की चुनौतियां

फाल्गुनी अग्रवाल
(लेखिका, एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि की छात्रा हैं)

एक शहरी बस्ती, चाहे वह एक शहर या महानगर हो, के बारे में कहा जाता है कि इसकी विभिन्न भूमि उपयोगों को व्यवस्थित करने के तरीके से इसकी अपनी पहचान होती है। इसे शहरी नियोजन के रूप में जाना जाता है। भूमि का विकास, पर्यावरण संरक्षण और उपयोग, लोक कल्याण और पर्यावरण अनुसंधान सभी शहरी नियोजन की तकनीकी और राजनीतिक प्रक्रिया के केंद्र हैं। शहरी नियोजन बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक निर्भर करता है, जिसमें परिवहन, जल आपूर्ति, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शैक्षिक और स्वास्थ्य सुविधाएं, डाक और संचार और विधायी अनुमति सहित सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचा दोनों शामिल हैं।

शहरीकरण के मामले में, 630 नगर पालिकाओं के साथ देश की सबसे बड़ी शहरी प्रणाली होने के बावजूद, उत्तर प्रदेश 23वें स्थान पर है। राज्य के शहरीकरण के स्तर में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय असमानताएं मौजूद हैं। 2011 की जनगणना से पता चलता है कि पूर्वी क्षेत्र में शहरीकरण की सबसे कम मात्रा (13.40 प्रतिशत) है जबकि पश्चिमी क्षेत्र में सबसे अधिक (32.45 प्रतिशत)है। मध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में शहरी आबादी क्रमश: 20.06 और 22.74 है।

छोटे शहरों, विशेष रूप से कक्षा 5 और 6 के शहरों में नकारात्मक वृद्धि दर है, जो पांच लाख या उससे अधिक की आबादी वाले बड़े शहरों की ओर बढ़ने वाली आबादी का संकेत है। उत्तर भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश (यूपी) देश में सबसे अधिक आबादी वाले होने के अलावा दुनिया के कुछ सबसे पुराने शहरी समुदायों का घर है। दशकों से, समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने अपने महानगरीय परिदृश्य में पर्याप्त बदलाव देखे हैं।

उत्तर प्रदेश में शहरी विकास का एक लंबा इतिहास है जो हजारों साल पुराना है। सिंधु घाटी सभ्यता के दो महत्वपूर्ण शहरी शहर हड़प्पा और मोहनजोदारो इस क्षेत्र में स्थित थे। इन गांवों में सुनियोजित सड़कें, जल निकासी प्रणाली और सार्वजनिक भवन परिष्कृत शहरी योजना और बुनियादी ढांचे के उदाहरण थे। इस समय के दौरान, अयोध्या, एक प्राचीन शहर जिसे भगवान राम का जन्मस्थान माना जाता है, भी एक महत्वपूर्ण शहरी केंद्र था।

उत्तर प्रदेश अपने लाभप्रद स्थान के कारण प्राचीन काल और मध्य युग में व्यापार और वाणिज्य का केंद्र था। ग्रैंड ट्रंक रोड और सिल्क रोड, दो महत्वपूर्ण वाणिज्यिक मार्ग जो इस क्षेत्र को भारत और दुनिया के अन्य क्षेत्रों से जोड़ते थे, इसके माध्यम से गुजरते थे।

इन सड़कों के किनारे, व्यापार-उन्मुख शहरी केंद्र अधिक आसानी से विकसित हुए। दुनिया भर के व्यापारी और शिल्पकार मथुरा, वाराणसी और कन्नौज जैसे शहरों की ओर आकर्षित हुए, जो समृद्ध व्यापारिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए।

प्राचीन और मध्ययुगीन उत्तर प्रदेश में, शहरी समुदायों के स्थानिक लेआउट का वर्णन करने के लिए संकेंद्रित वृत्त या आयताकार ग्रिड का अक्सर उपयोग किया जाता था। शहरों को मजबूत किया गया था, जिसमें द्वार और दीवारें बाधाओं के रूप में काम करती थीं। उस युग के कई सांस्कृतिक और धार्मिक प्रभाव शहरी बुनियादी ढांचे में परिलक्षित हुए, जिसमें मंदिर, मस्जिद, महल, बाजार और सार्वजनिक स्नान थे। बावड़ी और तालाब, जल प्रबंधन प्रणालियों के दो उदाहरण, बढ़ती शहरी आबादी को पानी की निरंतर आपूर्ति के साथ आपूर्ति करने के लिए आवश्यक थे।

उत्तर प्रदेश में दो प्रकार के शहरीकरण हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से कई शहरों और कस्बों का विकास, और शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या एकाग्रता। बाद के वर्षों में उत्तर प्रदेश में नए शहरी केंद्र स्थापित किए गए और नियोजित शहरीकरण अधिक प्रचलित हो गया। राज्य प्रशासन ने शहरों के विस्तार को व्यवस्थित रूप से निर्देशित करने के लिए क्षेत्रीय विकास योजनाओं और शहर मास्टर प्लान को अमल में लाया। राजधानी शहर पर दबाव को दूर करने और शहरी विस्तार को विकेंद्रीकृत करने के लिए, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद जैसे उपग्रह शहरों को दिल्ली के आसपास विकसित किया गया था।

औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने और निवेश आकर्षित करने के लिए औद्योगिक संपदाओं और निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों (ईपीजेड) की स्थापना की गई। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप नोएडा और कानपुर जैसे शहर महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र बन गए। हालांकि शहरीकरण राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उन्नति का एक साधन रहा है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कई सामाजिक-आर्थिक मुद्दे भी सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के शहरीकरण के बावजूद, राज्य में निश्चित रूप से बड़ी शहरी आबादी है। अधिकारियों के सामने इस महानगरीय आबादी को अनियंत्रित और अव्यवस्थित विकास पैटर्न में प्रबंधित करने की चुनौती है।

बढ़ती आबादी के कारण महानगरों का शहरी बुनियादी ढांचा भारी दबाव में है। शहरी बुनियादी ढांचे के तत्काल पुनर्गठन, रेट्रोफिटिंग और नवीनीकरण के लिए मजबूत शहरी शासन आवश्यक है। राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों से लेकर वित्तीय और बुनियादी ढांचे के मुद्दों और इससे भी महत्वपूर्ण, सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों तक, महानगरीय प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान संस्थागत संरचना को सार्वजनिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना और विकास एजेंसियों जैसे अधिकारियों द्वारा फिर से तैयार किया जाना चाहिए। पारास्टेटल प्रशासनिक निकायों और सार्वजनिक झुंझलाहट के बीच संघर्ष अक्सर इन एजेंसियों के प्रसार और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के धुंधले होने के कारण बन जाते हैं।

रिक्तियों और सेवा वितरण के पुराने और अप्रभावी तरीकों के कारण, अधिकांश प्रशासनिक निकायों में श्रमिकों की कमी है। हरित क्षेत्रों का विस्तार करने, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का निर्माण करने और सार्वजनिक परिवहन को उन्नत करने जैसी स्थायी प्रथाओं पर जोर देने से शहरी विस्तार के पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सकता है। बढ़ती शहरी आबादी से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना और मौजूदा बुनियादी ढांचे का उन्नयन महत्वपूर्ण

निवेश होगा। एक संतुलित दृष्टिकोण का उपयोग करके, राज्य शहरी व्यवस्थाओं का विकास कर सकता है जो सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देते हैं, इन सभी से स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

आप की बात

कतर की नीली सड़कें

अरब देशों में शामिल कतर की सड़कों का रंग नीला है। हालांकि, यहां की सड़कों को बनाने में नीले रंग का प्रयोग नहीं किया गया है, बल्कि इन सड़कों को बनाने के बाद उसको नीले रंग से रंग दिया गया है। दरअसल, यहां की सड़कें पहले काले रंग की हुआ करती थी। कतर एकमात्र ऐसा देश नहीं है जहां की सड़कें काली नहीं, बल्कि नीले रंग की होती हैं. दुनिया के कई देशों में नीले रंग की सड़कें हैं, जिनमें टोक्यो, लास वेगास, और मक्का भी शामिल हैं। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटने के लिए कतर ने सड़कों को नीला रंग दिया है। नीले रंग की सड़कों से सड़क पर एस्फ़ाल्ट का तापमान 15-20 डिग्री सेल्सियस तक कम होता है।गहरे रंग की डामर सड़कें गर्मी को सोख लेती हैं, जिससे तापमान बढ़ता है। नीले रंग की सड़कों से परिवेशी हवा ठंडी होती है, जिससे गर्मी से जुड़ी बीमारियों से बचाव होता है। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए कतर ने सड़कों का रंग नीला किया है. नीला रंग सूरज की रोशनी और गर्मी को प्रतिबिंबित करता है। इससे सड़क की सतह और आस-पास की इमारतों की गर्मी की मात्रा 15-20 डिग्री तक कम हो जाती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, काला रंग सबसे ज़्यादा रेडिएशन सोखता है. काले रंग की वजह से ज़्यादा हीट भी निकलती है। कतर में सड़कों को नीला रंग देने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था।

– **सुभाष बुड़ावनवाला,** रतलाम

आत्ममंथन की जरूरत

विश्व भर के हिंदुओं के लिए बंटोगे को कटोगे जैसे विमर्श पर आत्ममंथन करने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। विश्व के अनेक देशों में हिंदुओं के प्रति वैमनस्यता का खुला प्रदर्शन हो रहा है। कनाडा में हिंदू धर्मस्थल पर ख़ालिस्तानी समर्थकों का हमला, बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं का उत्पीड़न, पश्चिमी बंगाल में हिंदुओं की असुरक्षा इसी वैमनस्यता का प्रमाण है। इस गम्भीर मुद्दे पर भारत के विपक्षियों की चुप्पी से यही सिद्ध होता है, कि राजनीतिक दल केवल बांटो और राजनीति करो जैसे विमर्श पर ही कार्य कर रहे हैं। उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के सम्मान से कोई सरोकार नही है। वस्तुस्थिति यह है, कि जाति एवं धर्म के आधार पर संकीर्ण राजनीति के चलते हिंदुओं में जातीय विघटन की स्थिति बनाए रखना कुछ राजनीतिक दलों का मुख्य मक़सद है। विपक्ष को सामाजिक समरसता और पंथनिरपेक्ष मूल्यों का अनुपालन रास नही आता । यह हिंदुओं के लिए आत्ममंथन का दौर है , उनके लिए राष्ट्र विरोधी व हिंदू विरोधी शक्तियों को पहचानना अनिवार्य है। ऐसे में बंटोगे तो कटोगे की अवधारणा का अनुपालन आत्म सुरक्षा व आत्म स्वाभिमान के लिए मजबूरी बन गया है। हिंदुओं को जातीय संकीर्णता त्याग कर व्यापक स्तर पर हिंदू जोड़ो अभियान के प्रति समर्पित होना आवश्यक है।

– **सुधाकर आशावादी**, मेरठ

खड़गे की नसीहत

जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा। यह बेशक फिल्मी गाना हो लेकिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी के नेताओं को खुले मंच से नसीहत देते हुए यही कहा है। उन्होंने कहा है कि जनता से वादे वही किये जाएं जो पूरा किया जा सके और यह भी कि वे बजट अनुरूप हों। इस विषय पर मेरा मानना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का यह बयान राष्ट्रीय हित में है और सभी राजनीतिक दलों को एक कदम आगे बढ़कर रेवाड़ी संस्कृति को खत्म करने की तरफ बढ़ना चाहिए। बेशक भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर कांग्रेस को घेरते हुए कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल की कांग्रेस सरकार पर सख्त लहजे में टिप्पणियां की है लेकिन मल्लिकार्जुन लड़के का बयान हकीकत से परे नहीं है और सभी राज्यों के सरकारों को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए क्योंकि मुफ्त की रेवाड़ी के कारण आर्थिक संसाधनों के अभाव में राज्य की प्रगति बाधित होती है और राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। देश के प्रधानमंत्री और भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर चिंता जाहिर की है। यह कड़वा सच है कि सभी राजनीतिक दल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए मुफ्त की योजनाओं को जनता के समक्ष रखते हैं।

– **वीरेंद्र जाटव**, दिल्ली

हिन्दू मंदिरों पर हमले

कनाडा में खालिस्तान समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया जाना वहां की सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। पर ऐसा प्रतीत नहीं होता है। खालिस्तान समर्थकों को बढ़ावा देने की कनाडा सरकार की नीति स्वयं उनके लिए भी दुखदाई साबित हो सकती है। हिंदू मंदिरों में उदारवादी सिक्खों का भी आना जाना है। भविष्य में उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है। कनाडा में बड़ी संख्या में सिक्ख एवं हिंदू समाज के लोग निवास करते हैं। व्यापार व्यवसाय एवं वहाँ की अर्थव्यवस्था में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। इस दृष्टि से भारतीय समुदाय के लोगों की जान माल की हिफाजत करना वहां की सरकार का प्रमुख दायित्व होना चाहिए। किंतु इस कार्य में वहां की सरकार असफल सिद्ध हो रही है। ऐसा लगता है कि सरकार की शय पर ही खालिस्तानी समर्थक अपनी हिंसात्मक करगुजारियों को बेख़ौफ़ होकर अंजाम दे रहे हैं। निकट भविष्य में वहां पर चुनाव होने वाले हैं। ऐसा लगता है कि इन चुनावों में अपनी राजनीतिक पोजीशन सुधारने के लिए वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थक कट्टर पंथियों का सहारा ले रहे हैं।

– **ललित महालकरी,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

ताकत का अहसास कराइए, पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे: योगी

● योगी ने चेताया, डेमोग्राफी चेंज हुई तो जो लोग आज यात्रा रोक रहे हैं, आने वाले समय में घरों में घंटी व शंख नहीं बजाने देंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ झारखंड

झारखंड के चुनावी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कोडरमा, बड़कागांव व जमशेदपुर में की जनसभा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार से चुनावी दौरे पर उतरे। पहले दिन सीएम ने झारखंड में प्रचार किया। उन्होंने कोडरमा से डॉ. नीरा यादव, बरकठा से अमित यादव, बड़कागांव से रोशनलाल चौधरी, हजारीबाग सदर से प्रदीप प्रसाद, जमशेदपुर पूर्व से पूर्णिमा दास साहू, पश्चिम से सरयू रॉय, पोटका से मीरा मुंडा व जुगसलाई से रामचंद्र सहिस के लिए वोट मांगा। सीएम ने कांग्रेस, राजद व झामुमो गठबंधन पर प्रहार किया। उन्होंने एक तरफ जहां झारखंड की वर्तमान परिस्थिति को लेकर चेताया तो वहीं आह्वान किया कि ताकत का अहसास कराइए, पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करेंगे और हर घर पर बजरंगी पताका फहराती दिखाई देगी। सीएम योगी ने झारखंडवासियों को छठ महापर्व की बधाई दी। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को भी प्रणाम किया। सीएम ने झारखंडवासियों को अयोध्या, काशी व मथुरा आने का निमंत्रण दिया।

सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर नहीं बन पाएगा, वे देख रहे हैं कि मंदिर भी बन गया और रामलला विराजमान भी हो गए हैं। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश निर्दोष नागरिकों-हिंदुओं को छोड़ने वाले को छोड़ता नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर बने, इसके लिए रामभक्तों ने संघर्ष किया। लाखों रामभक्तों ने बलिदान भी दिया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस, राजद, झामुमो राम मंदिर निर्माण के मार्ग में बाधक थे, जैसे ही जनता ने मोदी जी को देश की कमान सौंपी। यूपी में भाजपा सरकार बनी, 500 वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। पत्थरबाज पहले कश्मीर में भी थे, अब वे राम नाम सत्य की यात्रा पर जा चुके हैं। 2017 के पहले यूपी में भी पत्थरबाज थे। इनके आका पालते थे तो यह पर्व-त्योहार में विघ्न डालते थे, लेकिन अब माफिया यूपी छोड़ चुके हैं या जहन्नुम की यात्रा पर जा चुके हैं। अन्यायी व अत्याचारी को जन्नत नहीं, जहन्नुम ही मिलेगा।

सीएम ने यूपी की चर्चा करते हुए कहा कि गाजियाबाद से मेरठ होते हुए हरिद्वार तक चार करोड़ यात्री कांवड़ यात्रा लेकर निकलते हैं। 2017 से पहले सरकार कांवड़ यात्रा नहीं निकालने देती थी। हमारी सरकार ने कहा कि हम कांवड़ यात्रा निकालने देंगे तो लोगों ने कहा कि दंगा हो जाएगा। हमने कहा कि एक बार आरपार हो ही जाए, देखा जाएगा। आज कांवड़ यात्रा भी निकलती है और हेलीकॉप्टर से उन पर पुष्पवर्षा होती है। योगी ने झारखंडवासियों से भी अपील की कि ताकत का अहसास कराइए, इससे पत्थरबाज आपके लिए सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करेंगे और हर घर में बजरंगी पताका फहराई दिखाई देगी।

झामुमो सरकार का संरक्षण पाकर झारखंड में फल-फूल रहे माफिया

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, झामुमो व राजद ने गरीबों के पेट पर लात मारा, किसानों को आत्महत्या और नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर किया। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह क्षेत्र अभ्रक की खदानों के लिए जाना जाता है। घर बनाने के लिए गरीब को एक ट्राली बालू नहीं मिलता, लेकिन सरकार का संरक्षण प्राप्त करके बालू माफिया, वन माफिया, शराब माफिया, भूमाफिया फल-फूल रहे हैं। माफिया का उपचार केवल भाजपा है। पहले उत्तर प्रदेश में भी माफिया सीना तानकर चलते थे, लेकिन 2017 के बाद जब बुलडोजर ने चलना प्रारंभ किया तो दुर्दांत से दुर्दांत माफिया भी उत्तर प्रदेश को छोड़ चुके हैं। खनन, वन, पशु, संगठित अपराध में लिप्त माफिया, शराब, भूमाफिया आदि यूपी से ऐसे ही गायब हो गए हैं, जैसे गधे के सिर से सींग।

योगी ने झारखंड के लिए गिनाई मोदी की गारंटी

सीएम ने कहा कि देश में एक तरफ मोदी के नेतृत्व में एनडीए व दूसरी तरफ कांग्रेस के नेतृत्व में झामुमो व राजद जैसा इंडी गठबंधन है। दोनों की गारंटी में अंतर है। हर गरीब को मकान, नौजवान के हाथ को काम, किसान के सम्मान, बेटी-बहन की सुरक्षा मोदी की गारंटी है। भाजपा ने झारखंड के लिए पांच गारंटी दी है। लक्ष्मी जोहार योजना के तहत पांच सौ रुपये में एलपीजी का सिलेंडर व साल में दो भरा सिलेंडर भी मुफ्त में उपलब्ध होगा। गोगो दीदी योजना के तहत झारखंड की हर महिला के खाते में हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपये तक की वित्तीय सहायता पहुंचाई जाएगी। 21 लाख परिवारों को पक्का घर तो घर निर्माण के लिए मुफ्त बालू भी मिलेगा। युवा साथी भत्ता, स्नातक-स्नातकोत्तर के बाद दो वर्ष तक नौकरी नहीं मिली तो प्रतिमाह दो हजार रुपये भत्ता देंगे। भाजपा सरकार पहले ही कैबिनेट में निर्णय लेकर नौकरी का पिटारा लेकर आएगी। पांच साल में पांच लाख नौजवानों को रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सुरक्षा, स्वाभिमान, युवाओं के रोजगार, महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन, विकास व विरासत के समन्वय की गारंटी है। कांग्रेस, राजद व झामुमो विनाश के दूत और यह भ्रष्टाचार के फरिश्ते हैं। झारखंड में भ्रष्टाचार, अराजकता, गुंडागर्दी को बढ़ाने वाली कांग्रेस, झामुमो व राजद का इंडी गठबंधन राष्ट्र के स्वाभिमान और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। योगी ने अपील की कि वर्तमान को संवारने और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए चुनाव में इनकी छुट्टी कर दो, शेष एनडीए सरकार करेगी।

चुनावी दौरे पर आज महाराष्ट्र जाएंगे सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ अपने चुनावी दौरे के दूसरे दिन बुधवार को महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव प्रचार में पहुंचेंगे। वह यहां भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री की पहली जनसभा वाशिम विधानसभा में होगी। वह यहां से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े के पक्ष में जनसभा करेंगे। मुख्यमंत्री की दूसरी जनसभा अमरावती जनपद के तिवसा विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी राजेश श्रीराम वानखेड़े के लिए होगी। योगी बुधवार को तीसरी जनसभा अकोला जिले में करेंगे। यहां के मूर्तिजापुर विधानसभा से उम्मीदवार हरीश मारोटिअप्पा पिम्पले के लिए वोट की अपील करेंगे।

आरओ-एआरओ और पीसीएस प्री परीक्षा की तारीख घोषित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश के 41 जिलों में 7 और 8 दिसंबर को दो पॉलियों में होगी पीसीएस प्री की परीक्षा

● आरओ-एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन पॉलियों में होगी

लंबे समय से आरओ-एआरओ प्री और पीसीएस प्री की परीक्षा की नई तारीख का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को बड़ी मिली है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार आरओ-एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन शिफ्टों में होगी जबकि पीसीएस प्री परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो सत्रों में होगी।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 7 और 8 दिसंबर को किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेश के 41 जिलों में दो सत्रों में होगी। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2.30 बजे से 4.30 बजे तक होगा। वहीं आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी) प्री की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कुल तीन शिफ्टों में आयोजित कराई जाएगी। आरओ-एआरओ प्री की परीक्षा पहली और दूसरी शिफ्ट 22 दिसंबर को होगी, जिसमें पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं तीसरी शिफ्ट 23 दिसंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। इस परीक्षा के लिए 10.76 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार, यदि एक पाली में 5 लाख से अधिक परीक्षार्थी होते हैं तो परीक्षा को कई पालियों में आयोजित करना अनिवार्य हो जाता है। इसी कारण इस परीक्षा को तीन शिफ्टों में बांटा गया है।

सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से की मुलाकात

● यूपी में उर्वरकों की आपूर्ति पर केंद्र की प्रतिबद्धता, रबी सीजन के लिए विशेष प्रबंध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई दिल्ली में मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर आगामी रबी सीजन के लिए राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान, उन्होंने मौजूदा दलहनी, तिलहनी और आलू फसलों की बुवाई के साथ-साथ अगले सप्ताह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेहूं की बुवाई की तैयारी पर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। प्रदेश भर में 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर के बीच एकसाथ गेहूं की बुवाई के कार्य को सफलतापूर्वक सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता पर जोर दिया गया।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 2.34 लाख मी. टन डीएपी और 2.63 लाख मी. टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। किसानों में बढ़ती डीएपी की मांग के मद्देनजर, कृषि मंत्री ने नवम्बर महीने में कम से कम 6 लाख मी. टन डीएपी और 2 लाख मी. टन एनपीके की आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, सहकारिता क्षेत्र के लिए नवम्बर 2024 में 2.50 लाख मी.टन डीएपी का विशेष आवंटन, और प्रतिदिन कम से कम 8 रैक फास्फेटिक उर्वरकों की आपूर्ति पर भी चर्चा हुई।

मंत्री शाही ने इफको के कांडला प्लांट से पश्चिमी जनपदों के लिए डीएपी की शीघ्र आपूर्ति और पूर्वी एवं पश्चिमी बंदरगाहों पर पर्याप्त रैक की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस पर केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया कि राज्य को उर्वरकों की आपूर्ति में कोई कमी नहीं होगी और किसानों को समय पर उर्वरक मुहैया कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट

45 लाख से अधिक नामांकन के साथ देश में यूपी अव्वल

● उत्तर प्रदेश में हुआ दिल्ली से 2716,003 अधिक नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में अभूतपूर्व प्रदर्शन कर देश में पहला स्थान अर्जित कर एक बार फिर खुद को अव्वल साबित किया है। 45 लाख से अधिक छात्रों के नामांकन के साथ पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त करते हुए खुद की पीठ थपथपाने वाली दिल्ली सरकार को आईना दिखाया है। इस मामले में दिल्ली सरकार को दूसरे स्थान पर संतोषा करना पड़ा है।

योगी सरकार की इस अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ, उत्तर प्रदेश ने वीरगाथा प्रोजेक्ट में एक नया मानक स्थापित किया है, जिससे न केवल छात्रों में वीरता के प्रति सम्मान बढ़ा है, बल्कि उनकी रचनात्मकता और प्रेरणा का भी विकास हुआ है।

शिक्षा के क्षेत्र में यूपी के इस प्रयास से उत्तर प्रदेश ने 45 लाख 24 हजार 559 छात्रों के नामांकन के लक्ष्य को प्राप्त किया है। यूपी ने पिछले वर्ष के वीरगाथा 3.0 प्रोजेक्ट में 39 लाख के नामांकन की संख्या को पार करते हुए इस वर्ष 6 लाख 24 हजार 559 की वृद्धि दर्ज कराई है। इस वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि हर जिले ने भागीदारी में वृद्धि की है, जिससे यह सफलता संभव हुई है।

वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट में दिल्ली ने 18 लाख 08 हजार 556 नामांकन के साथ द्वितीय स्थान और बिहार ने 13 लाख 91 हजार 187 नामांकन के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उत्तर प्रदेश ने दिल्ली से 27 लाख 16 हजार 03 और बिहार से 31 लाख 33 हजार 372 अधिक नामांकन कर यह उपलब्धि प्राप्त किया है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस वर्ष का नामांकन अब तक का सर्वाधिक है और उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक नामांकन हुए हैं। योगी सरकार की अगुवाई में इस वर्ष यूपी ने अपने सभी जिलों में भागीदारी बढ़ाकर न केवल एक नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि वीरता और प्रेरणा के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने में भी सफलता पाई है। आंकड़ों के अनुसार, देश के 50 सर्वाधिक भागीदारी वाले जिलों में उत्तर प्रदेश के 18 जिलों ने अपनी जगह बनाई है। देश के शीर्ष पर रहने वाले उत्तर प्रदेश के 18 जिलों में पीलीभीत (2,92,756), बुलन्दशहर (2,68,852), सन्त कबीर नगर (2,35,934), लखीमपुर खीरी (1,32,414), सिद्धार्थनगर (1,24,950), हरदोई (1,22,973) और लखनऊ (1,19,908) शामिल हैं। इनके अलावा देश के 50 शीर्ष जनपदों में महराजगंज (1,14,227), प्रयागराज (1,12,041), वाराणसी (1,04,460) ने भी जगह बनाने में सफलता अर्जित की है। सूची में यूपी के चित्रकूट (95,583), सम्भल (92,953), उन्नाव (89,358), देवरिया (83,292), बिजनौर (82,300), रामपुर (79,180), कानपुर देहात (78,641) और मुजफ्फरनगर (69,086) ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि इस वर्ष वीरगाथा 4.0 के अंतर्गत ऑनलाइन नामांकन 16 सितंबर से 31 अक्टूबर 2024 तक किए गए। इस परियोजना में कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को शौर्य पुरस्कार विजेताओं पर आधारित रचनात्मक गतिविधियों जैसे कविता, निबंध, कहानी, पेंटिंग और वीडियो प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिएरक्षार्थ ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किये गये थे। प्रदेश के सभी विद्यालयों की भागीदारी से यह सफलता अर्जित हुई है।

क्या है वीरगाथा 4.0 प्रोजेक्ट

वीरगाथा प्रोजेक्ट, रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय का एक संयुक्त कार्यक्रम है, जिसे 2021 में गालेंटरी अवार्ड पोर्टल (जीएपी) के अंतर्गत शुरू किया गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य, छात्रों को सशस्त्र बलों के वीर जवानों की प्रेरक कहानियों से जोड़ना है।

यूपी को अक्टूबर माह में हासिल हुआ 17111 करोड़ रुपए का राजस्व

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 2023 के सापेक्ष अक्टूबर, 2024 में 2069.54 करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी

वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अक्टूबर माह में कुल 17111.00 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 के अक्टूबर माह में 15041.46 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार गत वर्ष के अक्टूबर माह के सापेक्ष वर्तमान वर्ष के अक्टूबर माह में 2069.54 करोड़ रुपए राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्यकर के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष के अक्टूबर माह में 8970.43 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है। जो गत वर्ष के इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 413.22 करोड़ रुपए अधिक है। जीएसटी के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में कुल 6799.27 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि गत् वर्ष अक्टूबर, 2023 के माह में प्राप्ति 6266.95 करोड़ रुपए रही थी। वैट के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में 2171.16 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 2290.26 करोड़ रुपए रही थी।

वित्त मंत्री ने बताया कि आबकारी के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में कुल 3767.72 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई है जो माह अक्टूबर में राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 80.2 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में आबकारी मद में प्राप्ति 3326.16 करोड़ रुपए रही थी। स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 की राजस्व प्राप्ति 2890.88 करोड़ रुपए है जो इस अवधि के निर्धारित लक्ष्य का 90.3 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 2026.28 करोड़ रुपए रही थी। इस प्रकार स्टाम्प तथा निबंधन मद में प्राप्ति गत वर्ष माह अक्टूबर की तुलना में इस वर्ष माह अक्टूबर में 864.60 करोड़ रुपए अधिक है। परिवहन के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 की राजस्व प्राप्ति 1074.76 करोड़ रुपए है जो इस अवधि में राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 86.2 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 856.28 करोड़ रुपए रही थी। उन्होंने बताया कि करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व एवं खनिकर्म के अन्तर्गत माह अक्टूबर, 2024 में प्राप्ति 407.21 करोड़ रुपए है जबकि गत् वर्ष माह अक्टूबर, 2023 में प्राप्ति 275.53 करोड़ रुपए रही थी। खन्ना ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के माह अक्टूबर तक राज्यकर के अंतर्गत राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 156981.89 करोड़ रुपए के सापेक्ष 64103.33 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 40.8 प्रतिशत है। राज्यकर के अंतर्गत जीएसटी मद में 47598.67 करोड़ रुपए तथा वैट के अंतर्गत 16504.66 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है। आबकारी मद के अंतर्गत माह अक्टूबर तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 58307.56 करोड़ रुपए के सापेक्ष 26332.02 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि तक निर्धारित लक्ष्य 58000 करोड़ रुपए के सापेक्ष 23552.70 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई थी। स्टाम्प तथा निबंधन में वर्तमान वित्तीय वर्ष के अक्टूबर माह तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 35651.93 करोड़ रुपए के सापेक्ष 17723.32 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 49.7 प्रतिशत है। गत वर्ष इसी अवधि तक निर्धारित लक्ष्य 34560 करोड़ रुपए के सापेक्ष 15438.55 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई थी। परिवहन मद के माह अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 12504.73 करोड़ रुपए के सापेक्ष 6374.46 करोड़ रूपये की प्राप्ति हुई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में राजस्व प्राप्ति की निर्धारित लक्ष्य 12672 करोड़ रुपए के सापेक्ष 5594.83 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई थी।

प्रदेश में 14 नवंबर से जनजातीय गौरव दिवस का होगा आयोजन

● विदेशी कलाकारों सहित 22 राज्यों के मेहमान कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाज कल्याण विभाग द्वारा 15 नवम्बर, 2024 को 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर 'जनजाति भागीदारी उत्सव' का वृहद स्तर पर आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के सफल आयोजन हेतु समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में एक बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम में जनजातीय जीवन की स्पष्ट झलक आनी चाहिए। इस कार्यक्रम में आने वाले कालाकारों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में भारत के 22 राज्यों-उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, जम्मू कश्मीर, बिहार, मिजोरम, मेघालय, पश्चिम बंगाल एवं दिल्ली के अतिरिक्त विदेशों की दो टीमों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति कराया जायेगा। साथ ही जनजातीय कलाकारों के साथ-साथ घुमन्तु जातियों, नट, बीन, बहरूपिया एवं भपंग वादन, कच्ची घोड़ी, लॉगमैन, कठपुतली के कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में आदिवासी कलाकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परिधान, व्यंजन, जनजातीय खेलों के अतिरिक्त आकर्षक शिल्प से सुसज्जित 100 दुकानों का शिल्प मेला लगाया जायेगा। जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति एवं उनकी प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी।

अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेलने में अभियोजन का सारथी बना ई-रिपोर्टिंग सिस्टम ऐप

● वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ई-रिपोर्टिंग सिस्टम ऐप की मदद से अब तक 80 हजार से अधिक अपराधियों को दिलायी गई सजा

● अभियोजन निदेशालय आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर अपराधियों को दिला रहा सख्त से सख्त सजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय न्यायालय में प्रभावी पैरवी के जरिये अपराधियों को सजा दिला रहा है। अब तक 80 हजार से अधिक अपराधियों को प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलाई जा चुकी है। इसमें आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की अहम भूमिका है। अभियोजन विभाग ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ई-रिपोर्टिंग सिस्टम, चिन्हित माफिया प्रबंधन प्रणाली मॉनीटरिंग, ई-ऑफिस प्रणाली और ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल आदि का इस्तेमाल कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में बड़ी सफलता प्राप्त की है।

अभियोजन विभाग भारतीय नागरिक संहिता-2023 के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पुलिस के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों के बयान उनके निवास-नियुक्ति स्थान पर ही दर्ज करा रहा है। इससे जहां एक ओर प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था सुव्यवस्थित हुई है, वहीं दूसरी ओर राजकीय धन और समय की बचत हो रही है। विभाग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 17 अक्टूबर तक 4,450 पुलिस और अन्य सरकारी गवाहों की गवाही करायी जा चुकी है। इसके जरिये मात्र 4 माह में 5 जिलों के प्रयास से 15 लाख रुपये की बचत की गयी है। वहीं, वार्षिक बचत 7 करोड़ होने ने की बात सामने आयी है। इतना ही नहीं, इससे अपराधियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया और तेज़ हुई है और गवाहों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो रही है।

अभियोजन विभाग ने डाटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर ई-रिपोर्टिंग सिस्टम के जरिये अपराधियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य एकत्र किये। हर केस का डाटा प्रोफाइल बनाकर उसे कंप्यूटर सिस्टम में रिकॉर्ड किया जा रहा है। इससे केस में किसी भी तरह की गड़बड़ी या अस्पष्टता को दूर किया जा रहा है। इतना ही नहीं ऐप के जरिये अभियोजन संबंधी कार्यों की समीक्षा भी आसान हुई है।

इसे सीएम डैशबोर्ड (दर्पण 2.0) से कनेक्ट किया गया है। इसके जरिये विभिन्न मामलों में उच्च स्तरीय समीक्षा आसान हो सकी है। निदेशालय स्तर पर चिन्हित माफिया प्रबंधन प्रणाली मॉनीटरिंग ऐप के जरिये चिन्हित माफिया से संबंधित वादों की दिन प्रतिदिन की प्रगति और कार्यवाही का गहन पर्यवेक्षण किया जा रहा है। निदेशालय ने ई-आफिस प्रणाली के जरिये पेपरलेस और समयबद्ध कार्यवाही को शत-प्रतिशत अपनाया है।

ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल पर डाटा फीडिंग में यूपी तीन साल से देश में अव्वल

निदेशालय ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल के जरिये लगातार न्यायिक कार्यवाहियों से संबंधित डाटा फीड कर रहा है। अब तक ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल पर सितंबर-24 तक 75 लाख से अधिक न्यायिक कार्यवाहियों से संबंधित डाटा फीड किया जा चुका है। वहीं ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल की फीडिंग में उत्तर प्रदेश पूरे देश में लगातार पिछले 3 वर्षों 2021, 2022 व 2023 से प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है। अपराधियों को प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें उन्हें नए तकनीकी उपकरणों और सॉफ्टवेयर के उपयोग के बारे में बताया जा रहा है। इससे अभियोजन अधिकारियों की क्षमता में वृद्धि हो रही है और वे अपनी जिम्मेदारियों को अधिक सटीक व प्रभावी तरीके से निभा रहे हैं।

आज से शुरू होगा ईको पर्यटन सत्र

● लखीमपुर के दक्षिणी खीरी वन प्रभाग में महेशपुर (मोहम्मदी) ईको टूरिज्म व बफर प्रभाग में भीरा पर्यटन सर्किट का किया जा रहा शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार के मार्गदर्शन में ईको पर्यटन सत्र 6 नवंबर से प्रारंभ होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। सत्र 2024-25 में लखीमपुर के दक्षिणी खीरी वन प्रभाग में महेशपुर (मोहम्मदी) ईको टूरिज्म व बफर प्रभाग में भीरा पर्यटन सर्किट का भी शुभारंभ किया जा रहा है। वहीं पर्यटकों की सहूलियत को देखते हुए दुधवा टाइगर रिजर्व में मंगलवार को होने वाला अवकाश समाप्त कर दिया गया है। अब पर्यटक वहां सातों दिन घूम सकेंगे। पर्यटकों की सुविधा के मद्देनजर नेचर गाइड भी तैनात किए गए हैं। योगी सरकार की तरफ से मिल रही सुविधाओं व सुरक्षित वातावरण के कारण ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन दुधवा टाइगर रिजर्व, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व व रानीपुर टाइगर रिजर्व में साल दर साल पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बुधवार को योगी सरकार के वन व पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना कतर्नियाघाट, बहराइच से पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे। वन, पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यूपी में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। योगी सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष पर्यटन शुल्क नहीं बढ़ाया जाएगा, लेकिन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वन मंत्री ने बताया कि दुधवा में मंगलवार को होने वाला साप्ताहिक अवकाश भी समाप्त कर दिया गया है। इससे सातों दिन यहां प्रकृति का आनंद उठा सकेंगे। वहीं पर्यटकों के लिए 30 आतिथ्य कार्यकर्ता (हॉस्पिटैलिटी स्टॉफ) को प्रशिक्षित किया गया है। इन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के माध्यम से हाउसकीपिंग व कुकिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं ईको टूरिज्म बोर्ड की सहायता से दुधवा, कतर्नियाघाट, पीलीभीत व रानीपुर में नेचर गाइड का प्रशिक्षण भी कराया गया है। इन्हें द नेचर स्कूल बेंगलुरु के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया है। प्रदेश के सभी ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन में इसका आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन को ईको पर्यटन का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करना है। योगी सरकार के निर्देश पर इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि आदि भी मौजूद रहेंगे। दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़ व रानीपुर टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट, वन्य जीव बिहार, सोहेलवा वन्य जीव विहार, कैमूर वन्य जीव विहार, शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार नवाबगंज, सांडी पक्षी विहार हरदोई, लाख पक्षी विहार कन्नौज, महावीर स्वामी वन्य जीव विहार ललितपुर, चंद्रप्रभाग वन्य जीव विहार चंदौली, ओखला पक्षी विहार गौतमबुद्धनगर, रपड़ी ईको टूरिज्म सेंटर फिरोजाबाद आदि में भी आयोजन होगा।

खरीद केन्द्रों पर किसानों के साथ मधुर व्यवहार किया जायः डीएम

● मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद कार्य में नियुक्त समस्त कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन ● किसानों का समय से धान की तौल करायी जाये ● सभी केन्द्र प्रभारी गॉव-गॉव भ्रमण कर, कृषकों से सम्पर्क कर कराएं खरीद

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद कार्य में नियुक्त समस्त कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में किया गया। कार्यशाला में धान खरीद में योजित कार्मिकों को विस्तृत रूप से प्रशिक्षित करने के साथ.साथ धान खरीद से संबन्धित बिन्दुओं पर सारगर्भित चर्चा की गयी। कार्यशाला में जिला खरीद अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सहा. आयुक्त एवं सहा. निबन्धक सहकारिता, जिला कृषि अधिकारीए सभी धान क्रय एजेन्सी के जिला प्रभारी उपस्थित रहे। जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि खरीफविपणन वर्ष 2024.25 हेतु धान कामन का समर्थन मूल्य रू0 2300 प्रति कुन्तल व धान ग्रेड.ए का समर्थन मूल्य रू0 2320 प्रति कुन्तल निर्धारित है। जनपद के लिए धान खरीद का लक्ष्य 52000 मी. टन आवन्टित किया गया है। जनपद में 40 धान क्रय केन्द्र खोले जाने का लक्ष्य निर्धारित है। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष धान खरीद हेतु विभिन्न क्रय एजेन्सियों के 40 धान क्रय केन्द्र यथा.खाद्य विभाग के 19, पीसीएफ के 10, यूपीएसएस के 02, पीसीयू के 07 व भा.खा.नि. के 02 क्रय केन्द्र अनुमोदित हैं। मण्डी सचिव, मण्डी परिसर में संचालित किये जाने वाले केन्द्रों हेतु आवश्यक व्यवस्था यथा.टीनशेडए किसानों को बैठनेए पानीछाया आदि की व्यवस्था करायेंए साथ ही मण्डी के प्रवेश द्वार पर कृषकों द्वारा लाये गये धान को मण्डी परिसर में स्थित क्रय केन्द्रों पर क्रमवार टोकन व्यवस्था से खरीद कराने के लिये भी निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि धान क्रय हेतु कृषकों द्वारा पंजीयन कराने के लिये खाद्य विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। कृषकों को आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ही पंजीयन कराना अनिवार्य है। आधार से लिंक बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से ही भुगतान की सुविधा दी गयी है। कृषक द्वारा बेचे जाने वाली धान की शत.प्रतिशत मात्रा का संगत भूलेख के आधार पर संबंधित उपजिलाधिकारी/ तहसीलदार द्वारा ऑनलाइन सत्यापन, डिजिटल हस्ताक्षर से किया जायेगा। किसान के धान के बोये गये रकबे का सत्यापन अधिकतम 24 घण्टे में हो जाये व किसान को तहसील में न आना पड़े। मण्डी सचिवों द्वारा क्रय केन्द्रों हेतु उपलब्ध कराये गये इलेक्ट्रानिक काँटों की रिपेयरिंग हेतु कैम्प लगाये जाये। सभी क्रय केन्द्रों की जियो टैगिंग करायी जायेगी। क्रय नीति में प्रावधानित है कि हाइब्रिड धान बेचने वाले किसानों को इस वर्ष अपने घोषणा पत्र के साथ हाइब्रिड बीज क्रय का क्रय प्रमाण पत्र भी अनिवार्यरूप से केन्द्र पर लेकर आना होगा। क्रय एजेन्सी जिला प्रभारियों को धान क्रय केन्द्रों हेतु स्टॉफ, अभिलेख, बोरे, उपकरण व धनराशि की उपलब्धता बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया। नयी व्यवस्था के अन्तर्गत 50 कु0 के कम के पंजीयन पर किसानों को सत्यापन से मुक्त कर दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि शासन किसानों की आय में वृद्धि करने हेतु संवेदनशील है एवं कृषकों को समर्थन मूल्य का लाभ दिलाने के लिये भी सतत् प्रयत्नशील है। खरीद केन्द्रों पर किसानों के साथ मधुर व्यवहार किया जाये। किसानों का समय से धान की तौल करायी जाये एवं मानक के नाम पर अनावश्यक किसानों के धान का रिजेक्शन न किया जाये तथा धान के मूल्य का भुगतान समय से उनके बैंक खाते में प्रेषित कराया जाये तथा क्रय केन्द्रों पर किसानों को अपनी उपज बिक्री करने में कोई कठिनाई न होने पाये।

गंगा उत्सव का आयोजन, दीपों से जगमगाया सेंगुर नदी घाट

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह अध्यक्ष जिला गंगा समिति के निर्देशो के क्रम में प्रभागीय वनाधिकारी के नेतृत्व मे गंगा उत्सव का आयोजन चार नवम्बर को किया गया। कार्यक्रम का क्रियान्वयन जिला परियोजना अधिकारी विवेक कुमार द्वारा किया गया। गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित करने के उपलक्ष में गंगा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन दुर्बाषा ऋषि आश्रम मालसा ब्लॉक के निगोही ग्राम पंचायत के अंतर्गत सेगुर नदी घाट पर हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभागीय वनाधिकारी, के.द्विवेदी एवं ए.के. सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी व स्वतंत्र पासवान ब्लॉक प्रमुख मलासा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गंगा उत्सव कार्यक्रम मे गंगा रन (दौड़) प्रतियोगिता के आयोजन मे श्याम जी सीएलडी इंटर कॉलेज मीनापुर ने प्रथम स्थान] सत्येंद्र बालशक्ति इंटर कॉलेज बरगंवा ने द्वितीय स्थान व सनी बाल शक्ति इंटर कॉलेज बरगवां ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी प्रकार पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में वैभव द्विवेदी सीएलडी इंटर कॉलेज मीनापुर ने प्रथम स्थान, आसिफबाल शक्ति इंटर कॉलेज बरगवां ने द्वितीय अल्तमस बाल शक्ति इंटर कॉलेज बरगवां तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता के आयोजन में तान्या ग्रुप ने प्रथम स्थानए दिव्यांशु ग्रुप ने द्वितीय स्थान एमुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गंगा उत्सव कार्यक्रम मे विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एनुकड़ नाटको का भी आयोजन किया गया जिसमे राधा कृष्ण झांकी, गंगा अवतरण कहानी, महिसासुर मर्दनी, अर्धनारी स्वर अवतार, संकर पार्वती झांकी, पर्यावरण एवं नदी संरक्षण नाटिका, लोकगीत इत्यादि कार्यक्रम का आयोजित किये गये। साथ ही जन जागरूकता के लिए विभग द्वारा प्रदर्शनी भी लगायी गयी। सभी प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र.छात्राओं को व सांस्कृतिक कार्यक्रमो में प्रतिभाग करने वाले छात्राओं को अतिथियों द्वारा शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। गंगा उत्सव कार्यक्रम के दौरान मौजूद स्वतंत्र पासवान ब्लॉक प्रमुख मलसा ने कार्यक्रम की सराहनाह करते हुए कहा नदियां हमारी धरोहर है इनको संरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है, जिनकी अविरलता निर्मलता बनाये रखना हम सब की जिम्मेदारी है। निश्चित तौर पे इस तरह कार्यक्रमों के आयोजन से जनसमुदाय मे नदियों के प्रति जागरिकता आएगी। कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे आए हुए ए.के. सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मौजूद छात्र .छात्राओं एवं अन्य जनसमुदाय को जागरूक करते हुए कहा इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन का एक मात्र उदेश्य है नदियों एवं पर्यावरण का संरक्षण करना कोविड .19 माहवारी के दौरान हम सभी लोग देख चुके हैं कि हमारे जीवन में ऑक्सीजन का कितना महत्व है इसलिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें नदियों का संरक्षण करें नदी तट पर प्लास्टिक का उसे ना करें तथा अपने साथ.साथ लोगों को भी जागरूक करने हेतु अवाहन किया।

अब 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों कभी बनने लगा आयुष्मान कार्ड

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

70 वर्ष या उससे से अधिक उम्र के लोगों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी लाभ देने के लिए सरकार ने योजना की शुरुआत कर दी है। इसके अंतर्गत पहला आयुष्मान कार्ड भी जनपद में बन गया है। यह कार्ड जिला महिला चिकित्सालय में बनवाया गया है।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ अमितेश दत्त द्विवेदी ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे से अधिक आयु वर्ग के वयोवृद्ध जनों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया जनपद में भी शासन के निर्देश के बाद सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता के निर्देश पर शुरू हो गई है।

इसी क्रम में जिला महिला चिकित्सालय में तैनात आयुष्मान मित्र राधा द्वारा गिरीश कुमार सिंह का पहला कार्ड बनाया गया हैए जो लखीमपुर के शास्त्री नगर मोहल्ले के रहने वाले हैं और उनकी जन्मतिथि 1950 है। उन्हें आयुष्मान कार्ड सोमवार को प्रदान भी कर दिया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ अक्षत अग्रवाल, जिला सूचना प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किए निरीक्षण

संवाददाता। फतेहपुर

उ.प्र. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने जिला महिला चिकित्सालय, वन स्टाप सेन्टर, कम्पोजिट विद्यालय हसवां, आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय शाहीपुर व मदरसा दारूल उल्म गौसिया आबूनगर नई बस्ती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय में मेडिकोलीगल सेन्टर, पीकू वार्ड एवं जच्चा बच्चा केन्द्र को देखा, जिसमें मेडिकोलीगल सेन्टर बन्द पाया गया। जिसके संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी ने अवगत कराया कि वर्तमान में मेडिकोलीगल के लिए एक महिला चिकित्सक नियुक्त हैं जोकि मेडिकोलीगल करने के साथ ही ओपीडी भी करती हैं। महिला चिकित्सक की कमी को पूर्ण करने हेतु अब तक किए गए पत्राचार की प्रति उपलब्ध कराये जाने के साथ महिला चिकित्सक की नियुक्त हेतु व्यक्तिगत प्रयास किये जाने हेतु सदस्या ने निर्देशित किया।

पीकू वार्ड में 11 बेड के सापेक्ष 14 बच्चे निरीक्षण दौरान पाये गए। जिसमें सीएमओ को अतिरिक्त बेड की व्यवस्था करने के साथ ही नवजात बच्चों की टैग के माध्यम से पहचान रखे जाने की हिदायत दी ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो सके। उन्होंने कहा कि जिला महिला चिकित्सालय में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। सदस्य ने कम्पोजिट विद्यालय हसवां का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर की घास को जल्द से जल्द साफ कराये जाने एवं स्कूल के सबमर्सिबल मोटर की खराबी को सही कराने के निर्देश प्रधानाध्यापिका को दिये। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि समस्त कार्य प्रधान कराते हैं जल्द ही वार्ता करते हुए सभी कार्य पूर्ण करा लिये जायेगें। कम्पोजिट विद्यालय शाहीपुर के निरीक्षण में एमडीएम के तहत बन रहे भोजन की गुणवत्ता का ध्यान रखे जाने हेतु निर्देशित किया।

मदरसा दारूल उल्म गौसिया के निरीक्षण में शासन के निर्धारित विषयों की बच्चों को शिक्षा दिये जाने के साथ ही मदरसे में साफ-सफाई का विशेष ध्यान करने हेतु निर्देशित करने के साथ-साथ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को भी समय-समय पर निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में विभागीय अधिकारियों के सदस्य ने बिंदुवार समीक्षा बैठक की। जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी, क्षेत्राधिकारी सदर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, खण्ड शिक्षाधिकारी, मुख्यालय आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर चढ़ाते समय ट्रैक्टर हुआ अनियंत्रित, मकान में घुसा किशोरी की मौत

फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के गांव परमापुर निवासी कक्षा 9 की छात्रा की ट्रैक्टर ट्राली में दबकर मौत हो गई। शव घर पहुंचते ही परिवारी जनों में कोहराम मच गया।बताया जा रहा है कि चांदनी पुत्री बृजपाल उम्र 17 वर्ष जो अपनी दुकान के सामने झोपड़ी के अंदर कढ़ाई कर रही थी। तभी गांव के ही निवासी हरि सिंह उर्फ हरिराम का नाती ट्रैक्टर लेकर आया तथा चढ़ाई पर चाढ़ते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर झोपड़ी में घुस गया जिसमें दबकर छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई परिवारी जन आनन फानन में छात्रा को लेकर निजी चिकित्सालय लेकर गए। वहा छात्रा की हालत में सुधार नहीं हुआ तथा इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही परिवारी जनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मृतका पांच भाई बहनों में तीसरे नंबर की थी वही मां बृजरानी दादी रामलली बहन पिंकी भाई रामजीत आदि का रो रो कर बुरा हाल है। थाना अध्यक्ष मीनेश पचौरी ने बताया सूचना मिलने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा तथा तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

क्विक न्यूज

निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का करें समयवद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण: जिलाधिकारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के अध्यक्षता में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए गये। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय सीमा के अंदर निस्तारण किया जाएए आवेदनों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जायेए । उन्होंने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल पर ज्यादातर आवेदन उद्यमियों से सम्बन्धित होते हैए उद्यमी विकास एवं रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, ऐसे में उद्यमियों के आवेदनों का निस्तारण शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित सभी अधिकारी आपस में समन्वय कर निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का संतुष्टिपरक निस्तारण करना सुनिश्चित करेंए जिससे शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण सेवायें समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करायीं जा सके।

ट्रेन की चपेट में आकर आंगनबाड़ी सहायिका की मौत

फतेहपुर। मंगलवार की भोर पहर आगनबाड़ी सहायिका की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव की शिनाख्त कराते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार थरियावं थाना क्षेत्र के हसवां कस्बे के खेलदार मुहल्ला निवासी 50 वर्षीय विद्यावती पत्नी छोटेलाल रैदास की पत्नी का 1985 में हसवा प्रथम में आगंनबाडी सहायिका पद पर चयन हुआ था। पति छोटेलाल ने बताया कि पत्नी का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता था। कानपुर से दिमाग वाले डाक्टर से इलाज चल रहा था। अचानक सोमवार की रात बिना बताए वह घर से निकल गई। रात भर खोजबीन किया लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। सुबह फैजुल्लापुर रेलवे स्टेशन से सूचना मिली कि एक महिला का शव बरामद किया है। घटना की सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। मौत की खबर सुनते ही बड़े बेटे कुलदीप कुमार, पुत्री अनीता देवी, छोटा पुत्र प्रदीप कुमार और बहू ललिता देवी, पूजा देवी, नातिन रिषभ, प्रायंशू का रो-रोकर बुरा हाल रहा। जीआरपी के एसआई वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि फैजुल्लापुर रेलवे स्टेशन अप लाइन खंभा नंबर 6 और 7 के बीच में ट्रेन की टक्कर से महिला की मौत हुई है।

घर मे घुसकर अकेली महिला से की लूटपाट

मोहम्मदी खीरी। गुलौली रोड के पूर्वी लकपेडा मे एक प्राइवेट विद्यालय में कार्यरत विनोद कुमार के घर तीन बदमाशों ने नाजायज असलहे के दम पर की लूटपाट, हुऐ फरार, जानकारी के अनुसार पूर्वी लकपेडा के विनोद कुमार की पत्नी घर पर अकेली थी, तभी तीन लोगों ने उन्हें बताया कि मीटर रीडिंग लेना हैएतभी तीनों लोग घर मे घुस गयेएऔर महिला के तमचा के दम पर 5 हजार रूपये पहने हुऐ कान की बालीएगले सहित पैर के आभूषण लेकर रफूचक्कर हो गये। तीन मोटरसाइकिल सबार सीसीटीवी कैमरे मे दिखाई दिए, अभी तक कोई तहरीर नही दी गयी है, पुलिस मौके पर मौजूद हैएदिन दहाड़े हुई इस घटना से लोग दहशत मे है।

अधिवक्ता की दुकान पर कब्जा व मारपीट करने पर नौ नामजद

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला सुभाष नगर निवासी राकेश गुप्ता एडण् पुत्र बुलाकी दास ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया जिसमें उन्होंने कहा है कि कल दोपहर तीन बजे मेरे भतीजे मुकेश गुप्ताए मोहित गुप्ताए विकास गुप्ताए आकाश गुप्ता पुत्र सुरेश चन्द्र गुप्ता ए पंकज गुप्ता पुत्र राजेन्द्र, सौरभ गुप्ताए गौरव गुप्ता पुत्र प्रमोद गुप्ताए कंचन गुप्ता पत्नी मुकेशए निशा गुप्ता ने अपने 8-10 अज्ञात लोगों के साथ दुकान का शटर ग्राइंडर मशीन से काटकर दुकान में रखा सारा दुकान का सामान गायब कर कब्जा करने का प्रयास कियाए शोर सुनकर जब मौके पर अपनी पत्नी और बच्चे सहित पहुंचा और विरोध किया तो सभी ने एक राय होकर गाली गलौज कर लाठी डंडों धारदार हथियार से मेरे पुत्र अभि गुप्ता से मारपीट करने लगेए मेरी पत्नी अल्का गुप्ता ने जब विरोध किया तो उसके साथ उनको हाथ पकड़कर घसीटा और सीने पर हाथ रख कर आपत्तिजनक तरीके से नोचा और भद्दी भाषा में गाली गलौज कर मारा पीटाए मारपीट करने पर उनकी सोने की चैन कहीं गिर गई मारपीट करने में चोटे लगी फ़िर यह लोग जान माल की धमकी देकर चले गए पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर सभी का मेड़िकल परीक्षण कराया और घटना स्थल का मुआयना कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी।

पुत्री की हत्या करने वाले को उम्रकैद

हमीरपुर। बिवार थाना क्षेत्र के भुगैचा गांव में छह साल पहले किसी अनजान युवक से फोन पर बात कर रही पुत्री को डंडे से मारपीट कर रस्सी से गला कसकर हत्या करने के मामले में आज अदालत ने पिता को उम्रकैद की सजा सुनायी है। सहा. शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि 17 जुलाई 2018 को भुगैचा गांव की सुंदी पत्नी सियाराम पाल ने बिवांर थाने में तहरीर देकर बताया कि 16 जुलाई की शाम सात बजे वह व उसका पति बकरी वाले बाड़े से घर आए तो 18 वर्षीय पुत्री प्रीति उर्फ प्रियंका मोबाइल में किसी लड़के से बात कर रही थी। मेरे पति ने आवेश में आकर डंडे से उसके गिर में प्रहार किया इसके बाद गले में रस्सी कसकर मार दिया। पुत्री दो.तीन वर्ष से मौदहा के किसी युवक से बात करती थी। मेरे पति ने कई बार पुत्री को मना किया था। विशेष न्यायाधीश डकैती कोर्ट अनिल कुमार खरवार ने मुकदमें की सुनवाई करते हुए बेटी के हत्यारे पिता सियाराम पाल को बेटी प्रियंका की हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा व पांच हजार रुपये अर्थदंड लगाया है।

विद्युत उपकेंद्र के पीछे मिला दलित लाइनमैन का शव

गुरसहायगंज, कन्नौज। गुगरापुर क्षेत्र में बिजली विभाग में संविदा पर तैनात दलित लाइनमैन का शव उपकेंद्र के पीछे झाड़ियों में पड़ा मिला। परिजनों ने तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा काटा और शव को नगर के उपकेंद्र पर लाकर रख दिया। सूचना पर पहुंचे एएसपी के आदेश पर तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। क्षेत्र के ग्राम मरहरिया निवासी मृतक के भाई प्रदीप कुमार ने बताया कि मंगलवार को रात तीन बजे गुगरापुर उपकेंद्र से किसी का फोन आया जिस पर उसका भाई धर्मवीर वहां चला गया। सुबह छह बजे विद्युत उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ का फोन आया कि तुम्हारा भाई बेहोशी की हालत में उपकेंद्र के पीछे पड़ा है। मौके पर वह साथियों के साथ पहुंचा, तो भाई के मुंह से झाग निकल रहा था। उसे गुरसहायगंज उपचार के लिए ला रहे थे, तभी उसकी रास्ते में मौत हो गई। भाई ने हत्या का आरोप लगाकर शव को नगर के विद्युत उपकेंद्र एसडीओ कार्यालय के सामने रखकर प्रदर्शन किया। प्रभारी निरीक्षक आलोक दुबे ने घटनाक्रम से एएसपी

विद्युत उपकेन्द्र पर परिजनों से वार्ता करते एएसपी अजय कुमार।

अजय कुमार को अवगत कराया। मौके पर पहुंचे एएसपी ने परिजनों को कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शव को पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी हाउस भिजवाया। मृतक के भाई प्रदीप कुमार पुत्र बलवंत दोहरे द्वारा उसके भाई धर्मवीर के साथ अभिषेक दीक्षित, आशीष तिवारी, सदन सिंह द्वारा मारपीट कर हत्या कर देने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिसपर पुलिस नें आशीष तिवारी को हिरासत में लेकर जॉच शुरू कर दी है।

उजागर हुआ साठ लाख के घोटाले का मामला

गुरसहायगंज, कन्नौज। लाइनमैन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की खबर पर प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर परिजनों से मामले की पूंछताछ की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं मृतक का भाई प्रदीप कुमार भी गुगरापुर विद्युत उपकेंद्र पर संविदा पर लाइनमैन है। उसने बताया कि बिजली बकाया के 60 लाख रुपये वसूले गए थे, जिन्हें संबंधित जेई और टीजी लाइनमैन ने विभाग में जमा नहीं किया। इस घोटाले को दबाने की वजह से भाई की हत्या की गई है।

पालिका ने नगर में कराई फॉगिंग, मच्छरों से मिली राहत

नगर मे पालिका वाहन से फागिंग करते कर्मी।

गुरसहायगंज, कन्नौज। बदलते मौसम में नगर में बढ रहे मच्छरों के प्रकोप से नागरिकों को राहत देने के उददेश्य से अधिसाषी अधिकारी के निर्देश पर पालिका कर्मियों द्वारा नगर के प्रमुख मार्गो पर फॉगिंग कराई गई। नपाप अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित के निर्देश पर नगर के जीटी रोड, तिर्वारोड, फतेहगढ रोड, रामगंज, गांधीनगर सहित प्रमुख स्थानों पर पालिका वाहन के साथ कर्मियों ने फगिंग की। नागरिकों को मच्छरो से राहत मिलती नजर आई। अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित ने दूरभाष पर बताया कि अधिकारी ने बताया कि फॉगिंग एक प्रभावी तरीका है जिससे मच्छरों की संख्या को नियंत्रित किया जा सकता है। नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और स्वच्छता बनाए रखें ताकि मच्छरों के लार्वा का प्रजनन न हो सके।

● अधिसाषी अधिकारी के निर्देश पर जुटे पालिका कर्मी

हेडमास्टर के अभद्र व्यवहार के चलते तीसरे दिन बच्चे नही गए स्कूल

● हेडमास्टर के तबादला की मांग

मौदहा। हमीरपुर.विकास खंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सिजनौडा में प्रधान अध्यापक व अध्यापको के बीच तना तनी से शिक्षण कार्य प्रभावित होरहा है। शिकायत बेअर होने से अब अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर प्रधान अध्यापक के स्थान्तरण की माँग पर अडे हैं। आज तीसरे दिन बच्चो से स्कूल खाली रहा है। पत्रकार को प्रधान अध्यापक ने आड़े हाथ लिया। दिन के साढे ग्यारह बजे सिर्फ स्कूल में चार अध्यापक थे। इन में एक पुरूष अध्यापक था। प्रधानाचार्या बच्चों के पठन.पाठन में रुचि नहीं ले रही हैं और न हीं मध्यान भोजन बच्चों को मानक के अनुसार दिया जा रहा है। शिकायत पर अभिभावकों के साथ अभद्र व्यवहार करने से नाराज होकर ग्राम वासियों ने तहसील दिवस पर ज्ञापन सौंपते हुए प्रधानाचार्या के विरुद्ध कार्यवाही करने की जोरदार मांग की है। विद्यालय की प्रधानाचार्य नेहा गुप्ता ने लगातार कई महीनो से बच्चों को न तो दूध दिया गया और न ही फ्ल बितरित किए गए एमडीएम में भी बेहद लापरवाही करते हुए समय से विद्यालय न आना पठन.पाठन में रुचि न लेते हुए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही।वहीं आपस में भी अक्सर विवाद होता है। अभिभावकों द्वारा विद्यालय पहुंचने पर उनके साथ अभद्रा का व्यवहार कर रही है और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रही। आहत होकर दर्जनों ग्रामीणों ने तहसील दिवस पर पहुंचकर प्रधानाचार्य के विरूध्द कठोर कार्रवाई करने की मांग की।वही ग्राम प्रधान प्रहलाद निषाद ने बताया 27 अक्टूबर से कोई भी बच्चा विद्यालय नहीं जा रहा हैं। उप जिलाधिकारी राज कुमार गुप्ता ने जांच करा कार्यवाही करने का आश्वासन दिया था।

विहिप और बजरंग दल बर्दाश्त नहीं करेगा

बांदा। उप्र के बांदा में बॉम्बेश्वर पर्वत है यहां पर बमदेव भोलेनाथ का प्राचीन प्रसिद्ध मंदिर है स्थिति है कोरोना कल के दौरान इस पर्वत पर मुसलमानों द्वारा एक अवैध मस्जिद का निर्माण कर लिया गया इसको गिराने हेतु विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष चंद्र मोहन बेदी ने जिला कलेक्टर पुलिस कप्तान और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को लिखित पत्र भेजकर मांग की इनका यह आरोप है कि भगवान शिव के इस पर्वत में मस्जिद का निर्माण चुपके चुपके अवैध रूप से किया जाना एक तरह से इस्लाम धर्म के लोग हमारे हिंदुस्तान में इस्लामी कारण किया जा रहा हैं जिसे विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल बर्दाश्त नहीं करेगा इसे तत्काल पर्वत से हटाया जाए अन्यथा की स्थिति में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद इस अवैध मस्जिद को गिरा देगा इस बारे में बाम्बेश्वर पर्ववत के प्रचीन मन्दिर के पुजारी पुत्तन महाराज ने और कमेटी के अध्यक्ष ने भी जमकर विरोध किया।

जमीन, लेनदेन या फिर कुछ और है पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या का राज

● मुख्य हत्यारोपितों की गिरफ्तारी के बाद उठ सकता है क्रूरतम हत्या से पर्दा ●कबराहार की 40 बीघा जमीन का भी फंसा पेंच, अक्कू तिवारी उसके भाई सहित 13 पर सत्ताधारी के इशारे पर दर्ज हुआ था मुकदमा

फतेहपुर। पत्रकार दिलीप सैनी की निर्मम हत्या में शामिल मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी अभी बांकी है। इस बीच पुलिस तफ्सीस में लगी होने के साथ बड़ी उधेड़बुन में भी है। प्रथम दृष्टया जो हालात सामने आ रहे हैं वह यह बता रहे हैं कि जमीन और पैसों के बंटवारे को लेकर पत्रकार की हत्या का एकाएक कोई एक कारण नहीं हो सकता बल्कि सुनियोजित तरीके से हत्या का पूरा ताना-बाना बुना गया। अंततः उसकी हत्या उन लोगों ने ही कर दी जिनकी वह छाया बना करता था। बिंदकी, कबराहार व वीआईपी रोड सहित पर्दे के पीछे अभी कई और जमीनें हैं जो दिलीप की मौत का कारण हो सकती हैं। घटना वाले दिन पुलिस की उदासीनता और खादीधारियों का जमीनों के खेल में नाम आ रहा है, उससे पैसों का लेन-देन बड़ी वजह लग रही है। लेखपाल सुनील राणा थोड़े समय में ही उच्च महत्वाकांक्षा रखने वाले आधा दर्जन के करीब युवा लेखपालों का पैसा जमीनों में लगवाने का सिंडिकेट बन गया था। करीब एक करोड़ की फंसी रकम की वापसी को लेकर दिलीप पर लंबे समय से राणा दबाव बना रहा था। हो कुछ भी लेकिन पुलिस ने जांच सही दिशा में की तो लेन-देन की दिलीप की डायरी एवं सीडीआर से कई चेहरे बेनकाब होंगे। हत्या का राज व कारण शान्तीनगर स्थित नर्सिंग होम के संचालक के सीने में भी दफ्न हो सकते हैं।

दीपावली से ठीक एक दिन पहले की रात 30 अक्टूबर को सदर कोतवाली क्षेत्र के बिसौली स्थित पत्रकार दिलीप सैनी के आवास

(यार्ड) की हुई हत्या के कारणों की गुत्थी सुलझाने में पुलिस लगी हुई है। नामजद 09 हत्यारोपितों में 05 को जेल भेजा जा चुका है और मुख्य हत्यारोपितों की गिरफ्तारी को लेकर दबिशें जारी हैं। हत्या की वजह फिलहाल पुलिस के लिए सिर दर्द बनी है। जिस तरह से दिलीप की नृशंस हत्या की गई उससे अचानक हुआ घटनाक्रम प्रतीत नहीं होता। पहली नजर में जमीनी विवाद एवं पैसों का लेन-देन ही मुख्य वजहों में शामिल नजर आ रहा है।बताते हैं कि सत्ताधारी नेताओं के साथ भी दिलीप ने जमीनी कारोबार को आगे बढ़ाया था। गैर जनपद का होने के बावजूद लेखपाल सुनील राणा कई युवा लेखपालों का जमीनों के कारोबार का सिंडिकेट बन गया था और इसी का कारण था कि वह और उसके साथी अपने मूल काम पर दिलचस्पी ही नहीं लेते थे। हकीकत तो यह है कि सदर तहसील के पास ही स्थित एक कंप्यूटर सेंटर में पूरी चांडाल चौकड़ी बैठती थी और यहीं से उसकी योजनाएं बनती थीं। एक सेवानिवृत राजस्व कर्मी ने तो अपने रिटायरमेंट का करीब-करीब पूरा पैसा ही राणा के फंद्द में फंसकर जमीन के कारोबार में लगा दिया था। एक करोड रुपए के फंसने और उसके वापस लेने को लेकर कई बार तू-तू मैं-मैं की बात सामने आ रही है।

नगरपालिका क्षेत्र के कबराहार की 40 बीघा के करीब जमीन पर एक सत्ताधारी की निगाह लगी थी और उसने अपने लोगों के नाम एग्रीमेंट कर रखा था जबकि एक अन्य खादीधारी के साथ दिलीप के साथ उठने बैठने वाले लोगों ने भी इस जमीन पर निगाह गड़ा दी। वादा खिलाफी में सत्ताधारी नेता के दबाव में सदर कोतवाली क्षेत्र के बाम्बे बेकरी के बगल में बाकरगंज के रहने वाले मुईनुद्दीन ने सलीम, अक्कू तिवारी एवं उसके भाई अनुराग तिवारी सहित 13 लोगों के खिलाफ अपराध संख्या 0023 के तहत गत 13 जनवरी को सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर दिया था। करोड़ों की यह जमीन भी दोनों सत्ताधारियों की नाक का सवाल बन गई और दोनों गुट किसी भी सूरत में इस बेशकीमती जमीन को अपने कब्जे में लेना चाह रहे थे। वीआईपी रोड की जिस 10 बीघा जमीन पर सवाल खड़े हो रहे हैं, उसमें जमीन के चौथाई हिस्से के मालिक जफर हसन किसी ठिकाने के जमीन कारोबारी को ढूंढ रहे थे और इसी बीच कुछ लोगों के जरिए हुई मुलाकात में जफर हसन का परिवार पत्रकार के संपर्क में आया। इस जमीन पर भी सत्ताधारी नेता की निगाह लगी और दिलीप को साथ लेकर जफर हसन के खाते मे 50 लाख की धनराशि खादीधारी ने अपने खासम खास के जरिए खाते में भेज दी। इस जमीन को सत्ताधारी नेता किसी भी सूरत में पाना चाह रहे थे और इसी के चलते जमीन की पूरी न तो रकम दी गई और न ही उसका बैनामा कराया गया।

झामुमो नीत गठबंधन है एक फुस्स पटाखा भाजपा है शक्तिशाली रॉकेटः राजनाथ सिंह

भाषा। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन को दीपावली के फुस्स पटाखे करार देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक शक्तिशाली रॉकेट है जो झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

सिंह ने रांची के हटिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक रहे मंडल मुर्मू के झामुमो के डूबते जहाज को छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य में कौन सरकार बनाएगा।

उन्होंने कहा, दीपावली का त्योहार अभी-अभी संपन्न हुआ है। झामुमो, कांग्रेस और राजद अब दीपावली के फुस्स पटाखे हैं। भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो अकेले ही झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राज्य की सत्ताधारी पार्टी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए सिंह ने कहा कि जेएमएम (झामुमो) का मतलब जमकर मलाई मारो है।

उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो आदिवासियों का खून चूसता है और उनके हितों के खिलाफ काम करता है। सिंह ने कहा, मैं (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन से पूछता हूं कि घुसपैठिए झारखंड में क्यों आ रहे हैं? राज्य की आदिवासी आबादी घटकर 28 फीसदी क्यों रह गई?

उन्होंने कहा, हम घुसपैठ पर नियंत्रण लगाएंगे और घुसपैठियों द्वारा हड़पी गई जमीन वापस दिलाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड की दुर्दशा के पीछे झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन है।

सिंह ने कहा, झारखंड में अब तक 13 मुख्यमंत्री शासन कर चुके हैं। इनमें से कई जेल गए, सिवाय भाजपा के उन मुख्यमंत्रियों के जिनके खिलाफ कभी भ्रष्टाचार का कोई मामला सामने नहीं आया, चाहे वे अर्जुन मुंडा हों, रघुबर दास हों या बाबूलाल मरांडी।

सिंह ने कहा कि झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन अपना साम्राज्य बनाने में विश्वास करता है, जबकि भाजपा सभी के विकास के लिए काम करती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस, राजद, झामुमो वंशवादी राजनीति में विश्वास करते हैं, जबकि भाजपा हर तीन साल में अपना प्रमुख बदल देती है।

उन्होंने लोगों से वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करते हुए कहा, भाजपा को दो कार्यकाल दीजिए, झारखंड विकसित राज्यों की कतार में होगा।

उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास में तीन अवरोधक हैं कांग्रेस, झामुमो और राजद। सिंह ने कहा कि भाजपा आदिवासियों का सम्मान करती है और बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों का सम्मान करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी और आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखेगी। उन्होंने कहा, भाजपा ने 62,000 आदिवासी गांवों के विकास के लिए एक विशेष योजना शुरू की। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा कदम कभी नहीं उठाया गया।

सिंह ने दावा किया कि 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा संसद में एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पारित कराना सुनिश्चित करेगी। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

शराब कारोबारी ने पत्नी और तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या की, बाद में उसका शव भी मिला

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में अपनी पत्नी और तीन बच्चों की कथित तौर पर हत्या करने वाले व्यक्ति का शव मंगलवार को रोहनिया थाने के सदरपुर गांव में मिला। पुलिस ने बताया कि भेलूपुर थाने के भैदैनी क्षेत्र में राजेंद्र गुप्ता नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी नीतू (45), बेटे नवनेंद्र (25) और सुबेंद्र (15) तथा बेटी गौरांगी (16) की सोमवार देर रात कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। रोहनिया के अपर पुलिस आयुक्त संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि भैदैनी में एक महिला और उसके तीन बच्चों के शव मिलने के बाद हत्या के आरोपी पति की लाश मंगलवार शाम रोहनिया थाने के सदरपुर गांव से बरामद की गई। शर्मा के मुताबिक, शराब कारोबारी राजेंद्र की मौत गोली लगने से हुई, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसने खुद को गोली मारकर खुदकुशी की या किसी और ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने कहा था कि पत्नी और बच्चों की हत्या के बाद गुप्ता घटनास्थल से फरार हो गया था। उसने बताया था कि गुप्ता के मकान में रहने वाले किराएदारों ने पुलिस को मंगलवार दोपहर वारदात की सूचना दी।

सीसीएसयू मेरठ संचालित करेगा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के कई पाठ्यक्रम, यूजीसी से मिली स्वीकृति

संवाददाता। मेरठ

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मंगलवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने बताया कि यूजीसी ने विश्वविद्यालय को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा मोड में मान्यता दे दी है। अब यहां से स्टूडेंट डिस्टेंस लर्निंग कोर्स कर सकेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले और कामकाजी लोगों को घर बैठे कार्स करने का फायदा मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपने उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता और समर्पण के कारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) कार्यक्रमों के तहत 11 नए पाठ्यक्रम शुरू करने की स्वीकृति प्राप्त की है। शोध निदेशक प्रोफेसर बीरपाल सिंह व प्रोफेसर मृदुल गुप्ता ने बताया कि यह पहल कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में छात्रों को लचीले और सुलभ शिक्षा के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई । बीबीए, एमए शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, एमसीए, एमकॉम, एमबीए मार्केटिंग, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स आदि कोर्स कराये जा सकेंगे । कुलपति ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता के मानकों में लगातार सुधार करते हुए उल्लेखनीय रैंकिंग और मान्यता प्राप्त की है। सीसीएसयू को नैक ए प्लस प्लस द्वारा उच्च ग्रेडिंग प्राप्त है, जो विश्वविद्यालय के शैक्षिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। यूजीसी द्वारा ओडीएल कार्यक्रमों के लिए अनुदान और अनुमोदन प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक था कि विश्वविद्यालय कम से कम ग्रेड-1 श्रेणी में आता हो और नैक द्वारा दी गई रैंकिंग में उसकी स्थिति अच्छी हो। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने इन मानकों को पूरा करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी साख बनाई है और इसी कारण इसे ओडीएल पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति प्रदान की गई है।

सीसीएसयू अब उत्तर प्रदेश के अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों जैसे लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के साथ उन विश्वविद्यालयों की श्रेणी में आ गया है, जिन्हें यूजीसी से ओडीएल कार्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति प्राप्त है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को सबसे अधिक 11 विषय की अनुमति मिली है। यूजीसी का ओडीएल के प्रति विजन यह है कि शिक्षण प्रणाली अधिक समावेशी और लचीली हो, ताकि छात्रों को अपनी सुविधा अनुसार अध्ययन करने का अवसर मिले और उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त हो।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय विभिन्न जिलों में अध्ययन केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, जहाँ छात्रों को मार्गदर्शन, परीक्षाओं की सुविधा और अन्य शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय स्थानीय उद्योगों और संगठनों के साथ साझेदारी करके छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देने की योजना बना रहा है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हो सकेगी।कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहाकि हम अपने ओडीएल कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और छात्रों को समाज में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य है कि हमारे ये पाठ्यक्रम समृद्ध और सहायक शिक्षा अनुभव प्रदान करें, जो सीसीएसयू की शैक्षिक उत्कृष्टता का प्रतीक बनें। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रदेश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार करेगा, जिससे एक समावेशी और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रणाली का निर्माण होगा। इस अवसर पर कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र निरंजन, शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह, प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. राकेश कुमार शर्मा, प्रो. केके शर्मा, डॉ. जितेंद्र सिंह प्रेस प्रवक्ता मितेंद्र कुमार गुप्ता, इंजीनियर प्रवीण पवार आदि मौजूद रहे।

झारखंड चुनावः इंडी गठबंधन ने घोषणापत्र में गरीबों को 10 लाख नौकरियों का वादा किया

भाषा। रांची

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया जिसमें युवाओं के लिए 10 लाख नौकरियां और गरीबों के लिए 15 लाख रुपए तक के स्वास्थ्य बीमा कवरेज का वादा किया गया है।

इंडी गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र में 7 गारंटी शामिल हैं जिनमें सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण को अनुसूचित जनजातियों के लिए 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने की बात कही गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राजद के जेपी यादव के साथ संयुक्त रूप से घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, इंडिया गठबंधन युवाओं के लिए 10 लाख नौकरियां और गरीबों के वास्ते 15 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित करेगा।

खरगे ने कहा, जब भी हम किसी गारंटी की बात करते हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तुरंत इसकी आलोचना करते हैं...प्रधानमंत्री मोदी यहां आए और अपने भाषण के दौरान उन्होंने मेरा नाम लिया और कहा कि कांग्रेस की गारंटियों की कोई विश्वसनीयता नहीं है...कांग्रेस अपनी सभी गारंटियां पूरी करती है लेकिन मोदी की दी हुई गारंटियां कभी पूरी नहीं होतीं।

झूठ ज्यादा नहीं टिकता, कांग्रेस का फर्जी विमर्श ध्वस्त हुआः फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विपक्षी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि संविधान पर उसका फर्जी विमर्श ध्वस्त हो गया है और कहा कि झूठ ज्यादा दिन नहीं टिकता। फडणवीस ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) वाली सत्तारूढ़ महायुति फिर से निर्वाचित होती है तो इसके घटक दल मिलकर यह तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा। भाजपा नेता ने 20 नवंबर को होने वाले राज्य चुनावों के लिए अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से की।

महाराष्ट्र में 2014 से 2019 तक और नवंबर 2019 में 80 घंटे के लिए मुख्यमंत्री रहे फडणवीस ने नागपुर से पांच बार विधानसभा चुनाव लड़ा तथा सफलता हासिल की। यह उनका छठा विधानसभा चुनाव है और वह वर्ष 1999 से अब तक 25 साल से विधायक हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन आयोजित करने वाले हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष की पार्टी फिर से एक कहानी गढ़ने की कोशिश कर रही है, फडणवीस ने कहा, झूठ की उम्र बहुत कम होती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी फर्जी कहानी खत्म हो चुकी है। अब वे फिर से एक नाटक करना चाहते हैं, जिसका कोई जवाब नहीं मिलेगा।

फडणवीस ने कहा, लोग अच्छी तरह जानते हैं कि यह (प्रधानमंत्री) मोदी जी थे जिन्होंने जम्मू कश्मीर और पूरे भारत में संविधान को लागू करने का साहस दिखाया। कांग्रेस ने कभी जम्मू कश्मीर में संविधान को लागू नहीं होने दिया। यह पूछे जाने पर कि अगर सत्तारूढ़ महायुति फिर से सत्ता में आती है तो भाजपा कार्यकर्ता उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, फडणवीस ने कहा कि कार्यकर्ताओं का ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है।

वित्त मंत्रालय ने आरआरबी के विलय का चौथा चरण शुरू किया, बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 होगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय का चौथा चरण शुरू कर दिया है, जिससे ऐसे बैंकों की संख्या वर्तमान में 43 से घटकर 28 हो जाने की संभावना है।

वित्त मंत्रालय द्वारा तैयार खाके के अनुसार, विभिन्न राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय किया जाएगा। आरआरबी का विलय आंध्र प्रदेश (जहां सबसे अधिक चार आरआरबी हैं), उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल (प्रत्एक में तीन) और बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा तथा राजस्थान (प्रत्एक में दो) में किया जाएगा।

तेलंगाना के मामले में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक (एपीजीवीबी) की परिसंपत्तियों व देनदारियों को एपीजीवीबी और तेलंगाना ग्रामीण बैंक के बीच विभाजित करने के अधीन होगा। वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों को भेजे पत्र में कहा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के ग्रामीण विस्तार तथा कृषि-जलवायु या भौगोलिक प्रकृति को देखते हुए तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की विशेष विशेषता अर्थात समुदायों के साथ उनकी निकटता को बनाए रखने के लिए एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के लक्ष्य को हासिल करने के वास्ते क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को और अधिक समेकित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि व्यापक दक्षता और लागत को युक्तिसंगत बनाने का लाभ मिल सके। बयान में कहा गया है कि आगे के समेकन के लिए राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के परामर्श से एक खाका तैयार किया गया है, जिससे आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 हो जाएगी।

जगदम्बिका पाल के फैसलों पर विरोध जताया, बिड़ला से मिले विपक्षी सांसद

भाषा। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर समिति के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदम्बिका पाल द्वारा कथित तौर पर लिए जा रहे एकतरफा निर्णयों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को जगदम्बिका पाल पर एकतरफा फैसले करने और पूरी प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाया था तथा इस समिति से खुद को अलग करने का संकेत दिया था।

एक सूत्र के अनुसार, विपक्षी नेताओं ने उम्मीद जताई कि बिरला ने समिति की बैठकों के सिलसिले को कम करने के लिए कदम उठाएंगे ताकि सदस्यों को बैठकों की तैयारी करने और दी गई प्रस्तुतियों का अध्ययन करने की अनुमति मिल सके।एक सदस्य ने कहा कि समिति की अब एक पखवाड़े में एक या दो बैठकें हो सकती हैं।

बैठक के बाद विपक्षी सदस्यों ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी और उन्हें जल्द से जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद और समिति के सदस्य कल्याण बनर्जी ने कहा, यह बहुत अच्छी चर्चा थी। उन्होंने हमारे प्रति सद्भाव दिखाया। लोकसभा अध्यक्ष ने बहुत धैर्यपूर्वक हमारी बात सुनी और कहा कि वह इस मामले को देखेंगे।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और द्रमुक सांसद ए. राजा ने भी इसी बात का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, यह एक सार्थक बैठक थी। अध्यक्ष ने हमें हमारी शिकायतों पर गौर करने का आश्वासन दिया। सांसदों ने अपनी चिंताओं का विवरण देते हुए अध्यक्ष को एक ज्ञापन भी सौंपा। सूत्रों का कहना है कि सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को वह पत्र सौंपा है जिसमें पाल के कथित एकतरफा फैसलों को लेकर विरोध दर्ज कराया गया है। द्रमुक सांसद ए. राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी सहित विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष के नाम यह संयुक्त पत्र लिखा है। विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को जगदम्बिका पाल पर एकतरफा फैसले करने और पूरी प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाया था तथा इस समिति से खुद को अलग करने का संकेत दिया था।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सांसद पाल पर आरोप लगाया कि समिति के अध्यक्ष ने बैठकों की तारीखें तय करने और समिति के समक्ष किसे बुलाया जाए, यह तय करने में एकतरफा निर्णय लिया है।

विपक्षी सदस्यों का कहना है कि वह कभी-कभी समिति की तीन दिन की लगातार बैठक बुला लेते हैं।

उन्होंने बिरला के नाम लिखे पत्र में यह दावा भी किया कि समिति की कार्यवाही में उनको अनसुना किया गया तथा ऐसे में वे इस समिति से खुद को अलग करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वे संसदीय समिति की बैठकों में भाग लेना जारी रखेंगे, बनर्जी ने कहा, हां हम भाग लेंगे क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष इस मामले को देख रहे हैं।

कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के लगातार विरोध के कारण समिति की कार्यवाही बाधित हुई है, जबकि भाजपा सदस्यों ने उन पर जानबूझकर इसके काम को बाधित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

पाल ने इस आरोप को खारिज किया है कि उन्होंने विपक्षी सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति नहीं दी। उनका कहना है कि उन्होंने सुनिश्चित किया है कि हर किसी की बात सुनी जाए।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में अस्थायी ढांचा गिरा, एक श्रमिक की मौत

पायनियर समाचार सेवा। वडोदरा/नई दिल्ली

गुजरात के आणंद जिले में मंगलवार शाम मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर एक निर्माण स्थल पर एक अस्थायी संरचना ढहने से एक श्रमिक की मौत हो गई। निर्माण का हिस्सा ढहने के बाद कम से कम तीन श्रमिक मलबे में दब गए। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देर शाम रेल भवन से बचाव अभियान की निगरानी करते हुए पायनियर से कहा, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटना हुई, हालांकि सभी सावधानियां बरती गईं। बचाव कार्य जोरों पर है, लेकिन जांच जारी है। पिछले साल अगस्त में वडोदरा के करज़ान तालुका में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण स्थल पर एक लॉन्चिंग गैंट्री क्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक श्रमिक की मौत हो गई थी और छह घायल हो गए थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव जसानी ने कहा कि मंगलवार की घटना वासद गांव में हुई। पुलिस ने कहा, प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि चार श्रमिक कंक्रीट ब्लॉकों के बीच फंस गए थे, उनमें से दो को बचा लिया गया है। एक श्रमिक की अस्पताल में मौत हो गई। परियोजना को क्रियान्वित करने वाले नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एक अधिकारी ने बताया कि कुएं की नींव के काम के लिए इस्तेमाल किए जा रहे स्टील और कंक्रीट ब्लॉकों से बना एक अस्थायी ढांचा गिर गया। उन्होंने बताया कि यह स्थल वडोदरा के पास माही नदी के पास है और क्रेन और उत्खनन मशीनों का उपयोग करके बचाव अभियान चलाया जा रहा है। 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए गुजरात में कुल 20 नदी पुलों में से 12 का निर्माण रविवार को ही पूरा हुआ था। निर्माण का एक हिस्सा अप्रत्याशित रूप से ढह जाने के बाद मजदूर मलबे में फंस गए थे। मलबे से फंसे मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया और बचाव अधिकारियों की कई टीमें भारी कंक्रीट ब्लॉकों को सावधानीपूर्वक हटाने और फंसे हुए मजदूरों तक पहुंचने के लिए क्रेन और उत्खनन मशीनों का उपयोग कर रही थीं।

पेज 1 का शेष

एक और...

एक स्थानीय डॉक्टर और छह गैर-स्थानीय मजदूरों की हत्या का जिक्र कर रहे थे। एलजी ने कहा, अगर लोग ऐसे तत्वों के खिलाफ़ खड़े नहीं होंगे, तो यह परिदृश्य कभी नहीं बदलेगा। मुझे लगता है कि जो लोग सिर्फ़ औपचारिकता के लिए बयान जारी करते हैं, वे उनसे (आतंकवादियों से) भी बदतर हैं।

शीर्ष न्यायालय...

मानकों को बनाए रखने और उनकी संबद्धता या मान्यता में रुचि है। पीठ ने कहा कि सरकार ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऐसे संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित किया है। इसने अनुच्छेद 30 का भी उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि सभी अल्पसंख्यकों को, चाहे वे धर्म या भाषा पर आधारित हों, अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका संचालन करने का अधिकार है। पीठ ने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था राज्य को दो उद्देश्यों के बीच संतुलन बनाने की अनुमति देती है - अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों की उत्कृष्टता के मानक को सुनिश्चित करना और अल्पसंख्यकों द्वारा अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करना और उनके संचालन के अधिकार को संरक्षित करना। पीठ ने कहा, मदरसा अधिनियम राज्य के सकारात्मक दायित्व के अनुरूप है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मान्यता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले छात्र योग्यता का ऐसा स्तर प्राप्त करें, जिससे वे समाज में प्रभावी रूप से रह सकें और जीविकोपार्जन कर सकें। शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम को धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के उनकी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका संचालन करने के अधिकार के साथ पढ़ा जाना चाहिए। पीठ ने कहा, बोर्ड राज्य सरकार की मंजूरी से ऐसे नियम बना सकता है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थान अपने अल्पसंख्यक चरित्र को खत्म किए बिना अपेक्षित स्तर की धर्मनिरपेक्ष शिक्षा प्रदान करें। पीठ की ओर से फैसला लिखने वाले प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मदरसा अधिनियम के प्रावधान मदरसों को नियंत्रित करते हैं, जो धार्मिक अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थान हैं।

अमेरिका में...

में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं, सिवाय स्विंग राज्यों के। बताया जाता है कि चुनावी रूप से अहम माने जाने वाले इन स्विंग राज्यों में मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को निर्वाचक मंडल के वोट दिए जाते हैं।

सरकारों को...

एक गैर-संपूर्ण सूची के अधीन होनी चाहिए, इस अदालत द्वारा विकसित सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत भी उन संसाधनों की पहचान करने में मदद कर सकता है जो किसी समुदाय के भौतिक संसाधन के दायरे में आते हैं। अपना फैसला पढ़ते हुए, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि उन्होंने कुछ मुद्दों पर सीजेआई के नेतृत्व वाले बहुमत से सहमति व्यक्त की थी और न्यायमूर्ति धूलिया के फैसले के जवाब में कुछ राय लिखी थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, निजी तौर पर स्वामित्व वाले भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण वितरण के लिए समुदाय के भौतिक संसाधनों में कैसे बदल जाता है, जो आम अच्छे को पूरा करने के लिए सबसे अच्छा है। यह मेरे फैसले का सार है। न्यायमूर्ति धूलिया ने अपनी असहमति में कहा कि भौतिक संसाधनों को कैसे नियंत्रित और वितरित किया जाए, यह देखना संसद का विशेषाधिकार है। निजी स्वामित्व वाले संसाधन भौतिक संसाधनों की परिभाषा में कब और क्या आते हैं, यह न्यायालय द्वारा घोषित नहीं किया जा सकता। इसकी आवश्यकता नहीं है। मुख्य कारक यह है कि क्या ऐसे संसाधन आम भलाई के लिए काम करेंगे। स्पष्ट रूप से प्रत्येक निजी स्वामित्व वाले संसाधन का अधिग्रहण, स्वामित्व या यहां तक कि नियंत्रण आम भलाई के लिए काम नहीं करेगा। फिर भी इस स्तर पर हम क्या करें और क्या न करें की सूची नहीं बना सकते। हमें इस अभ्यास को विधायिकाओं के विवेक पर छोड़ देना चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर सहित पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की आलोचना करने पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की, उनके विचारों के लिए कि क्या आम भलाई के लिए राज्य द्वारा निजी संपत्ति का अधिग्रहण किया जा सकता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, मैं कहती हूं कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की संस्था व्यक्तिगत न्यायाधीशों से बड़ी है, जो इस महान देश के इतिहास के विभिन्न चरणों में इसका एक हिस्सा मात्र हैं! इसलिए, मैं प्रस्तावित निर्णय में विद्वान मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणियों से सहमत नहीं हूं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने भी न्यायमूर्ति नागरत्ना के साथ मिलकर बहुमत के निर्णय में कृष्ण अय्यर सिद्धांत की कठोर आलोचना को अस्वीकार कर दिया। नौ न्यायाधीशों की पीठ का फैसला 1978 में शीर्ष अदालत द्वारा लिए गए दो परस्पर विरोधी विचारों के संदर्भ में आया, जो सड़क परिवहन सेवाओं के राष्ट्रीयकरण से संबंधित मामलों में थे।

तेज रफ्तार..

वह अपनी पीसीआर मोटरसाइकिल पर था। इस चौंकाने वाली घटना में 23 वर्षीय सत्यप्रिय की भी मौत हो गई, जो वर्तमान में हरियाणा के गुरुग्राम में रह रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, वह कानपुर में बी.टेक का छात्र था। वह यहां खरीदारी के लिए आया था। कॉन्स्टेबल विक्टर रात की गश्त पर था और रात 9.45 बजे थाने से निकला था। दुर्घटना के समय वह पीसीआर मोटरसाइकिल चला रहा था। बस की चपेट में आने के बाद उसे सिविल लाइंस के परमानंद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विक्टर के सिर, गर्दन और चेहरे पर कई गंभीर चोटें आई हैं। बस चालक की पहचान 57 वर्षीय विनोद कुमार के रूप में हुई है, जो गाजीपुर का रहने वाला है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया, दुर्घटना में उसे कोई चोट नहीं आई। वह 2010 से डीटीसी में बतौर ड्राइवर काम कर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय बस में डीटीसी ड्यूटी अधिकारी को छोड़कर कोई यात्री नहीं था, क्योंकि वाहन में खराबी की सूचना दी गई थी। उन्होंने बताया, उसकी पहचान स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

बटेंगे...

बीजेपी की हालिया सफलता का श्रेय देते हैं। इसके जवाब में, एसपी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर जवाबी नारा जुड़ेंगे तो जीतेंगे के साथ सकारात्मक राजनीति पर जोर दिया। यादव ने कहा कि समाज के हित में, मुख्यमंत्री को अपने नकारात्मक दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना चाहिए और अपने सलाहकारों को बदलने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने आदित्यनाथ से अधिक समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, एक अच्छा नेता सकारात्मक विचारों को पोषित करता है। हाल के दिनों में, शहर में इन प्रतिद्वंद्वी नारों को पुष्ट करने वाले राजनीतिक होर्डिंग्स और पोस्टरों में उछाल देखा गया है। विशेष रूप से, सपा कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई गई जिसमें वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक शक्ति गतिशीलता का संदर्भ है। आदित्यनाथ के नारे बटेंगे तो कटेंगे ने भी यादव की प्रतिक्रियाओं को उकसाया है, जिसमें उनका नारा, जुड़ेंगे तो जीतेंगे भी शामिल है, जो शहर के चारों ओर होर्डिंग्स पर दिखाई देने लगा है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, ये प्रतीकात्मक नारे चुनाव प्रचार रणनीतियों का केन्द्र बन गए हैं, तथा उपचुनावों से पहले राजनीतिक चर्चा की को भी दिखा रहे हैं।

ओलंपिक...

थॉमस बाक का समर्थन भी हासिल है। भारत ने इससे पहले 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। इन खेलों का आयोजन नई दिल्ली में किया गया था लेकिन ओलंपिक 2036 के लिए अहमदाबाद को मेजबान शहर बनने के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा सहित भारत के शीर्ष खेल प्रशासक देश की पैरवी करने के लिए इस साल पेरिस ओलंपिक में थे। यह भी पता चला है कि यदि भारत को मेजबानी मिलती है तो वह योग, खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को शामिल करने पर जोर देगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं की सराहना की

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बौद्ध समुदाय के पास ऐसे समय में मानव जाति को देने के लिए बहुत कुछ है जब दुनिया संघर्ष और जलवायु संकट का सामना कर रही है। उन्होंने यहां पहले एशियाई बौद्ध सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में यह भी रेखांकित किया कि बुद्ध धम्म (बौद्ध धर्म के सिद्धांत) करुणा शब्द में समाहित है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। मुर्मू ने कहा, जब दुनिया आज कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, न केवल संघर्ष बल्कि जलवायु संकट का भी, तो आपके बड़े समुदाय के पास मानव जाति को देने के लिए बहुत कुछ है। बौद्ध धर्म के विभिन्न सिद्धांत दुनिया को दिखाते हैं कि संकीर्ण संप्रदायवाद का मुकाबला कैसे किया जाए, उनका मुख्य संदेश अभी भी शांति और अहिंसा पर केंद्रित बना हुआ है। राष्ट्रपति ने कहा कि एशिया को मजबूत बनाने में बुद्ध धम्म की भूमिका पर भी चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वास्तव में, हमें यह देखने के लिए चर्चा का विस्तार करने की जरूरत है कि कैसे बुद्ध धम्म एशिया और दुनिया में शांति, वास्तविक शांति ला सकता है, ऐसी शांति जो न केवल शारीरिक हिंसा से बल्कि लालच और नफरत की सभी ताकतों से मुक्त हो। उनकी टिप्पणी यूक्रेन-रूस और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच आई है। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे चीनी और अन्य विद्वानों द्वारा अनुवाद के माध्यम से कई बौद्ध साहित्यिक कृतियों ने अतीत में कई मूल रचनाएं नष्ट हो जाने के बाद भी इसके संरक्षण में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह बौद्ध साहित्य को हमारे लिए वास्तव में साझा विरासत बनाता है। मुर्मू ने हाल ही में सरकार द्वारा अन्य भाषाओं के अलावा पाली एवं प्राकृत को दिए गए शास्त्रीय भाषा के दर्जे का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे दोनों भाषाओं में ग्रंथों के संरक्षण तथा उनके पुनरुद्धार में मदद मिलेगी।राष्ट्रपति ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत करने में काफी मदद करेगा। दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय कर रहा है।सम्मेलन का विषय एशिया को मजबूत बनाने में बुद्ध धम्म की भूमिका है। मंत्रालय ने कहा कि बुद्ध धम्म भारत की संस्कृति का एक मूल्यवान घटक बनकर उभरा है, जो दृढ़ विदेश नीति और प्रभावी राजनयिक संबंध विकसित करने में देश की सहायता करता है। इसने कहा कि सम्मेलन भारत की एक्ट ईस्ट नीति की भी अभिव्यक्ति है, जो मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में धम्म के साथ एशिया के सामूहिक, समावेशी और आध्यात्मिक विकास पर आधारित है।

निरर्थक औपनिवेशिक प्रथाओं से छुटकारा पाना न्यायपालिका के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिएः मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि समान न्याय सुनिश्चित करना और निरर्थक औपनिवेशिक प्रथाओं से छुटकारा पाना देश की न्यायपालिका के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत होने चाहिए। मुर्मू ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वह उन लोगों के विचारों से सहमत है, जो स्वतंत्र भारत के विवेक-रक्षक के रूप में न्यायालय के योगदान की प्रशंसा करते है।उन्होने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने एक ऐसा न्यायशास्त्र विकसित किया है, जो भारतीय लोकाचार और वास्तविकताओं में निहित है। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सभा के सदस्यों ने अतीत की घटनाओं के बारे में विचार किया होगा, जैसे हम अपने न्यायिक इतिहास के पिछले 75 वर्षों को देख रहे हैं। मुर्मू ने कहा, इलबर्ट विधेयक के कटु विरोध और रॉलेट अधिनियम के पारित होने के कारण साम्राज्यवादी अहंकार का सामना करने के अनुभव ने उनकी (संविधान सभा के सदस्यों की) संवेदनशीलता को चोट पहुंचाई होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने (संविधान सभा के सदस्यों ने) स्वतंत्र भारत की न्यायपालिका को सामाजिक क्रांति की एक शाखा के रूप में देखा, जो समानता के आदर्श को कायम रखेगी।मुर्मू ने भारत की शीर्ष अदालत से संबंधित तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए कहा, समान न्याय सुनिश्चित करना और अब अप्रासंगिक हो चुकी औपनिवेशिक प्रथाओं से छुटकारा पाना हमारी न्यायपालिका के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत होने चाहिए। स्वतंत्रता-पूर्व न्यायशास्त्र के उपयोगी पहलुओं को जारी रखते हुए हमें विरासत में मिले बोझ को हटा देना चाहिए। उन्होने कहा कि जस्टिस फॉर द नेशन नाम की पुस्तक में उच्चतम न्यायालय की 75 वर्ष की यात्रा के मुख्य बिंदुओं को दर्शाया गया है। मुर्मू ने कहा, इसमें लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर उच्चतम न्यायालय के प्रभाव का भी वर्णन किया गया है। हमारी न्याय वितरण प्रणाली को एक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष समाज के रूप में और मजबूत होना चाहिए।

खरीफ सत्र 2024-25 में चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 11.99 करोड़ टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय के मंगलवार को जारी पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार अच्छे मानसून के कारण खरीफ सत्र 2024-25 में भारत का चावल उत्पादन रिकॉर्ड 11 करोड़ 99.3 लाख टन रहने की संभावना है। सरकारी गोदामों में अधिशेष स्टॉक के बीच रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान लगाया गया है। चावल का उत्पादन पिछले साल के खरीफ मौसम की तुलना में 66.7 लाख टन अधिक होने का अनुमान है। देशभर में इस मुख्य खरीफ फसल की कटाई चल रही है। मोटे अनाजों में, मक्का का उत्पादन खरीफ सत्र 2024-25 (जुलाई-जून) में दो करोड़ 45.4 लाख टन के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले साल के 22.4 लाख टन से अधिक है। ज्वार का उत्पादन बढ़कर 21.9 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि बाजरा उत्पादन घटकर 93.7 लाख टन रहने की संभावना है। कुल मोटे अनाज का उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि के पांच करोड़ 69.3 लाख टन के मुकाबले बढ़कर 78.1 लाख टन रहने का अनुमान है। मंत्रालय के अनुमान के हिसाब से खरीफ सत्र 2024-25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 16.47 करोड़ टन रहेगा, जो पिछले साल के 15 करोड़ 57.6 लाख टन से ज्यादा है। दालों का उत्पादन 69.7 लाख टन की तुलना में लगभग स्थिर 69.5 लाख टन रहने की उम्मीद है, जबकि तिलहन उत्पादन दो करोड़ 41.6 लाख टन से बढ़कर दो करोड़ 57.4 लाख टन रहने की संभावना है। भारत दालों और तिलहन की घरेलू कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। नकदी फसलों में, गन्ने का उत्पादन पिछले साल के 45 करोड़ 31.5 लाख टन से घटकर 43 करोड़ 99.3 लाख टन रहने का अनुमान है। कपास का उत्पादन तीन करोड़ 25.2 लाख गांठ के मुकाबले घटकर दो करोड़ 99.2 लाख गांठ (170 किलोग्राम प्रत्येक) रहने का अनुमान है, जबकि जूट/मेस्ता उत्पादन 96.9 लाख गांठ से घटकर 84.5 लाख गांठ (180 किलोग्राम प्रत्येक) रह सकता है। मंत्रालय ने पहली बार डिजिटल कृषि मिशन के तहत डिजिटल फसल सर्वेक्षण (डीसीएस) आंकड़ों का उपयोग करके क्षेत्र के लिए अनुमान तैयार किया है, जिसने मैनुअल गिरदावरी प्रणाली की जगह ले ली। मंत्रालय ने कहा कि डीसीएस ने खरीफ 2024 में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा के सभी जिलों को कवर किया, जिससे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में चावल के तहत रकबे में पर्याप्त वृद्धि हुई।

हिमाचल में तीन रुपए किलो की दर से जैविक गाय गोबर खरीद के लिए निविदाएं जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने मंगलवार को कहा कि तीन रुपए प्रति किलोग्राम की दर से जैविक गाय का गोबर खरीदने के लिए निविदाएं जारी की गई हैं और सफल बोलीदाता बैग, परिवहन और भंडारण सुविधाएं भी प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जैविक खेती पर जोर देने के साथ, किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि में हाई-टेक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि को टिकाऊ बनाना रखने के लिए एक किसान परिवार की मासिक आय 20,000 रुपए से 25,000 रुपए के बीच होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनावों से पहले दो रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गाय का गोबर खरीदने का वादा किया था, लेकिन हम कच्चा गाय का गोबर नहीं खरीदना चाहते हैं और तीन रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गाय का जैविक गोबर खरीदेंगे। जैविक गाय का गोबर एक प्राकृतिक और पोषक तत्वों से भरपूर उर्वरक है जिसका उपयोग मिट्टी के स्वास्थ्य और पौधों की वृद्धि में सुधार के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, तीन रुपए प्रति किलोग्राम की दर से जैविक गोबर खरीदने के लिए निविदाएं जारी की गई हैं और जिस कंपनी को यह कार्य सौंपा गया है, वह बैग उपलब्ध कराएगी, उन्हें भरेगी और सील करेगी, साथ ही परिवहन और भंडारण सुविधा भी प्रदान करेगी और उसे 4-5 रुपए प्रति किलोग्राम का भुगतान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि गोबर का भंडारण हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ लिमिटेड (हिमफेड) के गोदामों में भी किया जाएगा और सभी जिलों के कृषि निदेशकों को बंद पड़े कृषि फार्मों को उपयोग में लाने के निर्देश दिए गए हैं। बंद पड़े कृषि फार्मों में जैविक फसलों का उत्पादन अनुबंध खेती के माध्यम से सुनिश्चित सिंचाई के साथ शुरू होगा, जिसमें लाभ-हानि के आधार पर अन्य किसानों को जैविक कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कृषि विभाग में नए भर्ती किए गए कर्मचारियों को भूमि उपयोग नियोजन, मिट्टी की उर्वरता, त्रि-आयामी मानचित्रण और फसल पैटर्न में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा, ताकि किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से नकदी फसलों को उगाने के लिए सूक्ष्म स्तर पर क्लस्टर का पता लगाने के लिए रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग किया जा सके।

डिलीवरी ड्राइवर्स से लेकर वेयरहाउस वर्कर्स की मांग बढ़ी

बंगलुरू। जैसे-जैसे भारत त्योहारी सीजन की तैयारी कर रहा है, ब्लूकॉलर श्रमिकों की मांग आसमान छू रही है। एक ताज़ारिपोर्ट का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 90 मिलियन नई नौकरियों में से लगभग 70 प्रतिशत ब्लू.कॉलर के लिए होंगी कार्यकर्ता,ई.कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मांग देखी जा रही है। डिलीवरी एक्जीक्यूटिव, गोदाम कर्मचारी, लॉजिस्टिक्स समन्वयक, इन.स्टोर बिक्री जैसी भूमिकाओं के लिए प्रतिनिधि और ग्राहक सेवा पेशेवर। नौकरी चाहने वालों के लिए यह त्योहारी उछाल एक स्थिर आय सुरक्षित करने का एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत करता है। साल के सबसे व्यस्त नियुक्ति सीज़न में से एक के दौरान अच्छी कमाई करने का मौका। जैसे कंपनियां भरने की होड़ में हैं पदों, प्रतिस्पर्धा भयंकर हैए लेकिन अपने सपनों की नौकरी पाना अधिकार के साथ सिर्फएक कदम दूर हो सकता है। आज के डिजिटल युग में, नौकरी पोर्टलों ने भूमिकाओं के लिए आवेदन करना पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया हैए लेकिन एक आवश्यक है। तत्व वही रहता है, एक मजबूत बायोडाटा होना जो आपको अलग दिखाता है। आपका बायोडाटा इसकी कुंजी है-नौकरी के लिए अपने कौशलए अनुभव और तत्परता का प्रदर्शन करना जिससे आपको इसमें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। भीड़भाड़ वाला बाज़ारए नौकरी चाहने वालों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करने के लिएए शक्तिशाली बनने के लिए यहां सात आवश्यक युक्तियां दी गई हैं। ऐसा बायोडाटा जो नियोक्ताओं का ध्यान आकर्षित करता है और आपकी सफलता की संभावनाओं को अधिकतम करता है। बायोडाटा एक दस्तावेज़ है जो आपके कौशलए अनुभव और शिक्षा का सारांश प्रस्तुत करता है। यह आपका मौका है। प्रदर्शित करें कि आप नौकरी के लिए उपयुक्त क्यों हैं। अपने बायोडाटा के शीर्ष पर अपना नाम, फ़ोन नंबर, ईमेल पता और स्थान शहर और शामिल करें। यह जानकारी नियोक्ताओं को आप तक आसानी से पहुंचने की अनुमति देती है। सुनिश्चित करें कि आपका ईमेल है पेशेवरकृआदर्श रूप सेए ईमेल में केवल आपका नाम ही सबसे उपयुक्त है।

सरकार ने भारत ब्रांड के तहत गेहूं के आटे, चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण शुरू किया

नई दिल्ली। सरकार ने उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए रियायती दर पर भारत ब्रांड के तहत गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण की मंगलवार को शुरुआत की। सहकारी समितियो भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और केन्द्रीय भंडार तथा ई-कॉमर्स मंच के जरिए गेहूं का आटा 30 रुपए प्रति किलोग्राम और चावल 34 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से पांच तथा 10 किलोग्राम के पैकेट मे बेचा जाएगा। खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इन सहकारी समितियो की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा, यह उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए एक अस्थाई हस्तक्षेप है। सरकार ने मूल्य स्थिरीकरण कोष के अंतर्गत दूसरे चरण में खुदरा हस्तक्षेप के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया है। जोशी ने कहा, यह तब तक जारी रहेगा जब तक आवंटित भंडार समाप्त नही हो जाता। यदि और अधिक की आवश्यक्ता होगी तो हमारे पास पर्याप्त भंडार है और हम पुनः आवंटन करेंगे। नए मूल्य निर्धारण ढांचे के तहत गेहूं का आटा पांच तथा 10 किलोग्राम के पैक मे 30 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से उपलब्ध होगा, जबकि चावल 34 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाएगा। पहले चरण की दरों क्रमशः 27.5 रुपए तथा 29 रुपए प्रति किलोग्राम से इसमें मामूली वृद्धि की गई है। पहले चरण मे चावल की कम बिक्री पर जोशी ने कहा कि सरकार का मकसद कारोबार करना नही है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत देना और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना है। मंत्री ने कहा कि यदि मांग की गई तो सरकार छोटे आकार के पैकट लाने पर विचार करेगी। जोशी ने चावल के अधिशेष भंडार के बावजूद कीमतो मे स्थिरता को समझने के लिए एक अध्ययन का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमते काफी हद तक नियंत्रण मे हैं, केवल सामान्य गुणवत्ता वाली किस्मो मे मामूली उतार-चढ़ाव है। पहले चरण में अक्टूबर, 2023 से 30 जून, 2024 तक 15.20 लाख टन गेहूं का आटा और 14.58 लाख टन चावल का वितरण किया गया था।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने वक्फ बोर्ड के दायरे से बाहर रखे जाने की मांग की

नई दिल्ली। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति से मंगलवार को आग्रह किया कि उनके समुदाय को किसी भी वक्फ बोर्ड के दायरे से बाहर रखा जाए। उनका कहना था कि वक्फ संशोधन विधेयक उनके विशेष दर्जे का उल्लेख नही करता। इस समुदाय के प्रतिनिधियों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश हुए। समुदाय द्वारा दिए गए एक लिखित आवेदन में कहा गया कि यह एक छोटा और मजबूती से जुड़ा हुआ संप्रदाय है। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कहा, इसके मामलों को उस तरह के विनियमन की आवश्यक्ता नही है जिसे अन्य समुदायो के संबंध मे आवश्यक या यहां तक कि वांछनीय माना जा सकता है। उनका कहना था कि यह आवश्यक है कि समुदाय के सदस्यों को उनकी मान्यताओं और आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के अनुसार ऐसी संपत्तियों की स्थापना, रखरखाव, प्रबंधन और प्रशासन करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड की शक्तियां इस समुदाय के बुनियादी मत को कमजोर करती है। दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधियों ने उच्चतम न्यायालय के कई उन फैसलों का हवाला दिया कि जिनमें उनकी विशिष्ट संरचना की मान्यता को रेखांकित किया गया है।

ईडी ने उप्र की दिवालिया कंपनी के खिलाफ पीएमएलए मामले में भूखंड कुर्क किए

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने कानपुर स्थित एक दिवालिया कंपनी के खिलाफ 7,300 करोड़ रुपए से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन (पीएमएलए) मामले में 73 हेक्टेयर कृषि भूमि कुर्क की है। जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि श्री लक्ष्मी कॉटसिन लिमिटेड से संबंधित कुल 86 भूखंड कुर्क किए गए है, जिनका कुल क्षेत्रफल 73.34 हेक्टेयर है। बयान के मुताबिक, ए भूखंड छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित है, जिनकी कीमत 31.94 करोड़ रुपए है। इन्हें धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया कि ए सभी संपत्तियां कंपनी, उसके भरोसेमंद कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत है। श्री लक्ष्मी कॉटसिन लिमिटेड, इसके चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक माता प्रसाद अग्रवाल, संयुक्त प्रबंध निदेशक पवन कुमार अग्रवाल, उप प्रबंध निदेशक देवेश नारायण गुप्ता और निदेशक शारदा अग्रवाल के खिलाफ 2021 में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। जांच आगे बढ़ने पर धन शोधन का मामला दर्ज किया गया था।

ब्रिगेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

मुंबई। प्रमुख निजी होटल संपत्ति ओनर्स के बीच दक्षिण भारत में श्रृंखला-संबद्ध होटलों और कमरों का दूसरा सबसे बड़ा ओनर ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है। कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 900 करोड़ रुपये तक है।ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड भारत के प्रमुख शहरों, मुख्य रूप से दक्षिण भारत में होटलों का ओनर्स और डेवलपर है। यह होटल प्रमुख निजी होटलों में दक्षिण भारत (केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पांडिचेरी शामिल हैं) में श्रृंखला-संबद्ध होटल और कमरों के दूसरे सबसे बड़े ओनर्स हैं। 30 जून, 2024 तक इसके पास पूरे भारत में कम से कम 500 रूम रहे हैं। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

बरेली (उप्र)। बरेली जिले के भुता थाना इलाके में एक व्यक्ति की मंगलवार देर शाम तीन अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस को अंदेशा है कि किसान की हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई है। पुलिस के अनुसार घटना बीसलपुर रोड पर हुई, जब खरदा के निवासी पुष्पेन्द्र उर्फ पुष्पाल (40) बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हे गोली मार दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस घायल पुष्पेंद्र को उपचार के लिए बरेली पहुंचाया, जहां उन्हे मृत घोषित कर दिया गया। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा कि जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस आरोपियो को शीघ्र गिरफ्तार करके कड़ी कार्वाई करेगी। आर्य ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध अत्यन्त कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अंदेशा जताया कि यह हत्या पुरानी रंजिश के कारण की गई।

18,000 फर्जी कंपनियों की 25,000 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी

भाषा। नई दिल्ली

कर अधिकारियों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत पंजीकृत करीब 18,000 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जो करीब 25,000 करोड़ रुपए की कर चोरी में शामिल हैं।फर्जी कंपनियों के खिलाफ हाल ही में संपन्न राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिकारियों ने 73,000 कंपनियों की पहचान की थी, जिनके बारे में उन्हें संदेह था कि वे बिना किसी वास्तविक माल की बिक्री के केवल इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाने के लिए स्थापित की गई थीं और इस तरह ए कंपनियां सरकारी खजाने को चूना लगा रही थीं।

पवन कल्याण ने ट्रूडो सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की अपील की

कनाडा मंदिर हमला

भाषा। अमरावती

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले को छिटपुट घटना से कहीं अधिक करार देते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा है कि इस मामले से उन्हें गहरा दुख हुआ है और उन्हें आशा है कि कनाडा सरकार वहां हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। कल्याण ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में कहा कि हिंदू वैश्विक अल्पसंख्यक हैं, ऐसे में उन पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, उनके साथ कम एकजुटता दिखाई जाती है और उन्हें आसानी से निशाना बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके (हिंदुओं के) खिलाफ नफरत का हर कृत्य, दुर्व्यवहार का हर मामला उन सभी के लिए एक झटका है जो मानवता और शांति को महत्व देते हैं। कल्याण ने कहा, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और हाल ही में बांग्लादेश जैसे देशों में हमारे हिंदू भाई-बहन उत्पीड़न, हिंसा और अकल्पनीय पीड़ा झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, आज कनाडा में एक हिंदू मंदिर और हिंदुओं पर हुआ हमला दिल पर प्रहार है तथा इससे पीड़ा और चिंता दोनों पैदा होती हैं। कल्याण ने कहा कि लेकिन यह कोई छिटपुट घटना नहीं है बल्कि विभिन्न देशों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा एवं लक्षित घृणा की घटनाएं लगातार हो रही हैं, ऐसे में भी वैश्विक नेताओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और तथाकथित शांतिप्रिय गैर सरकारी संगठनों की चुप्पी डराने वाली है। उन्होंने कहा कि यह केवल करुणा की अपील नहीं है, बल्कि कार्वाई का आह्वान है, जिसे विश्व को स्वीकार करना चाहिए तथा हिंदुओं की पीड़ा को उसी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ दूर करना चाहिए, जिस तरह वह दूसरों के लिए करता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं हृदय से उम्मीद करता हूं कि कनाडा सरकार वहां हिंदू समुदाय के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के वास्ते तत्काल निर्णायक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि मानवता चुनिंदा करुणा बर्दाश्त नहीं कर सकती और लोगों को कहीं भी, किसी भी समुदाय के उत्पीड़न के खिलाफ अडिग संकल्प के साथ एकजुट होना चाहिए।

हैदराबाद में मंदिर की मूर्तियां खंडित पाई गईं, मामला दर्ज

भाषा। हैदराबाद

शमशाबाद स्थित एक मंदिर में नवग्रह मूर्तियां मंगलवार को खंडित पाई गईं, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हनुमान मंदिर में मूर्ति खंडित होने के बारे में जानकारी मिलने के बाद स्थानीय स्थानीय लोग इसकी निंदा करने और विरोध जताने के लिए एकत्रित हुए। मंदिर के पुजारी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इस घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की। उन्होंने कहा कि एक श्रद्धालु ने उन्हें सुबह छह बजे मूर्तियां क्षतिग्रस्त होने के बारे में सूचित किया और उन्होंने देखा कि पांच नवग्रह मूर्तियां खंडित हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस की ए एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है और स्थानीय मंदिर समिति के साथ चर्चा जारी है। अधिकारी ने बताया कि एक मामला दर्ज कर लिया गया है और स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जांच के तहत इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने खंडित मूर्तियों के वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए लिखा, एक और दुखद दिन और कांग्रेस शासन में तेलंगाना में एक और पवित्र हिंदू मंदिर में मूर्तियों को खंडित किया गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने वोट बैंक के तुष्टिकरण के प्रयास में आंखें मूंद ली हैं ।

किसी मामले का गुण-दोष मीडिया में किए गए चित्रण से काफी अलग हो सकता है : सीजेआई

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली दंगों के मामले में जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी मामले का गुण-दोष, मीडिया में किए गए चित्रण से काफी अलग हो सकता है। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि एक न्यायाधीश किसी मामले की सुनवाई करते समय अपने दिमाग का पूरा इस्तेमाल करता है और बिना किसी पक्षपात के, उसके गुण-दोष के आधार पर फैसला करता है। उन्होंने कहा कि मीडिया में एक विशेष मामला महत्वपूर्ण हो जाता है और फिर उस विशेष मामले पर अदालत की आलोचना की जाती है। उन्होंने कहा, प्रधान न्यायाधीश का पद संभालने के बाद मैंने जमानत के मामलों को प्राथमिकता देने का फैसला किया, क्योंकि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा होता है। यह तय किया गया कि शीर्ष अदालत की कम से कम हर पीठ को जमानत के 10 मामलों की सुनवाई करनी चाहिए। नौ नवंबर 2022 से एक नवंबर 2024 के बीच उच्चतम न्यायालय में जमानत के 21,000 मामले दायर किए गए। इस अवधि के दौरान जमानत के 21,358 मामलों का निपटारा किया गया। उन्होंने कहा कि इसी अवधि के दौरान धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर 967 मामलों में से 901 का निपटारा किया गया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हाल के महीनों में दर्जनों राजनीतिक मामले ऐसे हैं जिनमें जमानत दी गई है। इन मामलों में प्रमुख राजनीतिक लोग शामिल हैं। अक्सर मीडिया में किसी मामले के एक खास पहलू को पेश किया जाता है। उन्होंने कहा, जब कोई न्यायाधीश किसी मामले के रिकॉर्ड पर ध्यान देता है, तो जो सामने आता है, वह उस विशेष मामले के गुण-दोष के बारे में मीडिया में किए गए चित्रण से बहुत अलग हो सकता है। न्यायाधीश संबंधित मामलों पर अपना ध्यान केंद्रित करता है और फिर मामले पर फैसला करता है। इंडियन एक्सप्रेस समूह की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, अपनी बात करूं तो मैंने ए से लेकर जेड (अर्नब गोस्वामी से लेकर जुबैर) तक को जमानत दी है। उन्होंने कहा कि जमानत नियम है और जेल अपवाद है के सिद्धांत का मुख्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। देश के 50वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ दबाव समूह हैं जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से अदालत पर दबाव डालकर अनुकूल फैसला हासिल करने की कोशिश करते हैं।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसला सुनाना नहीं है

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसले देना नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस समूह द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम मे चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि कुछ दबाव समूह है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल कर अदालतों पर दबाव डालकर अनुकूल फैसले लेने की कोशिश कर रहे है। उन्होने कहा, परंपरागत रूप से, न्यायिक स्वतंत्रता को कार्यपालिका से स्वतंत्रता के रूप मे परिभाषित किया गया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ अब भी सरकार से स्वतंत्रता है। लेकिन न्यायिक स्वतंत्रता के संदर्भ मे यह एकमात्र चीज नहीं है। उन्होने कहा, हमारा समाज बदल चुका है। विशेष रूप से सोशल मीडिया के आने के बाद, आप हित समूह, दबाव समूह और ऐसे समूहों को देखते है जो अनुकूल निर्णय लेने के लिए अदालतों पर दबाव बनाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे है।

बड़े उद्योगों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उतरने की जरूरतः इसरो प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन एस सोमनाथ ने मंगलवार को उद्योग घरानों से अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक अंतरिक्ष शक्ति बनाने के लिए यह निवेश महत्वपूर्ण है। सोमनाथ ने यहां भारतीय अंतरिक्ष सम्मेलन को संबोधित करते हुए अंतरिक्ष उद्योग में अबूझ निवेश पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी बहुत कम है और अगली पीढ़ी को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करने की आवश्यकता है। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8.4 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई है और अगले दस साल में इसके 45 अरब डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। सोमनाथ ने कहा कि देश के बड़े उद्योग घरानों से व्यापार के अग्रिम पक्ष के लिए निवेश नहीं मिल रहा है, और उनके साथ इस मामले पर बात की जा रही है। इसरो चेयरमैन ने भारतीय अंतरिक्ष संघ द्वारा आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारत में बड़े (उद्योग) घरानों की कमी नहीं है, जिनके पास निवेश करने और दुनिया के अन्य लोगों के बराबर सृजन करने की पर्याप्त क्षमता है। लेकिन, उन्हें अकेले या दूसरों के साथ बहुत ही सहयोगात्मक तरीके से आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल जोखिमों को स्वीकार किया, जहां जटिल प्रणालियों को विकसित करने के लिए लंबे समय की जरूरत होती है। सोमनाथ ने कहा, उद्योग और स्टार्टअप आगे आ रहे हैं, लेकिन एक स्तर तक बढ़ने, स्थापित खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए पर्याप्त प्रतिस्पर्धी बनने की उनकी क्षमता अब भी देखी जानी बाकी है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बड़े औद्योगिक घरानों को आगे आना चाहिए, क्योंकि इस क्षेत्र के भारी जोखिम को केवल वे ही उठा सकते हैं।

धान खरीद में देरी से गेहूं की बुवाई पर पड़ने वाले असर पर कृषि मंत्री से चर्चा करेंगेः जोशी

भाषा। नई दिल्ली

खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि वह पंजाब में धान खरीद में देरी से गेहूं की बुवाई पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में कृषि मंत्री से चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि सरकार मंडियों में लाए गए हर एक दाने की खरीद करेगी। इस देरी से नवंबर के मध्य में गेहूं की बुवाई से पहले खेतों को साफ करने के लिए किसानों द्वारा पराली जलाने की बढ़ती आशंकाओं के बीच जोशी ने कहा कि खरीद तत्काल प्राथमिकता बनी हुई है। भारत ब्रांड के तहत सब्सिडी वाली दर पर गेहूं के आटे और चावल के दूसरे चरण की शुरुआत के मौके पर जोशी ने संवाददाताओं से कहा, अब हमारी प्राथमिकता खरीद है। पराली जलाने और गेहूं की बुवाई का काम कृषि मंत्रालय देखता है। उन्होंने कहा कि हालांकि, दोनों मंत्रालय इस मुद्दे पर तालमेल बिठा रहे हैं। मंत्री ने कहा, हम उस पहलू पर भी विचार करेंगे। फिलहाल हमारी प्राथमिकता खरीद है। मेरी मुख्य चिंता यह है कि किसानों को इस समय चिंतित नहीं होना चाहिए। गेहूं की बुवाई में देरी से उत्पादन प्रभावित होने के सवाल पर जोशी ने कहा, मेरे पास विस्तृत जानकारी नहीं है। अगले दो-तीन दिन में मैं कृषि मंत्री से मिलूंगा। यह मेरे लिए उतना ही चिंताजनक है, क्योंकि कि हम सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से गेहूं वितरित करते हैं। मंत्री ने कहा कि पंजाब में धान खरीद के काम में तेजी आई है, चार नवंबर को एक दिन में 6.29 लाख टन धान की खरीद हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 5.34 लाख टन धान की खरीद हुई थी।

सैनिकों को पीछे हटाने के बाद भारत और चीन तनाव कम होने का इंतजार कर रहे : जयशंकर

भाषा। कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के पीछे हटने के समझौते को आने वाले दिनों में सभी की संतुष्टि के अनुरूप लागू किया जाएगा। जयशंकर ने यहां एक थिंक टैंक के उद्घाटन सत्र में ऑस्ट्रेलियन स्ट्रेटजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएसपीआई) के कार्यकारी निदेशक जस्टिन बस्सी के साथ बातचीत में यह टिप्पणी की। उनसे भारत-चीन के आगामी दिनों में संबंधों के बारे में एक प्रश्न पूछा गया था। भारत ने 21 अक्टूबर को घोषणा की कि उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ समझौता कर लिया है, जिससे दोनों

सेनाओं के बीच चार साल से जारी सैन्य गतिरोध समाप्त हो गया। कैनबरा में मंगलवार को जयशंकर ने कहा, फिलहाल तनाव घटने का इंतजार है, जो एलएसी पर सुरक्षा बलों की लामबंदी के कारण है। विदेश मंत्री ने कहा कि 2020 से पहले दोनों देशों की तरफ से एलएसी के पास जितनी तैनाती थी, आज उसकी तुलना में बड़ी सैन्य तैनाती है, इसलिए हमारे सामने बातचीत का ही रास्ता है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई थी। जयशंकर ने कहा कि प्राथमिकता सैनिकों को पीछे हटाने के तरीके खोजने की रही है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सामान्य स्थिति बहाल करने और 2020 से पहले की तरह गश्त बहाल करने का रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब जल्द गश्त शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सैनिकों को पीछे हटाने का अध्याय पूरा हो चुका है और इसका क्रियान्वयन आने वाले दिनों में सभी की संतुष्टि के अनुरूप होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि इस अवधि (2020 के बाद) के दौरान, भारत-चीन संबंध भी बहुत गहराई से प्रभावित हुए, क्योंकि भारत का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए पहली शर्त है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच पांच वर्षों के बाद पहली द्विपक्षीय बैठक में हुई सहमति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अपने समकक्षों से मिलेंगे और संबंधों को सामान्य बनाने के तरीके तलाशेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री ने जयशंकर के समक्ष सिखों को निशाना बनाने संबंधी आरोपों का मुद्दा उठाया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष के समक्ष इस आरोप से संबंधित मुद्दे को उठाया कि भारत ने कनाडा में सिख कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया है। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ कनाडा के आरोपों पर तब चर्चा की जब वह ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में थे। भारत ने कनाडा के इस आरोप का खंडन किया है कि भारतीय गृह मंत्री अमित शाह ने कनाडा के अंदर सिख कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आदेश दिया था। वोंग ने कहा कि सिख समुदाय के लिए उनका संदेश यह है कि लोगों को ऑस्ट्रेलिया में सुरक्षित और सम्मानित तरीके से रहने का अधिकार है, चाहे वे कोई भी हों। वोंग ने जयशंकर के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने जांच के तहत आरोपों के बारे में अपनी चिंताओं को स्पष्ट कर दिया है। हमने कहा है कि हम कनाडा की न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, हम भारत को अपने विचारों से अवगत कराते हैं जैसा कि आप हमसे उम्मीद करेंगे कि कानून के शासन तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता और साथ ही, स्पष्ट रूप से, सभी देशों की संप्रभुता जैसे मामलों के संबंध में हमारी एक सैद्धांतिक स्थिति है। जयशंकर ने कहा कि कनाडा ने भारतीय राजनयिकों को निगरानी में रखा है, जो अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, कनाडा ने विवरण दिए बिना आरोप लगाने का एक पैटर्न बना लिया है। फाइव आइज गठबंधन के सदस्य के रूप में खुफिया सूचना साझा करने को लेकर ऑस्ट्रेलिया के कनाडा के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। इस गठबंधन में अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं। भारत सिख कार्यकर्ताओं को निशाना बनाए जाने के कनाडा के आरोप को बेतुका और निराधार बताते हुए आधिकारिक तौर पर विरोध दर्ज करा चुका है।

रूस और ईरान ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने के प्रयास तेज किए: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी एजेंसियों ने चुनाव की पूर्व संध्या पर चुनावी दुष्प्रचार से संबंधित रूस के प्रयासों को विफल करने का दावा किया है। संघीय एजेंसियों के अधिकारियों ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में हाल में पोस्ट किए गए रूस समर्थकों के एक लेख का जिक्र किया, जिसमें दावा किया गया है कि राष्ट्रपति चुनाव में स्विंग राज्यों में अमेरिकी अधिकारी धोखाधड़ी करने की योजना बना रहे हैं। इस लेख के साथ एक वीडियो भी साझा किया गया है, जिसमें एरिजोना में चुनावी धोखाधड़ी का दावा करने वाले एक व्यक्ति के साक्षात्कार को गलत तरीके से दर्शाया गया था। अमेरिका में स्विंग राज्यों को छोड़कर अधिकतर राज्यों में मतदाता हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं। चुनावी रूप से अहम माने जाने वाले इन राज्यों में मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है, इसलिए इन्हें स्विंग राज्य कहा जाता है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक कार्यालय, एफबीआई और अमेरिकी साइबर सुरक्षा एवं बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है कि रूस से जुड़े प्रभावशाली व्यक्ति चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए वीडियो बना रहे हैं और फर्जी लेख लिख रहे हैं। बयान के अनुसार, वे चुनाव प्रक्रिया के बारे में मतदाताओं में डर पैदा करने के साथ ही ये भी दिखाना चाह रहे हैं कि अमेरिकी अपनी-अपनी राजनीतिक पसंद के चलते एक दूसरे के खिलाफ हिंसा कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि इन प्रयासों से हिंसा भड़कने का खतरा है, जिसकी जद में चुनाव अधिकारी भी आ सकते हैं। हालांकि रूसी दूतावास ने ईमेल पर भेजे गए एक बयान में इन आरोपों को निराधार बताया और कहा कि रूस ने अमेरिका समेत दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया है और न ही हस्तक्षेप करता है। बयान में चुनाव को प्रभावित करने के ईरान के प्रयासों का भी एक बार फिर जिक्र किया गया, जिसमें ट्रंप की उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचाने के लिए चलाया गया एक अभियान भी शामिल है। न्याय विभाग ने इस प्रयास के लिए सितंबर में तीन ईरानी हैकरों को जिम्मेदार ठहराया था। माइक्रोसॉफ्ट के विश्लेषकों के अनुसार, ईरान के इशारों पर काम करने वालों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के तहत फर्जी समाचार वेबसाइट बनाई हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले महीने कहा था कि 2020 के चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं को डराने के उद्देश्य से कथित तौर पर ईमेल भेजने वाले ईरानी व्यक्ति चुनाव-संबंधी वेबसाइटों और प्रमुख मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं।

बंधन ने जेनिसिस का किया अधिग्रहण

ग्लोबल। बंधन ग्रुप ने जेनिसिस ग्रुप एक वैश्विक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और बिज़नेस प्रोसेस सर्विसेज कंपनी के अधिग्रहण की घोषणा की। यह बंधन ग्रुप के टेक्नोलॉजी सेक्टर में रणनीतिक प्रवेश का प्रतीक है। इस अधिग्रहण से बंधन ग्ररुप को अमेरिकाए ब्रिटेन और भारत में नए ऑफिसेज के साथ अपने ग्लोबल फुटप्रिंट का विस्तार करने की मौका मिला है। इस कदम सेए इन बाजारों में कंपनी की मौजूदगी में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। जेनिसिस ग्रुप की ऑफर्स को इंटीग्रेट करकेए बंधन ग्रुप अपने पोर्टफोलियो में दुनिया भर की विभिन्न इंडस्ट्रीज में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनए डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड सर्विसेजए डिजिटल मीडिया ऑपरेशंस और स्मार्ट बिज़नेस प्रोसेस सॉल्यूशंस सहित सॉल्यूशंस का एक इंटीग्रेटेड पोर्टफोलियो जोड़ेगा। इस नए अधिग्रहण के बारे में बात करते हुएए बंधन फाइनेंशियल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद अग्रवाल ने कहा कि हाइपर.ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए क्लाउड कंप्यूटिंग और अन्य उभरती टेक्नोलॉजीज के माध्यम से डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन द्वारा संचालित किए जा रहे ग्लोबल अवसर आईटी इंडस्ट्री को नया रूप दे रहे हैं। हमने जेनिसिस ग्रुप का अधिग्रहण करने का अवसर पहचानाए जो ग्लोबल मार्केट में अपने बैलेंस्ड पोर्टफोलियो और दशकों के अनुभव को लेकर आया है। बिज़नेस से संबंधित चुनौतियोंए विशेष रूप से बीएफएसआई सेक्टर में को संबोधित करने के लिए आईटी.संचालित सॉल्यूशंस की क्षमता बहुत अधिक हैए और हम इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण ग्रोथ की उम्मीद करते हैं। भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए, जेनिसिस ग्रुप के सीईओ सतीश सुब्रमण्यम ने कहा कि हम बंधन ग्रुप के साथ मिलकर काम करने को लेकर रोमांचित हैं। उनकी इंडस्ट्री को लेकर विशेषज्ञता और इनवेस्टमेंट स्किल्स हमें सिस्टेमेटिक तौर से और रणनीतिक अधिग्रहणों के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद करने में महत्वपूर्ण होंगे।

ब्रिटेन की नई विपक्षी नेता ने प्रीति को दी अहम जिम्मेदारी

लंदन। भारतीय मूल की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल को नवनिर्वाचित कंज़र्वेटिव पार्टी की नेता केमी बेडेनॉच ने अपना शैडो विदेश मंत्री चुना है और वह मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्षी बेंच पर उनकी शीर्ष टीम में शामिल होंगी।गुजराती मूल की 52 वर्षीय पटेल उन शुरुआती दावेदारों में से एक थी जो टोरी प्रमुख और विपक्ष के नेता के रूप में ऋषि सुनक की जगह लेने की दौड़ में आमने-सामने थे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सप्ताहांत में पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, केमी बेडेनॉच को हमारी महान पार्टी के नेता के रूप में निर्वाचित होने पर बधाई। आइए हम सब मिलकर ब्रिटिश लोगों का भरोसा जीतने के लिए उनके पीछे खड़े हो। मैं इस बेईमान और स्वार्थी लेबर सरकार को जवाबदेह ठहराने और हमारे महान देश के भविष्य के लिए कंज़र्वेटिव दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में उनका समर्थन करने के लिए तत्पर हूं।

पाकिस्तानी गार्ड ने दो चीनी नागरिकों को गोली मारी

कराची। पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची में झगड़े के बाद मंगलवार को एक स्थानीय सुरक्षा गार्ड ने दो चीनी नागरिकों पर गोली चला दी, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सिंध प्रांत में कराची के इंडस्ट्रियल ट्रेडिंग एस्टेट क्षेत्र के एक पुलिस थाने में हुई। पुलिस उप महानिरीक्षक अजहर माहेसर ने कहा कि वह घटना की जांच कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि सुरक्षा गार्ड ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर गोली क्यों चलाई। उन्होंने कहा,सुरक्षा गार्ड के साथ बहस के बाद हुई गोलीबारी में दो चीनी नागरिक घायल हो गए, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रूसी रॉकेट ने ईरानी उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया

मॉस्को। रूस के एक रॉकेट ने मंगलवार को ईरान के दो उपग्रहों को कक्षा में ले जाने के लिए सफलतापूर्वक उड़ान भरी। यह प्रक्षेपण मॉस्को और तेहरान के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाता है। सोयूज रॉकेट ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुदूर पूर्वी रूस में वोस्तोचन प्रक्षेपण स्थल से उड़ान भरी और प्रक्षेपण के नौ मिनट बाद उपग्रहों को निर्दिष्ट कक्षा में स्थापित कर दिया। यह दो रूसी अवलोकन उपग्रहों और दो ईरानी उपग्रहों सहित कई दर्जन छोटे उपग्रह अपने साथ लेकर गया। मंगलवार का प्रक्षेपण तब हुआ जब रूस और ईरान ने विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों का विस्तार किया है। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने तेहरान पर यूक्रेन में युद्ध के मैदान में उपयोग के लिए मॉस्को को सैकड़ों ड्रोन उपलब्ध कराने तथा रूस में उनका उत्पादन शुरू करने में मदद करने का आरोप लगाया है।

गाजा पर इजराइल के हवाई हमले में 30 लोगों की मौत : फलस्तीनी अधिकारी

भाषा। यरूशलम

फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने दावा किया है कि इजराइल द्वारा गाजा में किए गए हवाई हमले में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के हुए हमले में गाजा पट्टी में चार बच्चों और दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई जबकि सोमवार देर रात के हमले में बेत लहिया शहर में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हताहतों को नजदीकी अस्पताल

में लाया गया। अस्पताल के निदेशक हुस्साम अबू सफिया ने बताया कि सोमवार को बेत लहिया शहर की इमारत पर इजराइल ने हमला किया जिसमें कई परिवार शरण लिए हुए थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की आपात सेवा द्वारा जारी मृतकों की सूची में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। इजराइल की सेना की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। इजराइल करीब एक महीने से बड़े पैमाने पर उत्तरी गाजा को निशाना बना रहा है और उसने बेत लहिया, नजदीकी शहर बेत हुनान और शहरी जाबलिया शरणार्थी शिविर को पूरी तरह से खाली करने की चेतावनी दी है। उसने पिछले एक महीने से लगभग न के बराबर मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति दी है।

ब्राजील के पुलिस अधिकारी को इंटरपोल का अगला प्रमुख चुना गया

लंदन। ब्राजील के पुलिस अधिकारी वाल्डेसी उर्कीजा इंटरपोल के अगले प्रमुख होंगे। वैश्विक पुलिस संगठन ने मंगलवार को यह घोषणा की। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित इंटरपोल की आम सभा की बैठक में मतदान के जरिए उर्कीजा को महासचिव चुना गया और बृहस्पतिवार को बैठक समाप्त होने के बाद वह पद संभालेंगे। अमेरिका के लिए इंटरपोल के मौजूदा उपाध्यक्ष उर्कीजा संगठन के पहले ऐसे प्रमुख हैं, जो न तो यूरोप से हैं और न ही अमेरिका से।इंटरपोल महासचिव पर अनिवार्य रूप से संगठन की दैनिक गतिविधियों का जिम्मा होता है।वर्ष 2014 से इस पद पर तैनात जर्मनी के जुर्गन स्टॉक को नियमों के तहत तीसरे कार्यकाल के लिए आवेदन करने की अनुमति नहीं है।उर्कीजा ने संगठन के भीतर विविधता को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हुए कहा, इंटरपोल तभी मजबूत हो सकता है।

अमेरिकी सपने को जीनाः भारतीय प्रवासियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण यात्रा

भाषा। न्यू जर्सी

भारतीय प्रवासियों के लिए अमेरिकी सपने को जीने की चाहत हमेशा उतनी आसान नहीं होती, जितनी बाहर से दिखती है। जटिल अमेरिकी आव्रजन प्रणाली से गुजरते समय, यह बाधाओं से भरी हो सकती है। स्थाई निवास और नागरिकता पाने का रास्ता लंबा, अनिश्चित और भावनात्मक रूप से कष्टदायक हो सकता है, जो प्रायः व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर दबाव डालता है। कई लोगों के लिए एच- 1बी वीजा एक पहेली है। कुशल भारतीय कामगारों के लिए यह एक लोकप्रिय रास्ता है, लेकिन इसकी अपनी चुनौतियां भी हैं क्योंकि इसकी उपलब्धता सीमित है। एच- 1बी वीजा पर वार्षिक सीमा का अर्थ है कि लॉटरी प्रणाली के कारण कई योग्य आवेदक इससे बाहर रह जाते

हैं। इस देश में आने वाले अजीत को एहसास हुआ कि एच 1बी मार्ग उनके लिए नहीं है। वह अमेरिकी आव्रजन प्रणाली को टूटा हुआ कहते हैं।उन्होंने कहा, मैं इसे टूटी हुई आव्रजन प्रणाली कहता हूं। भारत इतना बड़ा देश है और हमें किसी भी अन्य छोटे देश की तरह ही सात प्रतिशत कोटा दिया जाता है। यह कैसे उचित है? मैंने सोचा कि एच 1बी प्रणाली एक लॉटरी प्रणाली है और यह मेरे लिए काम नहीं करेगी। उन्होंने व्यवसाय शुरू करने और अपना वीजा प्रायोजित करने का फैसला किया। वह एक भारतीय रेस्तरां चलाते हैं, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह बहुत तेज गति से स्वस्थ भारतीय भोजन परोसता है।तमाम सपने संजोए एक युवा महिला के रूप में मीता दमानी करीब 20 साल पहले भारत से अमेरिका आई थीं। कई सालों तक वह देश में काम नहीं कर सकीं और एक आश्रित के रूप में रहीं। इस अवधि ने उन्हें बहुत परेशान किया और वह अवसाद में चली गईं। उन्होंने कहा, मैं एक भयानक अवसाद से गुजरी और फिर मैंने इस मुद्दे पर एक वृत्तचित्र बनाने का फैसला किया ताकि इस कहानी को बताया जा सके। उन्होंने तब भी एच4 पर आश्रितों को काम करने की अनुमति नहीं दी थी और अब भी यह बहुत ही अस्पष्ट है। मुझे लगता है कि एच4 मुद्दे का स्थाई समाधान आवश्यक है, अभी हमारे पास जो है वह सिर्फ एक कार्यकारी आदेश है और कल कोई भी इसे बदल सकता है।

गर्भपात अधिकार का मुद्दा भारतीय अमेरिकी महिलाओं की चुनावी पसंद और नापसंद को प्रभावित कर रहा

भाषा। न्यू जर्सी (अमेरिका)

मेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव में गर्भपात अधिकार का मुद्दा एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभर रहा है, जो भारतीय अमेरिकी महिलाओं की चुनावी पसंद और नापसंद को प्रभावित कर रहा है।भारतीय अमेरिकी समुदाय की महिलाएं अमेरिका में दूसरे सबसे बड़े आप्रवासी समुदाय का हिस्सा हैं, जिनका प्रजनन अधिकारों की वकालत करने वाले उम्मीदवारों का समर्थन करने की ओर मजबूत झुकाव दिख रहा है।न्यू जर्सी क्षेत्र में रहने वाली भारतीय अमेरिकी वृत्तचित्र फिल्म निर्माता मीता दमानी महिलाओं और बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए समुदाय में काम कर रही हैं।उन्होंने कहा, यह भारतीय अमेरिकी समुदाय में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह एक दूसरे से जुड़ा हुआ है जैसे कि अगर किसी महिला का बच्चा अस्वस्थ पैदा होने वाला है, तो इसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। आखिरकार, यह स्वतंत्रता और किसी की पसंद के बारे में है। मुझे लगता है कि महिला मतदाता अपनी आवाज बहुत स्पष्ट रूप से उठाएंगी। भारतीय अमेरिकी महिलाओं के बीच इस विषय पर विचारों की स्पष्टता को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि 2024 के चुनाव में गर्भपात और प्रजनन अधिकार शीर्ष-स्तरीय नीतिगत मुद्दे बन गए हैं। मार्केटिंग प्रोफेशनल प्रिया न्यू जर्सी क्षेत्र में भारतीय अमेरिकी समुदाय की मुखर सदस्य हैं।उन्होंने कहा, किसने सोचा होगा कि अमेरिका जैसे अग्रणी देश में आने के बाद गर्भपात के अधिकार भी महिलाओं के लिए एक मुद्दा बन जाएंगे। अगर यह मेरा शरीर है, तो यह मेरी पसंद होनी चाहिए। यह बहुत आसान है। महिला मतदाताओं के रूप में अगर आपको किसी ऐसी पार्टी का समर्थन करने का अवसर मिलता है जो आपके अधिकारों को बरकरार रखना चाहती है तो आप निश्चित रूप से ऐसा करेंगी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 2022 में 1973 के ऐतिहासिक रो बनाम वेड निर्णय को पलट दिया था। इस फैसले में गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को समाप्त कर दिया गया था, जिससे राज्यों को गर्भपात तक पहुंच पर प्रतिबंध लगाने या उसे सीमित करने की अनुमति मिल गई। इसके बाद विभिन्न राज्यों में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून बनाए गए।आईटी प्रोफेशनल सुप्रीत कहती हैं कि महिलाओं पर इसका कई तरह से असर पड़ा है। उनका यह भी मानना है कि अमेरिका में कई नियोक्ताओं को महिला कर्मचारियों की चुनौतियों को कम करने के तरीके खोजने पड़े। इंडियन अमेरिकन एटीट्यूड सर्वे (आईएएएस) ने 18 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच भारतीय अमेरिकी नागरिकों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व के संबंध में ऑनलाइन सर्वेक्षण किया।सर्वेक्षण के अनुसार, 67 प्रतिशत भारतीय अमेरिकी महिलाएं कमला हैरिस को वोट देने की योजना बना रही हैं, जबकि 53 प्रतिशत पुरुष कहते हैं कि वे हैरिस को वोट देने की योजना बना रहे हैं। हालांकि पुरुषों की यह संख्या काफी कम है। उम्र के हिसाब से देखें तो यह लैंगिक अंतर युवा मतदाताओं के बीच सबसे ज्यादा है। 40 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में 70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं और 60 प्रतिशत पुरुष हैरिस को वोट देने की योजना बना रहे हैं।

म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख सत्ता संभालने के बाद पहली बार चीन के दौरे पर गए

बैंकाक। म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख मंगलवार को कई क्षेत्रीय बैठकों के लिए अपने सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सहयोगी देश चीन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। फरवरी 2021 में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार से उनकी सेना द्वारा सत्ता छीन लिए जाने के बाद पहली बार वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग पड़ोसी देश की यात्रा पर गए है। सरकारी एमआरटीवी टेलीविजन ने बताया कि मिन आंग ह्लाइंग अपनी यात्रा शुरू करने के लिए मंगलवार को सुबह राजधानी नेपीता से विमान से रवाना हुए। वह बुधवार और बृहस्पतिवार को कुल तीन शिखर सम्मेलनों... ग्रेटर मेकांग उपक्षेत्र, अएयावाडी-चाओ फ्राया-मेकांग आर्थिक सहयोग रणनीति और कंबोडिया-लाओस-म्यांमा-वियतनाम सहयोग में भाग लेने के लिए चीन के कुनमिंग शहर का दौरा करेंगे। चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग म्यांमा की सीमा से लगभग 400 किलोमीटर दूर है। खबर में कहा गया है कि वह चीनी सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें दोनों देशों की सरकारों और लोगों के बीच सद्भावना, आर्थिक तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। चीन और रूस म्यांमा की सेना को हथियारों की आपूर्ति करते है। बीजिंग म्यांमा का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है और उसने म्यांमा की खदानों, तेल तथा गैस पाइपलाइनों एवं अन्य बुनियादी ढांचे में अरबों डॉलर का निवेश किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की रात कमला हैरिस के सम्मान में हॉवर्ड विश्वविद्यालय परिसर में पार्टी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को मतदान होगा और रात में हॉवर्ड विश्वविद्यालय डेमोक्रेटिक पार्टी उम्मीदवार कमला हैरिस के सम्मान में आयोजित पार्टी की मेजबानी करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास में यह पहली बार होगा जब मतदान की रात किसी उम्मीदवार के लिए विश्वविद्यालय परिसर में पार्टी आयोजित की जाएगी। हैरिस ने हॉवर्ड विश्वविद्यालय से 1986 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। हॉवर्ड विश्वविद्यालय में विधि के छात्र नाइजल जॉनसन इस कार्यक्रम को लेकर बहुत उत्साहित हैं। जॉनसन ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। आप हमेशा अपने पूर्व छात्रों और अपने सहपाठियों को बड़ी-बड़ी चीजें करते देखना पसंद करते हैं। यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि दुनिया यहां है और दुनिया जानती है कि विश्वविद्यालय किस तरह के लोगों को तैयार करता है। हम नेता तैयार करते है और दुनिया को यह जानना चाहिए कि हॉवर्ड विश्वविद्यालय नेतृत्व का पर्याय है। हॉवर्ड विश्वविद्यालय में हाल में पढ़ाई करने आए जेड का मानना है कि हैरिस के निर्वाचित होने से संस्थान की ख्याति बढ़ेगी। उन्होंने कहा, हमें बहुत अच्छा लग रहा है कि हम सुर्खियों में है और हमारे पूर्व छात्र अमेरिका के उपराष्ट्रपति जैसे पद पर है। मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि विश्वविद्यालय अच्छे छात्र तैयार करता है। यही इतिहास रचा जा रहा है। इस बार के राष्ट्रपति चुनाव को गत कई दशकों में सबसे कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। इस बार कमला हैरिस का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ है।

अपारशक्ति का नया गाना दुनिया का मोहेगा मन

मुंबई। जानेमाने अभिनेता और गायक अपारशक्ति खुराना अपने नए गाने एन्ना प्यार के साथ एक बार फिर से दिलों को जीतने के लिए तैयार हैं। यह गाना प्यार के मधुर एहसास और दर्दभरी गहराइयों को बड़ी खुबसूरती से दिखाता है। हाल ही में उनके हिट गाने जरूर की सफलता के बाद एन्ना प्यार् एक ऐसा संगीत है जो सीधे दिल में उतर कर उन भावनाओं को बयां करता हैए जिन्हें हम में से कई लोग अच्छी तरह से समझते हैं। अपनी जड़ों से जुड़े होने के साथ ताजगी और सच्चाई भरे एन्ना प्यार में अपारशक्ति खुराना की गायकी का ख़ास अंदाज़ दिखाई देता है, जिसमें परिपक्वता और गहराई झलकती है, जो श्रोताओं के दिलों को छूने का वादा करती है। इस गाने में साक्षी रत्ती के एहसासों भरे बोल और रचना हैए साथ ही हितेन के भावपूर्ण प्रोडक्शन ने गाने में भावनाओं के अनेक रंग भर दिए है। एन्ना प्यार की रिलीज पर बात करते हुए अपारशक्ति खुराना ने कहा किए मेरा यह एहसासों भरा गाना मेरे सफर का अहम हिस्सा है। एन्ना प्यार मेरे दिल में खास जगह रखता है क्योंकि यह उन भावनाओं को व्यक्त करता हैए जिन्हें हम अकसर बयां नहीं कर पाते। साक्षी रत्ती की धुन और शब्द भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से एक साथ पिरोते हैंए साथ ही हितेन के साउंडस्केप ने इसमें नई जान फूंक कर नाजुकता से इसे जीवंत किया है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना उन सभी के दिलों को छूएगा जिन्होंने कभी प्यार किया है और खोया है, या बस शिद्दत से प्यार किया है। आपकी प्लेलिस्ट का खास हिस्सा बनने वालाए श्एन्ना प्यारश् अपारशक्ति खुराना की एक संगीतकार के रूप में बहुमुखी प्रतिभा को दिखाता है, जो सिर्फधुनों तक सीमित नहीं है बल्कि दिल को छूने वाली कहानियां सुनाता है। भावनाओं को जगाने की उनकी कुदरती कला के साथ अपारशक्ति खुराना अपने खास अंदाज से एन्ना प्यार को बेहद मनोरम बनाते हैं।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका में चुनाव से पहले समुद्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइल दागीं

सियोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को पूर्वी समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह जानकारी दी। प्योंगयोंग ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव से कुछ घंटे पहले अपनी अस्त्र प्रणाली का प्रदर्शन किया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने तत्काल यह नही बताया कि उत्तर कोरिया ने कितनी मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि माना जाता है कि मिसाइल पहले ही समुद्र में गिर चुकी है और इससे किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नही है। यह घटनाक्रम उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन द्वारा अमेरिका तक पहुंचने के लिए डिजाइन की गई देश की नवीनतम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण की निगरानी किए जाने के कुछ दिन बाद हुआ है। इसके जवाब में, अमेरिका ने रविवार को शक्ति प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया और जापान के साथ एक त्रिपक्षीय अभ्यास में लंबी दूरी के बी-1बी बमवर्षक का इस्तेमाल किया था।

अमेरिकाः प्रतिनिधि सभा, स्टेट असेंबली, स्थानीय और निकाय चुनाव में कई भारतीय अमेरिकी दौड़ में शामिल

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के लिए नौ भारतीय अमेरिकी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें से पांच पुनः निर्वाचित होने की दौड़ में हैं, जबकि अन्य तीन पहली बार कांग्रेस (अमेरिकी संसद) की राजनीति में प्रवेश कर रहे हैं। वर्जीनिया और ईस्ट कोस्ट से चुनाव लड़ रहे सुहास सुब्रमण्यन (38) अगर निर्वाचित होते हैं तो वह यह उपलब्धि हासिल कर पहले भारतीय अमेरिकी बनकर इतिहास रच सकते हैं। पेशे से चिकित्सक, डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के छठे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे वरिष्ठ भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। अगर डेमोक्रेटिक पार्टी को प्रतिनिधि सभा में बहुमत प्राप्त होता

है, तो 59 वर्षीय बेरा को वरिष्ठ पद मिलना तय है। वाशिंगटन स्टेट के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली 59 वर्षीय सांसद प्रमिला जयपाल 2017 से डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरी हैं। उनका फिर से चुना जाना तय माना जा रहा है। साथ ही तीन अन्य भारतीय अमेरिकी सांसदों का भी यही मानना है। ए भारतीय अमेरिकी हैं -2017 से इलिनोइस के सातवें कांग्रेसनल जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे राजा कृष्णमूर्ति, 2017 से कैलिफोर्निया के सत्रहवें कांग्रेसनल जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे रो खन्ना और 2023 से मिशिगन के तेरहवें कांग्रेसनल जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे 69 वर्षीय श्री थानेदार। तीनों ही राज्य डेमोक्रेटिक पार्टी के गढ़ माने जाते हैं। एरिजोना राज्य की असेंबली में 2018, 2020 और 2022 में तीन बार जीत के बाद डॉ. अमीश शाह अब एरिजोना के पहले कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वह सात बार चुनाव जीत चुके रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डेविड श्वेइकर्ट को चुनौती दे रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े डॉ. प्रशांत रेड्डी कंसास के तीसरे कांग्रेसनल जिले से प्रतिनिधि सभा के लिए तीन बार से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद रहे शैरिस डेविड्स के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। डॉ. राकेश मोहन न्यू जर्सी से चुनाव लड़ रहे हैं। वह रिपब्लिकन पार्टी से हैं। रेड्डी और मोहन के इस बार चुनाव जीतने की संभावनाएं काफी क्षीण हैं। उल्लेखनीय है कि दलीप सिंह सौंद 1957 में कैलिफोर्निया के 29वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से कांग्रेस के लिए चुने गए पहले भारतीय अमेरिकी थे। दशकों बाद बॉबी जिंदल 2005 में लुइसियाना से प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए। वह दो कार्यकाल के लिए चुने गए, जिसके बाद वह दो कार्यकाल के लिए लुइसियाना के गवर्नर चुने गए।

अमेरिका के अगले राष्ट्रपति को भारत के साथ मिलकर काम करना होगा, और कोई विकल्प नहीं : विशेषज्ञ

भाषा। वाशिंगटन

भारत-अमेरिका संबंधों में आए सकारात्मक परिवर्तन की गति में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं होगा हालांकि ट्रंप प्रशासन और हैरिस सरकार के बीच नई दिल्ली के प्रति दृष्टिकोण में अंतर हो सकता है। विदेश नीति विशेषज्ञों ने यह बात कही है। अमेरिका में मंगलवार को नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान हो रहा है।डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में व्हाइट हाउस पर कब्जा जमाने के लिए चुनावी मैदान में हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अमेरिका चैप्टर के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने कहा कि व्यापार, ऊर्जा और आव्रजन के क्षेत्रों में संबंधों की दिशा अलग-अलग होने की संभावना है। मुझे लगता है कि ट्रंप के साथ व्यापार और आव्रजन को लेकर बातचीत में थोड़ी कठिनाइयां आ सकती हैं हालांकि कई अन्य मुद्दों पर उनकी भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संबंध बहुत अच्छे है। जयशंकर ने कहा, वहीं दूसरी ओर हैरिस के साथ कुछ निरंतरता होगी जैसा कि हमने पिछले चार वर्षों में बाइडन प्रशासन के अंतर्गत देखा है। लेकिन मुझे लगता है कि प्रगतिशील एजेंडा और विदेश नीति बेहतर होगी और इसका भारत के साथ संबंधों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग आगे चलकर विशाल होने वाला है लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि हैरिस या ट्रंप सरकार के दृष्टिकोण में अंतर हो सकता है।

महिला वनडे की रैंकिंग में हरमनप्रीत नौवें स्थान पर

मंधाना चौथे पायदान पर बरकरार

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गई जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में हरमनप्रीत ने 63 गेंद में नाबाद 59 रन की पारी के साथ भारतीय टीम को मैच और श्रृंखला में जीत दिलाई थी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियन का हिस्सा थी जिसे भारत ने 2-1 से जीता था। इसी मैच में 100 रन की शानदार पारी खेलने वाली वामहस्त बल्लेबाज मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू के बीच सिर्फ पांच रेटिंग अंक का फर्क है। इस तालिका में इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट 760 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें जबकि श्रृंखला के तीसरे मैच में 86 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की ब्रुक हैलीडे 12 स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गई है। गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 703 रेटिंग अंक के साथ दूसरे पायदान पर अपनी स्थिति मजबूत की। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 39 रन पर तीन विकेट चटकाए थे। भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (चार स्थान के सुधार के साथ 32वें), साइमा ठाकोर (20 स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 77वें) और प्रिया मिश्रा (छह स्थान के सुधार के साथ 83वें) इस रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर करने वालों में शामिल हैं। भारतीय टीम आईसीसी महिला चैम्पियनशिप की तालिका में 25 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 21 मैचों में 20 अंक के साथ छठे पायदान पर है। इस तालिका में ऑस्ट्रेलिया (18 मैच) और इंग्लैंड (21 मैच) एक समान 28 अंक के साथ शीर्ष पर है।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आईलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। जांगड़ा ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका। हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे। हमारे मुक्केबाज अच्छे हैं और उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर उन्हें अच्छे प्रमोटर और मैनेजर मिलें तो वे विश्व चैंपियन भी बन सकते हैं। जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अभी तक 12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, जिनमें सात नॉकआउट जीत शामिल हैं। उन्होंने एमेच्योर मुक्केबाज के रूप में 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत वापसी कर सकता है भारत : हेजलवुड

भाषा। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि न्यूजीलैंड से श्रृंखला में करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा, लेकिन उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकता है।भारत को न्यूजीलैंड से तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है जबकि घरेलू धरती पर तीन या इससे अधिक टेस्ट मैच की श्रृंखला में उसका सूपड़ा साफ हुआ। हेज़लवुड ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, हो सकता है कि सोया हुआ शेर जाग गया हो। श्रृंखला शुरू होने पर ही हम पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं। घरेलू धरती पर हार न केवल भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक है, बल्कि इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की अगले साल के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा है। लगातार तीन हार का मतलब है कि भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया से अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है। भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पांच में से चार मैच जीतने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।हेज़लवुड ने कहा, इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यह परिणाम निश्चित तरह से हमारे लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड की टीम को भी श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने पूरी श्रृंखला में शानदार क्रिकेट खेली। श्रृंखला तो छोड़ो भारत में एक मैच जीतना भी काफी मुश्किल होता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी हेज़लवुड ने कहा, हम इसके लिए तैयार हैं। यह श्रृंखला हमारे लिए काफी मायने रखती है। जब भी हम भारत के खिलाफ खेलते हैं तो वह एशेज में खेलने जैसा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक बड़ी संख्या में मैच देखने के लिए आएंगे और टीवी रेटिंग भी बहुत ज्यादा हो सकती है।

ओलंपियन देसिंघु अखिल भारतीय तैराकी स्पर्धा में होंगी आकर्षण का केंद्र

बेंगलुरु। ओलंपियन धिनिधि देसिंघु और प्रतिभाशाली हर्षिता जयराम नौ और 10 नवंबर को यहां होने वाली नेट्टाकल्लप्पा अखिल भारतीय तैराकी प्रतियोगिता में स्टार आकर्षण होंगे। चौदह साल की धिनिधि ने यूनिवर्सिटी कोटा के तहत इस साल पेरिस ओलंपिक में 200 मीटर फ्रीस्टाइल में चुनौती पेश की थी। वह नेट्टाकल्लप्पा प्रतियोगिता में अपनी पसंदीदा स्पर्धा में नजर आएंगी। हर्षिता महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन है। इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख रुपए है।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स: पहले दौर में एरिगैसी का सामना गुजराती से

चेन्नई। दुनिया के चौथे नंबर के भारतीय ग्रैंडमास्टर और शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ करेंगे। एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने के बाद भारत में पहली बार खेलेंगे। आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाली इस क्लासिकल प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में अरविंद चिदंबरम का सामना ईरान के अमीन ताबाताबेई से, वाचिएर लाग्रेव मैक्सिम का सामना मघसूदलू परम से और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेवोन एरोनियन का सामना एलेक्सी शिरोव से होगा। सात दौर के इस टूर्नामेंट में इस बार चैलेंजर्स प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली बार महिला खिलाड़ी भी भाग लेंगी। भारत की तरफ से इसमें हरिका द्रोणावल्ली और वैशाली रमेशबाबू अपनी चुनौती पेश करेंगी।

फिर चोटिल हुए ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार

रियाद। चोटिल होने के कारण 12 महीने तक बाहर रहने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने वाले ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार अपने दूसरे मैच में ही फिर से चोटिल हो गए।नेमार एएफसी चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के इस मैच में सऊदी अरब के अपने क्लब अल हिलाल की तरफ से 58वें मिनट में मैदान पर उतरे लेकिन खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। नेमार के पास हालांकि इस चोट से उबरने का पर्याप्त समय है क्योंकि अल हिलाल को अपना अगला मैच 25 नवंबर को खेलना है। अल हिलाल ने इस मैच में ईरान के क्लब एस्टेघलाल को 3-0 से हराया।

प्रशंसकों को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया पक्ष देखने को मिलेगा: कोच हरेंद्र

राजगीर (बिहार)। भारतीय महिला हॉकी टीम इस साल उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रही है लेकिन मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने सोमवार को वादा किया कि उनकी खिलाड़ी एक नई टीम के रूप में खेलेंगी और 11 नवंबर से यहां शुरू होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रशंसकों को निराश नही करेंगी। इस साल अप्रैल में भारत के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहने के बाद मुख्य कोच नियुक्त किए गए हरेंद्र ने कहा कि टीम ने खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ सर्कल में अपने संयोजन और निर्णय लेने पर काम किया है। हरेंद्र ने कहा, प्रत्एक टीम ट्रॉफी जीतने के लक्ष्य के साथ आएगी और हमने पिछले पांच महीने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए तैयारी में बिताए है।

भारतीय खिलाड़ियों ने एशिया पिक्लबॉल खेलों में पांच स्वर्ण सहित 14 पदक जीते

भाषा। मुंबई

भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में ताइवान में आयोजित एशिया पिकलबॉल खेलों में पांच स्वर्ण, चार रजत और पांच कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते।नितीन कीर्तने ने 50+ ओपन पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता जबकि विशाल जाधव ने 35+ ओपन पुरुष एकल में रजत पदक हासिल किया। खुशी सचदेवा और श्रद्धा दमानी क्रमश: 4.0 वर्ग में 19+ और 35+ महिला एकल में रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहे, जबकि संदीप तावड़े ने 4.0 वर्ग में 50+ पुरुष एकल में दूसरा स्थान हासिल किया।कीर्तने और तावड़े की जोड़ी ने 50+ ओपन पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता। वंशिक कपाड़िया और तेजस महाजन ने 19+ ओपन पुरुष युगल में शीर्ष स्थान हासिल किया। कपाड़िया और वृषाली ठाकरे ने भी 19+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जाधव और ईशा लखानी ने 35+ ओपन मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। अभिषेक देथन (35+ पुरुष एकल में 4.0), जोहानन फर्नांडीस (35+ ओपन महिला एकल), ठाकरे और सचदेवा की जोड़ी (19+ ओपन महिला युगल), दमानी और फर्नांडीस की जोड़ी (35+ महिला युगल 4.0) और चेतन सानिल और तावड़े की जोड़ी (50+ पुरुष युगल 4.0) ने देश के लिए कांस्य पदक जीते। इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा ताइवान, सिंगापुर, जापान, चीन, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और मलेशिया की टीमों ने भाग लिया। अखिल भारतीय पिकलबॉल महासंघ के अध्यक्ष अरविंद प्रभु ने कहा, हमारे खिलाड़ियों की सफलता पिकलबॉल के लिए उनकी कड़ी मेहनत, जुनून और समर्पण का परिणाम है।

तेज गेंदबाज बोलैंड भारत ए के खिलाफ मैच में राहुल पर दबाव बनाने की करेंगे कोशिश

● चार दिवसीय मुकाबला कल से

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत ए के खिलाफ गुरुवार से यहां खेले जाने वाले चार दिवसीय मुकाबले में अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल के खराब प्रदर्शन के दौर और आगें बढ़ाने की कोशिश करेंगे। राहुल और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के खत्म होते ही ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरी। यह दोनों खिलाड़ी एमसीजी में दूसरे चार दिवसीय मैच में भारत ए के लिए खेलेंगे। बोलैंड ने कहा, मैंने कुछ साल पहले भारत में एक मैच में उनके खिलाफ गेंदबाजी की है। अपने मैदान पर उनके खिलाफ गेंदबाजी करने का अनुभव अलग तरह का होगा। राहुल ने 2015 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर शतक लगाया था लेकिन उसके बाद उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने इस देश में चार मैचों में 20.77 की औसत से रन बनाए हैं। बोलैंड ने कहा कि वह पारी की शुरुआत में इस 32 साल के बल्लेबाज पर हावी हो सकते हैं। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ी है लेकिन मुझे लगता है कि वह ऐसा बल्लेबाज है जिसके खिलाफ पारी की शुरुआत में मेरे पास दबदबा बनाने का मौका होगा। उम्मीद है कि मैं आगामी मैचों में उस पर भारी पड़ूंगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरू टेस्ट में शून्य और 12 रन की पारियों के बाद राहुल को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने टेस्ट में अपना आखिरी शतक 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में लगाया था। उसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक लगाए हैं। रोहित शर्मा पांच मैचों की श्रृंखला में अगर 22 नवंबर से पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से बाहर रहते है तो राहुल की एकादश में वापसी हो सकती है। भारत का घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था लेकिन 35 साल के बोलैंड का मानना है कि इस टीम के पास वापसी करने का माद्दा है। ऑस्ट्रेलिया में गेंद को अधिक उछाल और स्विंग मिलेगी। यहां वे जिस टीम के साथ मैदान में उतरेंगे वह टीम भारत से काफी अलग होगी।

क्विक न्यूज

मिजोरम को रणजी ट्रॉफी एलीट वर्ग में जगह दिलाना चाहते हैं अग्नि चोपड़ा

मुंबई। अग्नि चोपड़ा का प्रथम श्रेणी में मौजूदा औसत 99.06 है और इसने उनके पिता द्वारा निर्मित कुछ सबसे बड़ी बॉलीवुड फिल्मों के बराबर या शायद उससे भी अधिक ध्यान आकर्षित किया है। बॉलीवुड फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा और फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा के बेटे अग्नि ने इस साल की शुरुआत में मिजोरम की ओर से रणजी ट्रॉफी प्लेट लीग में पदार्पण के बाद से केवल नौ मैच में आठ शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 1585 रन बनाए है। अग्नि के स्वप्निल सफर की शुरुआत इस साल जनवरी में हुई जब उन्होंने सिक्किम के खिलाफ पदार्पण करते हुए नाडियाड में 166 रन की पारी खेली और उसके बाद से इस बल्लेबाज ने लगातार शतक जड़ते हुए रन जुटाए है। इस 26 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने मौजूदा सत्र में वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सत्र में छोड़ा था। वह अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के खिलाफ 218 और 238 रन की पारियां खेल चुके है। तो उनके रन बनाने का राज क्या है? अग्नि ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, यह सब रनो की भूख पर निर्भर करता है, है न? इस सत्र की शुरुआत से पहले मैने अपने कोच खुशप्रीत (सिंह) से इस बारे में चर्चा की। उन्होने मेरे से केवल यही कहा, रनों के बारे में भूल जाओ, तुम्हें बस एक चीज पर ध्यान देना है - आउट मत होना। उन्होंने कहा, इसलिए मैने किसी और चीज के बारे मे नही सोचा। मेरा दूसरा लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था क्योंकि पिछले सत्र में मैने एक भी दोहरा शतक नही बनाया था। उन्होंने कहा कि अपनी फिटनेस पर विशेष रूप से ध्यान देने से उन्हें बड़े स्कोर बनाने में मदद मिली है। गेंदबाजों पर दबदबे के कारण उनका औसत सर डॉन ब्रैडमैन के स्तर को छू रहा है लेकिन ए रन प्लेट लीग में आए है और अग्नि मिजोरम के साथ एलीट लीग में खेलने का सपना संजोए है। अग्नि ने कहा, मैं बहुत दूर के बारे में नही सोचता। बेशक, मै दलीप ट्रॉफी या भारत ए में चुना जाना पसंद करूंगा, आईपीएल में खेलना चाहूंगा, उम्मीद है कि एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा। अग्नि हालांकि जानते है कि इसके लिए उन्हे रणजी ट्रॉफी के एलीट वर्ग मे खेलना होगा। उन्होने कहा, मै एलीट वर्ग टीम का प्रतिनिधित्व करना पसंद करूंगा, फिर शायद आईपीएल और भारत के लिए खेलूंगा। लेकिन ए सब करने के लिए मुझे अभी जिस स्तर पर खेल रहा हूं, उस स्तर पर अच्छा खेलना होगा और ऐसा करने के लिए मुझे अगले मैच मे रन भी बनाने होगे। इसलिए मै केवल अगले मैच के बारे में सोचता हूं।

एफ्रो-एशिया कप को फिर शुरू करने को लेकर एसीसी के संपर्क में: एसीए प्रमुख मुकुहलानी

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)। अफ्रीका क्रिकेट संघ (एसीए) ने एक समय लोकप्रिय रहे एफ्रो-एशिया कप को लगभग दो दशक बाद फिर शुरू करने को लेकर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत शुरू की है। इस टूर्नामेंट में दोनों महाद्वीप की टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती है। एफ्रो-एशिया कप का अब तक दो बार आयोजन हुआ है। यह टूर्नामेंट 2005 में दक्षिण अफ्रीका (ड्रॉ रहा) जबकि 2007 में भारत (एशिया जीता) में आयोजित किया गया। तीसरे सत्र का आयोजन 2009 में कीनिया में होना था लेकिन यह कभी नही हो पाया। एसीए के अंतरिम अध्यक्ष और जिंबाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तावेग्वा मुकुहलानी के हवाले से ईएसपीएनक्रिकइंफो ने कहा, क्रिकेट के अलावा एफ्रो-एशिया कप संगठन के लिए बहुत जरूरी वित्तीय राशि लाता है और दोनों तरफ इसके लिए बहुत अधिक इच्छाशक्ति है। हमने एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अपने समकक्षों और जाहिर तौर पर हमारे अफ्रीकी महाद्वीप के संघों के साथ बातचीत की है। वे चाहते है कि एफ्रो-एशिया कप को फिर से शुरू किया जाए। एसीसी ने अब तक इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया नही दी है। वर्ष 2005 में एशियाई टीम की अगुआई पाकिस्तान के कप्तान इंजमाम उल हक ने की थी और इसमें राहुल द्रविड़, आशीष नेहरा और अनिल कुंबले जैसे भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली थी। एशिया की 2007 की टीम मे महेंद्र सिंह धोनी, सौरव गांगुली, हरभजन सिंह, जहीर खान, युवराज सिंह, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जबकि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद यूसुफ और शोएब अख्तर ने किया था।

पुरूष एचआईएल के पहले मैच में 28 दिसंबर को गोनासिका से भिड़ेंगे दिल्ली एसजी पाइपर्स

नई दिल्ली। दिल्ली एसजी पाइपर्स राउरकेला में 28 दिसंबर को शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पुरूष वर्ग के पहले मैच मे विशाखापत्तनम फ्रेंचाइजी गोनासिका से भिड़ेगे। इस फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट की सात साल बाद नए अंदाज मे वापसी हो रही है। इस बार पुरूष और महिला वर्ग में प्रतियोगिताओ का आयोजन एक साथ किया जाएगा। पुरूष वर्ग में आठ टीम हिस्सा लेगी जबकि महिला प्रतियोगिता रांची मे खेली जाएगी और इसमे चार टीम हिस्सा लेगी। पुरूष एचआईएल का आयोजन दो चरण मे किया जाएगा। शुरूआती चरण मे सभी आठ टीम 28 दिसंबर से 18 जनवरी से एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। दूसरा चरण 19 जनवरी से शुरू होगा जिसमे आठ टीम को चार-चार टीम के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। पूल ए मे दिल्ली एसजी पाइपर्स, श्राची रार बंगाल टाइगर्स, सूरमा हॉकी क्लब और वेदांता कलिंगा लांसर्स को जगह मिली है। पूल बी में गोनासिका, हैदराबाद तूफान्स, तमिलनाडु ड्रेगन्स और यूपी रुद्रास को रखा गया है। दूसरे चरण मे प्रत्एक टीम अपने पूल की टीम के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इसके बाद शीर्ष चार टीम 31 जनवरी को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। तीसरे स्थान का प्ले ऑफ और फाइनल एक फरवरी को खेला जाएगा। पहली बार आयोजित हो रहा महिला एचआईएल 12 जनवरी से रांची मे खेला जाएगा।

मलेशिया के खिलाफ मैत्री मैच के लिए संभावित खिलाड़ियों में झिंगन की वापसी, इरफान नया चेहरा

नई दिल्ली। घुटने की चोट के कारण जनवरी से प्रतिस्पर्धी फुटबॉल से दूर दिग्गज डिफेंडर संदेश झिंगन को हैदराबाद में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैत्री फुटबॉल मैच के लिए मंगलवार को भारत के 26 संभावित खिलाड़ियो की सूची मे जगह दी गई। झिंगन चोट के कारण एशियाई कप और इंडियन सुपर लीग के बाकी बचे हिस्से में नही खेल पाए थे।एफसी गोवा के सेंटर बैक झिंगन को एशियाई कप में सीरिया के खिलाफ भारत के मुकाबले के पहले हाफ के खेल के दौरान दाएं घुटने में चोट लगी थी जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। वह अब पूरी तरह से उबर चुके है और उनकी वापसी से भारत की रक्षापंक्ति को मजबूती मिलेगी। जुलाई में इगोर स्टिमक की जगह पद संभालने वाले भारत के मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज को अब भी पहली जीत का इंतजार है। उन्होंने चेन्नई एफसी के उदीयमान फारवर्ड इरफान यादवद को भी पहली बार राष्ट्रीय टीम के संभावित खिलाड़ियो मे जगह दी है। तेइस साल के इरफान के सीनियर फारूख चौधरी, अनिरुद्ध थापा, लालेंगमाविया राल्टे, जितिन एमएस और बिबिन मोहनन की भी टीम में वापसी हुई है। हिमिंगथानमाविया राल्टे और राहुल भेके की भी रक्षा पंक्ति मे वापसी हुई है जबकि सुभाशीष बोस, निखिल पुजारी और आकाश सांगवान को टीम मे जगह नही मिली है। भारत ने 12 अक्टूबर को अपने पिछले मुकाबले मे वियतनाम से 1-1 से ड्रॉ खेला था।

ओडिशा के खिलाफ मुकाबले के लिए अय्यर की मुंबई टीम में वापसी, पृथ्वी बाहर

मुंबई। भारत के मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की ओडिशा के खिलाफ बुधवार से यहां होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के लिए गत चैंपियन मुंबई की 16 सदस्ईय टीम में वापसी हुई है। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव को हालांकि टीम में जगह नहीं मिली है। अय्यर निजी कारणों से त्रिपुरा के खिलाफ मुंबई के पिछले मैच में नहीं खेले थे जो ड्रॉ रहा था। त्रिपुरा के खिलाफ मुकाबले के लिए अगरतला रवाना होने से पहले टीम से बाहर किए गए पृथ्वी को एक बार फिर टीम में जगह नहीं मिली है। सत्र की शुरुआत में मुंबई टीम का हिस्सा होने के अलावा ईरानी कप खिताब जीतने वाली टीम में भी शामिल पृथ्वी को फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण बाहर रखा गया था। मुंबई की टीम इस प्रकार है: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अखिल हेरवाडकर, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तमोरे, सिद्धांत अद्धतराव, शम्स मुलानी, कर्ष कोठारी, हिमांशु सिंह, शारदुल ठाकुर, मोहित अवस्थी , मोहम्मद जुनेद खान और रॉयस्टन डायस।

दिल्ली, कर्नाटक, बंगाल सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में जीते

भाषा। चेन्नई

दिल्ली, कर्नाटक, बंगाल और आंध्र प्रदेश ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को यहां आसान जीत दर्ज की। दिल्ली ने पूल एफ के मैच में जम्मू-कश्मीर को 6-0 से हराया। दिल्ली की ओर से नितेश (34वें और 58वें मिनट) ने दो जबकि भरत (तीसरे मिनट), गोविंद सिंह बिष्ट (14वें मिनट), मुकुल शर्मा (21वें मिनट) और विकास उपाध्याय (23वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। पूल डी में कर्नाटक ने चंडीगढ़ को 5-1 से हराया जबकि इसी पूल के एक अन्य मैच में उत्तराखंड ने त्रिपुरा के खिलाफ 5-0 की आसान जीत दर्ज की। पूल एच में बंगाल ने असम को 10-0 से रौंद दिया जबकि पूल सी में आंध्र प्रदेश ने भी बेहद एकतरफा मुकाबले में अंडमान एवं निकोबार को 13-0 से हराया। मध्य प्रदेश ने हालांकि पूल सी में मेजबान तमिलनाडु को 2-2 से ड्रॉ पर रोका।

गत चैम्पियन जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स से हटे

बेलग्रेड (सर्बिया)। नोवाक जोकोविच एटीपी फाइनल्स के अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगे क्योंकि चोट के कारण उन्होंने मंगलवार को इस प्रतियोगिता से हटने की घोषणा की। जोकोविच ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मैं वास्तव में इसमें भाग लेने का इंतजार कर रहा था लेकिन चोट के कारण अगले सप्ताह नहीं खेल पाउंगा। मैं उन लोगों से माफी चाहता हूं जो इस आयोजन के दौरान मुझसे मिलने की योजना बना रहे थे। सत्र में आखिर में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट रविवार से इटली के तूरिन में खेला जाएगा। जोकोविच ने रिकॉर्ड सात बार इस खिताब को जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में यानिक सिनर को हराया था। सिनर मौजूदा समय में शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी है। जोकोविच ने कहा, इसमें भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। जल्द मिलते हैं। जोकोविच ने इस तरह मौजूदा साल को 37 जीत और नौ हार के साथ खत्म किया। उन्होंने इस दौरान ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का अपना सपना पूरा किया। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जोकोविच के करियर का टूर स्तर का 99वां खिताब था। वह हालांकि इस साल एक भी ग्रैंड स्लैम जीतने में नाकाम रहे।

सबालेंका ने डब्ल्यूटीए फाइनल के अंतिम चार में प्रवेश किया

भाषा। रियाद

आर्यना सबालेंका ने ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज करके दुनिया की चोटी की आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे डब्ल्यूटीए फाइनल टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से पराजित किया। उन्होंने पहले सेट में बेहतरीन शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाकर इसे आसानी से अपने नाम किया और फिर दूसरे सेट में दो सेट प्वाइंट बचाकर अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित की।सबालेंका ग्रुप के अपने अंतिम लीग मैच में बुधवार को एलेना रयबाकिना का सामना करेगी जो सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के आखिरी मैच में जीत दर्ज करने से वह अपने करियर में पहली बार साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग पक्की कर लेंगी। सबालेंका ने अपने पिछले 23 मैचों में से 22 में जीत हासिल की है और पिछले चार टूर्नामेंटों में से तीन में वह चैंपियन बनी।पर्पल ग्रुप के एक अन्य मैच में झेंग किनवेन ने रयबाकिना को 7-6 (4) 3-6, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी संभावना बरकरार रखी।

चार साल तक साल तक पानी पिलाने के बाद मौके का पूरा फायदा उठाया विल यंग ने

मुंबई। केन विलियमसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जगह भरना आसान नहीं होता लेकिन न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे। विलियमसन चोटिल होने के कारण तीनों टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए जिससे यंग को अंतिम एकादश में जगह बनाने का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 48 रन बनाकर संकेत दे दिया था कि वह खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यंग ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद पत्रकारों से कहा, चार साल पहले पदार्पण करने के बाद मैं टीम से अंदर बाहर होता रहा। मैं वर्षों तक रिजर्व बल्लेबाज रहा इसलिए मैं मैदान पर पानी पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी की भावना को अच्छी तरह से समझता हूं। उन्होंने कहा, जब मुझे मौका मिला तो मैं अपनी तरह से खेलने को लेकर अधिक उत्साहित था ।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001